हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 30 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक : 138 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

झारखंड में नदी में डूबने से तीन लड़कियों की मौत

एजेंसी

झारखंड: झारखंड के रामगढ़ जिले में रविवार को आठ से 15 वर्ष की आयु की तीन लड़कियों की नदी में नहाते समय डूबने से मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना रामगढ़ टाउन थाना क्षेत्र में दामोदर नदी में घटी।काहुबेरा गांव की रहने वाली तीनों लड़कियां नदी में नहाने गई थीं। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने बताया, उनमें से एक नदी में गहराई में चली गयी और डूब गयी।दो अन्य ने उसे बचाने का प्रयास किया और वे भी डूब गयीं। मृतकों की पहचान सिमरन कुमारी, छाया कुमारी और संध्या कुमारी के रूप में हुई है। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तीनों लड़कियों के शव दामोदर नदी से बाहर निकाले गए।काहुबेरा गांव की रहने वाली तीनों लड़कियां नदी में नहाने गई थीं। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने बताया, उनमें से एक नदी में गहराई में चली गयी और डूब गयी।उप-विभागीय पुलिस अधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने बताया, उनमें से एक नदी में गहराई में चली गयी और डूब गयी।दो अन्य ने उसे बचाने का प्रयास किया और वे भी डूब गयीं।

पीएम ने मन की बात कार्यक्रम में जल संरक्षण को लेकर झांसी की महिलाओं को सराहा

यह देश के जल संकट को दूर करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

अपने ह्यमन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घूरारी नदी को नया जीवन देने के लिए झांसी जिले की महिलाओं के उल्लेखनीय जल संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। झांसी की महिलाओं की प्रशंसा

एजेंसी

झांसी/लखनऊ ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम में घूरारी नदी को नया जीवन देने के लिए झांसी जिले की महिलाओं के उल्लेखनीय जल संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। घूरारी नदी को नया जीवन देने और पानी की बबार्दी रोकने के लिए झांसी की महिलाओं की प्रशंसा करते हुए मोदी ने कहा कि यह देश के जल संकट को दूर करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी में विशेष रूप से पानी की कमी वाले बुंदेलखंड क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं के प्रयासों को मान्यता देने के लिए मोदी को धन्यवाद दिया। बयान में कहा गया कि इन महिलाओं ने ह्यजल सहेलीह्ल के रूप में घूरारी नदी को पुनर्जीवित करने के अभियान का नेतृत्व किया। इन महिलाओं ने मृतप्राय हो चुकी घुरारी नदी को जिस तरह से बचाया है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। बयान के मुताबिक महिलाओं ने बोरियों में बालू भरकर ह्यचेकडैमह्ल (छोटा बांध) तैयार किया, बारिश का पानी बर्बाद होने से रोका और नदी को पानी से लबालब कर दिया। इससे इस क्षेत्र के लोगों की पानी की समस्या तो दूर

हुई ही, उनके चेहरे पर खुशियां भी लौट आईं। उन्होंने कहा कि कहीं नारी शक्ति जल शक्ति को बढ़ाती है तो कहीं जल शक्ति भी नारी शक्ति को मजबूत करती है। उल्लेखनीय है कि झांसी के बबीना विकास खंड के सिमरावारी गांव में जल सहेलियों ने यह अनोखी पहल की थी। उन्होंने घुरारी नदी को पुनर्जीवित करने के लिए छह दिनों तक श्रमदान किया। बोरियों में बालू भरकर नदी का पानी रोक कर जलाशय बनाया और नदी को पानी से लबालब कर दिया। जल सहेलियों ने केवल एक नदी के पुनर्जीवन का काम ही नहीं किया है, बल्कि इससे उन्होंने समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया है। नदी में रोके गए पानी से स्थानीय लोगों को नहाने और जानवरों को पीने का पानी उपलब्ध हो रहा है। बयान में कहा गया कि झांसी ही नहीं, पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में योगी सरकार ने जल संरक्षण के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए हैं और तमाम चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए विंध्य और बुंदेलखंड के ज्यादातर परिवारों को पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं।बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार हर घर नल से जल योजना में 95 प्रतिशत घरों तक नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। गांवों में तालाबों का पुनर्निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना और जलाशयों की सफाई जैसे कदम उठाए गए हैं। इसके अतिरिक्त योगी सरकार प्रदेश में एसएचजी की महिलाओं को भी प्रोत्साहित कर रही है। जल संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों के चलते जल सहेलियों को प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार पहले भी सम्मानित कर चुकी है। बुंदेलखंड में जल संरक्षण से जुड़े कार्यों में ये जल सहेलियां सरकार का निरंतर सहयोग कर रही हैं। जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का काम भी ये जल सहेलियां कर रही हैं। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताते हुए जल संरक्षण के लिए प्रेरणा बनीं मातृशक्ति का अभिनंदन किया। उन्होंने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में लिखा, ह्ल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम में जनपद झांसी के स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा ह्यजल सहेलीह्ल के रूप में मृतप्राय घुरारी नदी के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए किये गए प्रयासों का उल्लेख, पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। इससे जल संरक्षण के कार्यों को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।ह्व उन्होंने कहा, ह्लसैकड़ों जलाशयों के निर्माण में सहयोग कर महिला सशक्तिकरण की अद्भुत प्रतीक बनीं इन ह्यजल सहेलीह्ल महिलाओं ने अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। जल संरक्षण के लिए प्रेरणा बनीं मातृशक्ति का हार्दिक अभिनंदन एवं प्रधानमंत्री जी का आभार।

शिक्षा और अध्यात्म का समावेश करके ही पाई जा सकती है अराजकता से मुक्ति: योगी

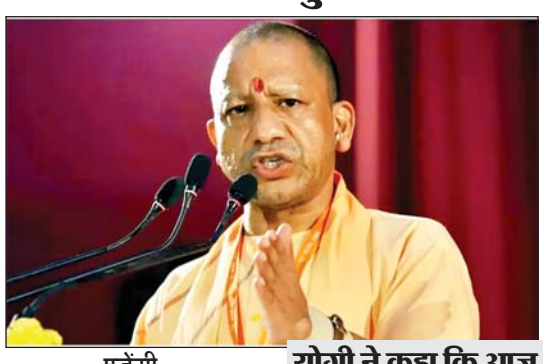

एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि शिक्षा और अध्यात्म का समावेश करके ही अराजकता से मुक्ति पाई जा सकती है। आदित्यनाथ ने गुरुकुलों में हवन की पुरानी आर्य समाज पद्धति का अनुसरण किए जाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने रविवार को यहां मेवालाल गुप्त गुरुकुल विद्यालय में नवनिर्मित सभागार, पांच कक्षों और प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने गुरुकुल के पुनरुद्धार के लिए ह्यगोरखपुर गुरुकुल सोसाइटीह्ल के अधिकारियों को बधाई दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने एक करोड़ पांच लाख रुपये की निधि से यह निर्माण कार्य समय पर पूरा किया। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने लोकार्पण समारोह में कहा, ह्यह्यगुरुकुलों में

योगी ने कहा कि आज के समय में शिक्षा और अध्यात्म का समावेश करके ही अराजकता से मुक्ति पाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर गुरुकुल विद्यालय को शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास पर भी जोर देने को कहा।

यज्ञ और हवन की पुरानी आर्य समाज पद्धति का अनुसरण होना चाहिए।ह्लह्ल उन्होंने कहा, ह्यह्यजब तक गुरुकुलों में यह परंपरा जीवित रही, तब तक वहां का वातावरण आध्यात्मिक और अनुशासनपूर्ण था, जिससे पठन-पाठन के बेहतरीन परिणाम सामने आते थे।योगी ने कहा कि आज के समय में शिक्षा और अध्यात्म का समावेश करके ही अराजकता से मुक्ति पाई जा सकती है।

गोयल ने उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन पाने वाली 140 कंपनियों के साथ चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्तीय लाभ पाने वाली कंपनियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

मंत्री ने 14 क्षेत्रों की 1,300 विनिर्माण इकाइयों में इस योजना की लाभार्थी रही 140 कंपनियों के साथ बातचीत की। गोयल ने बैठक के बाद यहां संवाददाताओं से कहा, हमने अनुमान लगाया था कि 14 क्षेत्रों में करीब 1.46 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा... अब हमारा अनुमान है कि उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना (योजना अवधि

के दौरान) के जरिए दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हो सकता है।उन्होंने कहा कि पहले अनुमान लगाया गया था कि पीएलआई योजना के तहत करीब 8.5 लाख नौकरियां पैदा होंगी, लेकिन ताजा आंकड़ों को देखते हुए, हम आसानी से करीब 12 लाख (नौकरियां) पैदा होने की उम्मीद कर सकते हैं।उन्होंने कहा, हमें उम्मीद थी कि हम करीब 11 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त उत्पादन देखेंगे। लेकिन आज कुछ आंकड़े सुनकर मेरा मानना ??है कि घरेलू मांग और निर्यात दोनों के लिए उत्पादन हमारी उम्मीद से कहीं अधिक होगा।मंत्री ने कहा कि इन क्षेत्रों में इकाइयां अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और अब वे अधिक समर्थन दिए बिना भी निवेश करने की स्थिति में हैं, क्योंकि मांग पैदा होने लगी है। बैठक में फर्मों ने सरकारी खरीद में कुछ संशोधनों सहित अपने सुझाव दिए।

राहुल बाबा... चुनावी जनसभा में अमित शाह ने कांग्रेस नेता को सुनाई खरी-खोटी

एजेंसी

हरियाणा: गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को हरियाणा के बादशाहपुर और नांगल चौधरी में दो चुनावी को जनसभा को संबोधित किया। इन दोनों जनसभा में शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने राहुल से कई सवाल भी किए। उन्होंने राहुल से पूछा कि हरियाणा में कांग्रेस के कार्यक्रमों में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए जा रहे हैं, इसपर वह चुप क्यों हैं? इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस के टरढ पर कानून बनाने के वादे पर भी

निशाना साधा।बादशाहपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, 'मैं हरियाणा में एक नया ट्रेंड देख रहा हूं। हथीन से थानेसर और थानेसर से पलवल तक कांग्रेस के मंचों पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लग रहे हैं।

उत्तर बंगाल में बाढ़ की स्थिति चिंताजनक, केंद्र मदद नहीं कर रहा: ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तरी जिलों में बाढ़ की स्थिति को ह्यह्यखतरनाकह्ल्ल बताया और दावा किया कि राज्य को इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए केंद्र सरकार से सहायता नहीं मिल रही है। बंगाल के उत्तरी हिस्से में बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए वहां जा रहीं बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार युद्ध स्तर पर बाढ़ से निपट रही है। मुख्यमंत्री ने सिलीगुड़ी जाते समय कहा, ह्यह्यउत्तर बंगाल बाढ़ की चपेट में है। कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जैसे

जिले प्रभावित हुए हैं। कोशी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण, बिहार के कई स्थान और बंगाल के मालदा और दक्षिण दिनाजपुर जिले निकट भविष्य में प्रभावित होंगे।केंद्र सरकार पर ह्यह्यराज्य को आपदाओं से लड़ने में मदद करने के लिए अपनी भूमिका नहीं निभानेह्ल्ल का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, ह्यह्यहमारे बार-बार याद दिलाने के बावजूद केंद्र ने फरक्का बैराज का रखरखाव कार्य नहीं किया

कन्नौज में कच्चा मकान गिरने से दो सगे भाई-बहन की मौत

एजेंसी

पटना: कन्नौज जिले के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में लगातार हो रही बारिश के कारण रविवार तड़के कच्चा मकान गिरने से दो नाबालिग भाई-बहन की मौत हो गयी तथा परिवार के चार अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी।इंदरगढ़ थाने की प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) पारुल चौधरी ने बताया कि क्षेत्र के गोपालपुर

गांव के रामदास (45), अपनी पत्नी फागुनी (40), पुत्र विवेक (10) व विकास (दो) और पुत्री अंजली (14) तथासरिता (12) के साथ कच्चे मकान में सो रहे थे।उन्होंने बताया कि लगातार हो रही वर्षा के कारण मकान काफी जर्जर हो गया था और रविवार भोर में करीब तीन बजे अचानक गिर गया, जिससे पूरा परिवार मलबे में दब गया।

भाजपा नेताओं के साथ मिलकर जबरन वसूली कर रहे ईडी के अधिकारी, फडणवीस को है जानकारी: संजय राउत

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कुछ अधिकारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की मिली भगत से लोगों से भारी मात्रा में धन उगाही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में आएगी तो इन अवैध गतिविधियों का पदार्फाश किया जाएगा। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए यह आरोप भी लगाया कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को ऐसे अवैध कार्यों में लिप्त लोगों के बारे में पता है।राउत ने आरोप लगाया, ह्लईडी के

एक एजेंट के रूप में काम करने वाला जीतू नवलानी नामक व्यक्ति जबरन वसूली में शामिल था। हमारी एमवीए सरकार ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। ऐसा माना जाता है कि उसे ईडी और भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस, दोनों का समर्थन प्राप्त था।ह्व राउत ने दावा किया कि (जून 2022 में एकनाथ शिंदे सरकार में) राज्य के गृह मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद फडणवीस ने इस मामले की जांच के लिए महाराष्ट्र विकास आघाडी (एमवीए) सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल को खत्म कर दिया। कुछ अन्य लोगों का नाम लेते हुए राउत ने कहा कि ईडी के पूर्व अधिकारी राजेश्वर सिंह अब उत्तर प्रदेश में भाजपा के विधायक हैं। राउत ने दावा करते हुए कहा कि ईडी के साथ मिलकर काम करने वाला रोमी भगत नामक व्यक्ति भी जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था और फिलहाल आर्थर रोड जेल में बंद है।

अक्टूबर के अंत तक क्षतिग्रस्त पीडब्ल्यूडी सड़कों की मरम्मत होगी, दिल्ली बनेगी गड्ढा मुक्त: आतिशी

एजेंसी

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को कहा कि अक्टूबर के अंत तक लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत हो जाने के बाद दिल्ली गड्ढों से मुक्त हो जाएगी। आतिशी ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि वह और दिल्ली सरकार के सभी मंत्री सोमवार से शहर भर की सड़कों का स्थलीय निरीक्षण शुरू करेंगे ताकि नुकसान की सीमा और आवश्यक मरम्मत का आकलन किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में पीडब्ल्यूडी की 1,400 किलोमीटर लंबी सड़कों की व्यापक समीक्षा उनकी अध्यक्षता में हुई बैठक में की गई जिसमें सभी मंत्री और पीडब्ल्यूडी अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि सोमवार से सभी मंत्री एक सप्ताह तक अपने-अपने क्षेत्रों में सड़कों का निरीक्षण करेंगे और मरम्मत की जरूरत का पता लगाएंगे।मुख्यमंत्री दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में पीडब्ल्यूडी सड़कों का निरीक्षण करेंगी, मंत्री सौरभ भारद्वाज पूर्वी दिल्ली में, गोपाल राय उत्तर-पूर्वी दिल्ली में, कैलाश गहलोत पश्चिम और दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली में, इमरान हुसैन नयी दिल्ली और मध्य दिल्ली में तथा मुकेश अहलावत उत्तर और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में पीडब्ल्यूडी सड़कों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के एक सप्ताह बाद यह तय किया जाएगा कि किन सड़कों को ह्लपूर्ण मरम्मतह्व की आवश्यकता है, ह्लआंशिक मरम्मतह्व की आवश्यकता है और किन सड़कों को फिर से बनाने की आवश्यकता है।आतिशी ने कहा कि निरीक्षण के एक सप्ताह बाद मरम्मत कार्य शुरू हो जाएगा। आतिशी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अक्टूबर के अंत तक वह दिल्ली को ह्लगड्ढा मुक्तह्व करा देंगी, जैसा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल चाहते हैं।

अगर पाकिस्तान के साथ दोस्ताना संबंध होते तो भारत उसे बड़ा राहत पैकेज देता: राजनाथ सिंह

एजेंसी

श्रीनगर ।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यदि पड़ोसी देश ने भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे होते तो भारत पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मांगे गए पैकेज से भी बड़ा राहत पैकेज देता। बांदीपुरा जिले के गुरेज विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2014-15 में जम्मू-कश्मीर के लिए घोषित प्रधानमंत्री विकास पैकेज का जिक्र किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ह्लमोदी जी ने 2014-15 में जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की थी जो अब 90,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह राशि पाकिस्तान द्वारा आईएमएफ से मांगी गई राशि (राहत पैकेज के रूप में) से कहीं अधिक है।सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रसिद्ध कथन का उल्लेख किया कि ह्लहम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं बदल सकतेह्व। उन्होंने कहा, ह्लमैंने कहा, मेरे पाकिस्तानी दोस्तों, हमारे बीच

तनावपूर्ण संबंध क्यों हैं, हम पड़ोसी हैं। अगर हमारे बीच अच्छे संबंध होते, तो हम आईएमएफ से अधिक धन देते।ह्व सिंह ने कहा कि केंद्र जम्मू-कश्मीर को विकास के लिए धन देता है जबकि पाकिस्तान लंबे समय से वित्तीय सहायता का दुरुपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा, ह्लवह अपनी धरती पर आतंकवाद की फैक्ट्री चलाने के लिए दूसरे देशों से धन मांगता है।रक्षा मंत्री ने कहा कि जब घाटी में ह्लइंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत बहाल करने का वाजपेयी का सपना साकार होगा तो कश्मीर फिर से धरती का स्वर्ग बन जाएगा। सिंह ने कहा कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने वाला पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग पड़ गया है और उसके कुछ विश्वस्त सहयोगी भी पीछे हट गए हैं। उन्होंने कहा, ह्लजब भी हमने आतंकवाद की जांच की है, तो हमें पाकिस्तान की संलिप्तता ही मिली है। हमारी सरकारों ने पाकिस्तान को यह समझाने की कोशिश की है कि उन्हें आतंकी शिविर बंद करने चाहिए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान हताश है और आतंक को फिर से जिंदा करने की कोशिश कर रहा है। वे नहीं चाहते कि यहां लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हों। (लेकिन) भारत इतना मजबूत है कि वह पाकिस्तान से उसकी धरती पर मुकाबला कर सकता है। अगर पाकिस्तान से कोई भारत पर हमला करता है, तो हम सीमापार करके जवाब दे सकते हैं।ह्व सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अब अलग-थलग पड़ गया है। उन्होंने कहा, ह्लयहां तक ??कि तुर्किये, जो पाकिस्तान का समर्थन करता था, उसने भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का जिक्र नहीं किया।ह्व भाजपा नेता ने कहा कि जब से केंद्र में उनकी पार्टी की सरकार आई है, जम्मू-कश्मीर में शांति लौट आई है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने निफ्ट पटना में किया ध्वज का अनावरण, एक पेड़ माँ के नामर पहल के तहत किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने निफ्ट पटना में किया ध्वज का अनावरण, रएक पेड़ माँ के नामर पहल के तहत किया वृक्षारोपण
- बिहार में तीन अरब डॉलर के गैर-ब्रांडेड कपड़ा बाजार की है अपार संभावनाओं में है छात्रों का भविष्य है-केंद्रीय मंत्री

पटना बिहार केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, भारत सरकार ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) पटना में रविवार (29.9.2024) को राष्ट्रीय ध्वज का उद्घाटन किया साथ ही "एक पेड़ माँ के नाम" पहल के तहत वृक्षारोपण अभियान चलाया। मौके पर बिहार सरकार के उद्योग एवं पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा भी मौजूद रहे ।इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विजन नेक्स्ट पहल के महत्व पर जोर दिया, जिसमें देश की आबादी के डेटा के आधार पर फैशन पूवार्नुमान के लिए भारतीय आकार के फिट का उपयोग करने में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि बिहार में तीन अरब डॉलर के गैर-ब्रांडेड कपड़ा बाजार की अपार संभावनाओं है और छात्रों इस क्षेत्र में अवसर तलाश कर अपना भविष्य को बेहतर बना सकते है। उन्होंने फैशन में कार्बन फाइबर के उपयोग सहित नए नवाचारों पर चर्चा की और दर्शकों को आश्वासन दिया कि उनके मार्गदर्शन में, निफ्ट पटना का जल्द ही अपना सभागार होगा।

वहीं बिहार के उद्योग एवं पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने अपने संबोधन में निफ्ट पटना के भविष्य के प्रयासों, खासकर पर्यटन से संबंधित कार्यक्रमों के संबंध में समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता साझा की। उन्होंने छात्रों को सफलता से अधिक उत्कृष्टता को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने मधुबनी में एक रंगाई और प्रसंस्करण इकाई की योजना भी साझा की ।कार्यक्रम के दौरान, निफ्ट पटना के कर्मचारियों को स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए, जो आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए उनके समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। निफ्ट पटना के निदेशक कर्नल राहुल शर्मा ने दोनों गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

जनसंपर्क विभाग, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रेस विज्ञप्ति सं-03वाराणसी 28 सितम्बर, 2024 ;वरिष्ठ मंडल रेल प्रबंधक(वाणिज्य) श्री शेख रहमान के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल भरतीय रेल के साथ-साथ मंडल में अपने सम्मानित उपभोक्ताओं को दिन-प्रतिदिन बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध करा रहा है और स्टेशनों अथवा ट्रेनों में यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाता है। स्टेशन अथवा यात्रा के दौरान रेल उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिये रेल प्रशासन के साथ-साथ रेल कर्मचारी भी 24 घंटे सहायता के लिये मुस्तैद रहती है। ह्यरेल मददह्य ऐप, हेल्प लाइन नम्बर-139, एस.एम.एस एवं वेब के माध्यम से प्राप्त परिवादों का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज दिनांक 28 सितम्बर 024 को दोपहर 14:04 बजे गाड़ी सं 15050 गोरखपुर -कलकत्ता एक्सप्रेस गाड़ी के वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के बी 01 कोच में बर्थ सं 44 पर यात्रा कर रही महिला द्वारा रेल मदद के माध्यम से अपने छोटे बच्चे को फिड कराने के लिए एक बोतल गर्म पानी उपलब्ध कराने की मांग की। यह सूचना उक्त गाड़ी में कोई पैंट्री कार नहीं होने के करण गाड़ी के छपरा पहुंचने के पूर्व रेल मदद के माध्यम से वाराणसी मंडल के कमर्शियल कंट्रोल श्री अनिल कुमार यादव को बताया गया। श्री अनिल कुमार यादव ने छपरा रेलवे स्टेशन पर उप मुख्य टिकट निरीक्षक श्रीमती प्रतिमा कुमारी को इस बाबत सूचित किया जिसके उपरांत प्रतिमा कुमारी ने समय से पहले गर्म पानी की व्यवस्था की और गाड़ी के छपरा पहुंचते ही महिला यात्री को गर्म पानी पहुंचाया। महिला यात्री ने रेलवे द्वारा मदद की गुहार पर त्वरित कार्यवाही के लिए आभार प्रकट किया और महिला रेल कर्मचारी को धन्यवाद किया।

फरार चल रहे 25 हजार के ईनामी गोस्वामी कुमार को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/रोसड़ा :- रोसड़ा पुलिस ने एक शातिर बदमाश को दबोचने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने फरार चल रहे 25 हजार के ईनामी गोस्वामी कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रोसड़ा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सोनल कुमारी ने बताया कि धराया बदमाश हसनपुर थाना क्षेत्र के बल्लभपुर निवासी रामनरेश रंजन का पुत्र गोस्वामी कुमार है ।उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के थतिया से गिरफ्तार किया गया। बीते मई माह में रोसड़ा पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के रहुआ पुल के समीप से दो शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया था। दोनों के पास से 23 पुड़िया स्मैक, एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल, एक बाइक व 800 रुपये नकद बरामद किया गया था। धराये आरोपियों ने बताया था कि अपने साथियों के साथ डकैती की घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

अल शाहीन पारामेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने विश्व हृदय दिवस और संस्थापक स्वर्गीय

डॉ. मोहम्मद कासिम जी की 81वीं जयंती पर आयोजित किया निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक (सारण) आज विश्व हृदय दिवस के अवसर पर, अल शाहीन पारामेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने एक भव्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जो संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय डॉ. मोहम्मद कासिम जी की 81वीं जयंती को समर्पित था। इस अवसर पर मशरक के सभी प्रतिष्ठित नागरिक एकत्रित हुए और डॉ. कासिम जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. संजय कुमार, पूर्व प्राचार्य सुरेंद्र नाथ सिंह, शिक्षाविद चन्द्रकेत सिंह, पूर्व प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद सिंह, मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष अजित सिंह, भाजपा जिला प्रवक्ता त्रिभुवन तिवारी, विजय आईटीआई के डायरेक्टर पप्पू सिंह सिग्रीवाल,सरपंच संघ के प्रखंड अध्यक्ष अजय सिंह, सरपंच हरेश्वर सिंह, रामबाबू सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष रामाधार सिंह, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी श्याम बिहारी सिंह,पूर्व उप प्रमुख साहेब हुसैन उर्फ टुनटुन, भाजपा नेता राकेश महंत, स्वामी नाथ गिरी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के कर-कमलों से संपन्न हुआ ।इस आयोजन की अध्यक्षता संस्थान की सचिव श्रीमती शमीम फातिमा, जो कि डॉ. कासिम जी की धर्मपत्नी हैं, ने की। शिविर में प्रमुख चिकित्सा अधिकारियों में डॉ. शबनम नाज, डॉ. एम. एस. अहमद, डॉ. नैयर, डॉ. अमनुल्लाह, और श्रीमती शशि उपस्थित रहे। साथ ही, अल शाहीन पारामेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के छात्र-छात्राओं जैसे निकेश कुमार, सुजीत कुमार, वसीम कौसर, निशा कुमारी, और अन्य विद्यार्थियों ने भी इस शिविर में सक्रिय योगदान दिया ।स्वास्थ्य शिविर में 300 से अधिक मरीजों का निःशुल्क चिकित्सा परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक दवाएं भी प्रदान की गईं। शिविर के दौरान मरीजों को हृदय स्वास्थ्य और अन्य सामान्य बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया ।इस आयोजन का उद्देश्य न केवल स्थानीय लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था, बल्कि स्वर्गीय डॉ. कासिम जी की सेवा और समर्पण को सम्मानित करना भी था। उनका जीवन और कार्य आज भी संस्थान के लिए एक प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

मधुबनी के द्वारा जिला परिषद कार्यालय परिसर में दिनांक-30 सितम्बर 2024 को एक दिवसीय नियोजन कैम्प

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

श्रम संसाधन विभाग बिहार सरकार जिला नियोजनालय, मधुबनी के द्वारा जिला परिषद कार्यालय परिसर में दिनांक-30 सितम्बर 2024 को एक दिवसीय नियोजन कैम्प आयोजित की गई है। इस नियोजन कैम्प में CreditAccess Grameen Ltdके द्वारा 40 रिक्तियां के विरूद्ध PF,ESIC,FUELपद हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा,जिसके तहत 12ॅ उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का नियुक्ति संपूर्ण बिहार के लिए किया जाएगा। जिसके लिए अभ्यर्थियों की उम्र सीमा पुरुष के लिए 18-29 एवम महिला के लिए 18से 35वर्ष निर्धारित किया गया है, तथा चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 12250से 15250/तक के साथ साथ PF,ESIC,FUEL एवम रहने के लिए आवास भी दिया जाएगा

उक्त जानकारी जिला नियोजन पदाधिकारी श्री मृणाल कुमार चौधरी ने दी उन्होंने कहा कि इस नियोजन कैंप में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों का NCS Portal (www.ncs.gov.in)) पर रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है तथा आवेदक अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छाया प्रति के साथ-साथ अपना बॉयोडाटा एवं पासपोर्ट साईज फोटो साथ में आवश्य लाएं।

12ॅ उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का नियुक्ति संपूर्ण बिहार के लिए किया जाएगा। जिसके लिए अभ्यर्थियों की उम्र सीमा पुरुष के लिए 18-29 एवम महिला के लिए 18से 35वर्ष निर्धारित किया गया है,

(नोटः- इस नियोजन कैम्प में शामिल होने के लिए कोई भी यात्रा व्यय देय नहीं है।

बागमती तटबंध क्षतिग्रस्त होने पर डीएम व एसपी ने बेलसंड पहुंच स्थिति का लिया जायजा

राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ करें : डीएम

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी : बेलसंड प्रखंड के मधकौल में बागमती नदी तटबंध के क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी का बहाव को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा राहत कार्य से संबंधित सभी व्यवस्थाएं मुकम्मल की जा रही है। सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी रिची पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी सहित सभी अधिकारी बेलसंड पहुंचे एवं स्थिति की जानकारी ली। उक्त संकट से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया गया। सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रभावित स्थल पर कैंप करें। इस आशाय का निर्देश कृषि विभाग, पशुपालन विभाग स्वास्थ्य विभाग, सहित सभी महत्वपूर्ण विभागों को दिया गया है। प्रखंड के नोडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित सभी अनुमंडल स्तरीय एवं प्रखंड, अंचल स्तरीय अधिकारी संबंधित स्थल पर मौजूद हैं। निर्देशित किया गया है कि सभी तकनीकी विभागों सहित संबंधित सभी विभाग आपदा प्रबंधन विभाग के मानक संचालन प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करना सुनिश्चित करे। राहत एवं बचाव संबंधित कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों की टीम बनाई गई है। प्रभावित क्षेत्रों में कम्युनिटी किचन चलाने का निर्देश दिया गया है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि एसडीआरएफ की टीम लगी हुई है। एनडीआरएफ की टीम भी आ रही है। सभी संभावित प्रभावित क्षेत्रों में माइकिंग करवाई जा रही है। लोगों से सावधान एवं सतर्क रहने तथा अलर्ट रहने की अपील की गई है।

मधुबनी में दुर्गा पूजा को लेकर देवधा थाना में शांति समिति की बैठक

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के मनाने हेतु देवधा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक थानाध्यक्ष मे प्रति भारती के अध्यक्षता आयोजित किया गया । बैठक शांति समिति के सदस्यों के अलावे पूजा कमिटी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में थानाध्यक्ष के द्वारा पूजा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से संबंधित कई दिशानिर्देश उपस्थिति लोगों को दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से देवधा थाना के गणेश प्रसाद निरज सिंह सुमन कुमार प्रमोद कुमार के अलावे भाकपा-माले के प्रखंड सचिव भूषण सिंह रजौली पंचायत के पूर्व मुखिया नरेश ठाकुर सरपंच सुजीत साह मुखिया जियाउद्दीन सरोज गोहिवार योगेन्द्र पूर्वे योगेन्द्र साह रामनाथ पासवान सफिउलबूल रहमान सुरिन्दर दास उद्देश्य कांत झा विकास झा सत्यम झा सहित दर्जनों लोगों ने भाग लिया।

मधुबनी जिला के पतौना थाना क्षेत्र के कटैया गांव मे पोखर से एक युवक का सव मिलने से आसपास के गांव मे सनसनी फैल गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड के पतौना थाना क्षेत्र के कटैया गांव मे पोखर से एक युवक का सव मिलने से आसपास के गांव मे सनसनी फैल गई मिली जानकारी के अनुसार कटैया निवासी राजा सहनी उम्र 19 वर्ष पिता कुसेश्वर सहनी के रूप मे की हैं पिछले पाँच दिन से गायब था आज सुबह गाँव के करीब एक पोखर से सव मिला बकरी चरवाहा ने देखा और इस के घर परिजनों को बुलाया इस इस की सुचना तुरंत पतौना थाना को दी थाना अध्यक्ष राज किशोर आपने दलबल के साथ घटना स्थल पहुचे मामले की जाँच मे जुट गये मिली जानकारी के अनुसार गाँव के ही नागेंद्र सहनी के पुत्री रंजना कुमारी से तीन वर्ष से प्रेम चल रहा था परिवार वालों ने नागेंद्र सहनी एवं उसकी पुत्री रंजना कुमरी पर हात्त्या का आरोप लगाया है थाना अध्यक्ष सव को आपने कब्जे मे ले कर पोसमार्टम के लिए सादर अस्पताल मधुबनी भेज दिया

बिहार राज्य अंतरजिला विद्यालय वॉलीबॉल अंडर 19 प्रतियोगिता के आयोजन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

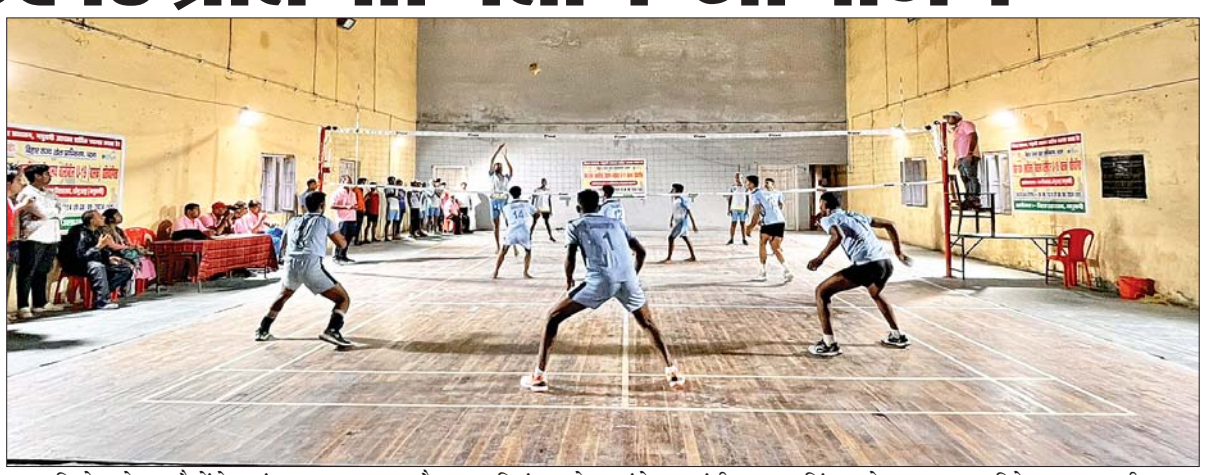

बिहार राज्य अंतरजिला विद्यालय वॉलीबॉल अंडर 19 प्रतियोगिता के आयोजन के परिणामों की जानकारी देते हुए जिला खेल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने बताया कि शनिवार को नॉक आउट राउंड मैचों में मधुबनी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए किशनगंज को हराया। वहीं, समस्तीपुर ने दरभंगा को, सिवान ने पश्चिमी चंपारण को, गोपालगंज ने सीतामढ़ी को, जहानाबाद में कटिहार को बांका ने रोहतास को हराया ।इस आयोजन के प्री क्वार्टर फाइनल मैचों में बेगूसराय ने नालंदा को, सारण ने औरंगाबाद को, मुंगेर ने कैमूर को और जमुई ने नवादा को हराया। खबर लिखे जाने तक मैचों के राउंड जारी थे। बताते चलें कि इस राज्य स्तरीय बॉलीबॉल अंडर 19 प्रतियोगिता का फाइनल मैच 30 सितंबर को वाटसन स्कूल के क्रीड़ा भवन में खेला जाएगा ।इस अवसर राज्य वॉलीबॉल संयोजक संजीव कुमार सिंह, प्रमोद कुमार, कौशल किशोर, मीनाक्षी कुमारी, खेल शिक्षक सुनील कुमार ठाकुर, अभिषेक कुमार, नवनीत कुमार वशी अख्तर, राकेश कुमार गुड्डू, रविंद्र कुमार आजाद तथा अन्य उपस्थित थे।

इंडी गठबंधन वाली हेमंत सरकार को झारखंड की बदहाली के लिए जिम्मेदार ठहराया है: चिराग पासवान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्र में मंत्री चिराग पासवान लोकसभा चुनाव में 5 सांसदों के शत प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ झारखंड विधानसभा चुनाव से पूर्व धनबाद के कोयला नगर स्थित नेहरू स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जन आक्रोश रैलीको संबोधित करते हुए प्रदेश की इंडी गठबंधन वाली हेमंत सरकार को झारखंड की बदहाली के लिए जिम्मेदार ठहराया है। राज्य में समृद्ध खनिज संसाधनों के बावजूद यहाँ की अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचों को वर्तमान सरकार ने गर्त और पिछड़ेपन की ओर धकेल दिया है। उन्होने शासन की दृष्टि से राज्य में भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अक्षमता और राजनैतिक अस्थिरता जैसी समस्या को वर्तमान में झारखंड के समग्र विकास में सबसे बड़ा बाधा बताया है। राज्य के मुख्यमंत्री स्वयं भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में जेल जा चुके हैं और अभी भी बेल पर बाहर हैं वहाँ सरकार से सुचिता की उम्मीद कैसे की जाए। झारखंड में रोजगार के अवसर बढ़ाने, औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने, पर्यटन स्थलों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं बढ़ाने और कृषि के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है। भारत के ह्लकोयले की राजधानी (कोल कैपिटल)ह्व के नाम से प्रसिद्ध धनबाद में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की माँग को भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री जी के समक्ष रखने का आश्वशन केंद्रीय मंत्री ने दिया है। इसके साथ राज्य को अपने खनिज संसाधनों के माध्यम से नए प्रभावी और सतत विकास सुनिश्चित करने पर बल दिया है जिससे आर्थिक विकास की राह पर झारखंड को तेजी से बढ़ाया जा सके। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने संबोधन में कहा की मेरे नेता व पिता रामविलास पासवान जी का सपना झारखंड को अग्रणी राज्य बनाना था जिसके लिए वो और उनकी पार्टी कृतसंकल्पित हैं। लोजपा (रामविलास) अपने संस्थापना काल से झारखंड के सभी 24 जिलों में मजबूत स्थिति में है। लोजपा सुप्रीमो ने रामविलास जी के द्वारा गठित दलित सेना और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सभी कार्यकताओं से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी में जुट जाने को कहा है। चिराग ने झारखंड सरकार के द्वारा आयोजित सिपाही बहाली में शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान सरकारी अव्यवस्था के कारण 16 युवाओं की मौत की जिम्मेदार हेमंत सोरेन सरकार को बताया है। लोजपा (रा) सुप्रीमों ने जनसभा के माध्यम से 16 मृतक युवाओं के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा की झारखंड की 16 घरों को उजाड़ने वाली हेमंत सरकार को जनता जवाब देगी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की जल्द झरिया में विस्थापन और पुनर्वास के विषय को केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे।

लोजपा प्रमुख ने मंच से कहा की धनबाद जिले में केंद्र सरकार से मिलने वाले राजस्व का बड़ा हिस्सा जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) के माध्यम से मिल रहा है जिसका उद्देश्य खनन से जुड़े कामों से प्रभावित आम लोगों और इलाकों के हितों के लिए काम करना है परंतु इस फंड का उपयोग राज्य की हेमंत सरकार मनमाने ढंग से कर रही है। धनबाद जैसे खनिज से परिपूर्ण जिले में अभी 600 करोड़ का फंड है और इसके साथ प्रत्येक वर्ष 250 करोड़ फंड का प्रावधान है जिसके सही उपयोग से खनिज उत्खनन से प्रभावित वंचित अनुसूचित जाती (दलित), पिछड़े और जनजाति (आदिवासी) के आम लोगों का समुचित विकास संभव है। चिराग ने कहा की झारखंड में खनिज संपदाओं की संगठित लूट को हेमंत सरकार का संरक्षण प्राप्त है। खनिज संपदा के भंडार वाले राज्य झारखंड में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक है। राज्य के दूरदराज वाले क्षेत्रों में विद्यालयों और अस्पतालों की संख्या और सुविधाओं का घोर अभाव हेमंत सरकार के कार्यकाल में उत्पन्न हुआ है। मूलभूत सुविधाओं के अभाव में दलित और आदिवासी समाज के आम लोगों की बदहाल स्थिति के लिए हेमंत सरकार को चिराग ने जिम्मेदार ठहराया।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ सभी जिलों में कांग्रेस के पर्यवेक्षक नियुक्त, जिलों में करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. रविवार, 29 सितंबर, 2024बिहार कांग्रेस स्मार्ट मीटर के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन का बिगुल फूंक चुकी है। इसी को कड़ी को आगे बढ़ाते हुए आज प्रदेश के सभी जिलों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है जिसकी सूची आज जारी हुई। कल यानी सोमवार को राज्य के सभी जिलों में नियुक्त पर्यवेक्षकों को जिलाध्यक्ष के साथ जिला मुख्यालय पर मीडिया से मुखातिब होने का निर्देश प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने जारी किया है।इस आशय की जानकारी देते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि प्रदेश प्रभारी मोहन प्रकाश और प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने हाल में पटना सदाकत आश्रम से यह ऐलान किया था कि सेवादल द्वारा जारी इस आंदोलन को वें चरणबद्ध तरीके से प्रत्येक जिलों में ले जायेंगे उसी के तहत सभी जिला में प्रभारियों की नियुक्ति की गई है जिसकी सूची संलग्न है, उन्हें संबंधित जिलाध्यक्षों के साथ प्रेस कांफ्रेंस कर जनता के हितों को ध्यान में रखकर संबोधित करने को कहा गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस के द्वारा स्मार्ट मीटर को जनता के साथ सबसे बड़ी धांधली बताई जा रही है और बिहार कांग्रेस के प्रभारी ने इस आंदोलन में राजद को भी साथ कर लिया है।कल यानी सोमवार को राज्य के सभी जिलों में नियुक्त पर्यवेक्षकों को जिलाध्यक्ष के साथ जिला मुख्यालय पर मीडिया से मुखातिब होने का निर्देश प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने जारी किया है।इस आशय की जानकारी देते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि प्रदेश प्रभारी मोहन प्रकाश और प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने हाल में पटना सदाकत आश्रम से यह ऐलान किया था ।

एनिमिया जागरूकता सह जाँच गतिविधि का हुआ आयोजन

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण, छपरा19 सितंबर 2024 आज जिला हब फॉर एम्पॉवर्मेंट ऑफ वुमेंन सारण महिला एवं विकास निगम तथा क्ळऊ एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान मे 100 दिवस कैलेंडर गतिविधि के तहत एनिमिया जागरूकता सह जाँच गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बाल विकास परियोजना पदाधिकारी इसुआपुर, टडक्ळ तूलिका कुमारी, डीपीएम प्रेम प्रकाश, डीएमसी निभा कुमारी एवं अन्य के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर वहां उपस्थित सभी गर्भवती धात्री महिलाओं एवं किशोरियों तथा सामान्य महिलाओं को ही एनीमिया की जांच कराने हेतु समझाया गया एवं साथ ही यह बताया गया कि एनीमिया की जांच करवाना क्यों आवश्यक है एनीमिया क्या है और इसके लक्षण क्या है और इसके क्या-क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं डीपीएम महिला एवं बाल विकास निगम प्रेम प्रकाश ने कहा कि आयरन एक सूक्ष्म पोषक तत्व है जो शरीर में विशेष तत्व हीमोग्लोबिन के निर्माण में योगदान देता है आहार में आयरन की कमी के कारण रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा घट जाती है जिससे शरीर के विभिन्न अंगों को ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है ऐसी स्थिति को ही एनीमिया कहते हैं डीएमसी निभा कुमारी ने कहा कि एनीमिया से पीड़ित होने की स्थिति खून में हीमोग्लोबिन के स्तर की जांच के आधार पर ही की जा सकती है। फिर भी हम कुछ लक्षणों के आधार पर स्वयं भी एनीमिया की पहचान कर सकते हैं। जैसे त्वचा का पीला पड़ना, हाथों का पीलापन, जल्दी थक जाना, सांस फूलना, पढ़ाई में मन नही लगना, किसी भी अन्य कार्य में मन नहीं लगा, सुस्ती और नींद आते रहना, जल्दी-जल्दी बीमार पड़ना इसके अन्य लक्षण है। जिनके आधार पर एक सामान्य इंसान भी एनीमिया की पहचान कर सकता है। एनीमिया के कारण अनुचित मातृ स्वास्थ्य एवं प्रजनन का दुष्परिणाम भी होता है जैसे समय से पहले बच्चे का जन्म जन्म के समय बच्चे का कम वजन मात्र एवं नवजात शिशु की मृत्यु इत्यादि पहले या दूसरी तिमाही में गर्भावस्था के दौरान एनीमिया होने से यह खतरा और भी बढ़ जाता है एनीमिया से बचने के लिए हमें हरी साग सब्जियां और फल अनाज जैसे रागी मडुवा गेहूं ज्वार बाजरा अंकुरित चना मूंगफली तिल गुड़ और ड्राई फ्रूट्स अंडा मछली मांस और विटामिन सी की अधिकता वाले खाद्य पदार्थ खाने चाहिए।

शहर के भिखारी ठाकुर प्रेक्षा गृह में विप्रोन्नयन सम्मेलन का हुआ आयोजन

राजनीतिक दलों द्वारा ब्राह्मण समाज को उपेक्षित किए जाने को लेकर जताई गई चिंता:

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

छपरा, 29 सितंबर।ब्राह्मण समाज ने हमेशा से ज्ञान, संस्कृति और शिक्षा का प्रचार- प्रसार किया है। लेकिन आज की बदलती परिस्थितियों में हमें एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना होगा। साथ ही समाज के उत्थान के लिए शिक्षा और जागरूकता सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। उक्त बातें सारण स्थानीय निकाय के पूर्व प्रत्याशी सुधांशु रंजन ने शहर के भिखारी ठाकुर प्रेक्षा गृह में आयोजित विप्रोन्नयन सम्मेलन के विधिवत उद्घाटन के दौरान सभा को संबोधित करते हुए कही। आगे उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक दलों द्वारा ब्राह्मण समाज को उपेक्षित किए जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि ब्राह्मण समुदाय को पिछले कुछ वर्षों से राजनीतिक परिदृश्य में अंतिम पायदान पर रखा गया है, जो उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करने का काम किया है। ब्राह्मणों के अधिकारों और पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए ठोस कदम उठाने को लेकर हम सभी को अपनी चट्टानी एकता दिखाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के उत्थान के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व आवश्यक है, जिससे ब्राह्मणों की आवाज को सही स्थान मिले।सभा को संबोधित करते हुए सुधांशु रंजन ने कहा कि शिक्षित समाज एक जुट होकर एक मंच पर आते हैं, वह बहुत बड़ी बात है। सारण की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और गौरवशाली धरती आंदोलनकारियों की धरती रही है। जो इस देश का नाम रौशन कराती है। आप हमारे कदम से कदम मिला कर साथ चलने का काम करें। क्योंकि छपरा तो बस एक झांकी है, लेकिन पटना अभी बाकी है। शिक्षा को समय की कमी होती है। अपने युवा साथियों से अपील करना चाहता हूं कि एकता में बल मिलता है। हम जोड़ने का काम करते है। हम लोग जब एक साथ जुड़ेंगे तब जाकर एक माला के रूप में दिखेंगे। विगत 31 साल का लड़का परशुराम की ताकत लेकर 62 वर्ष के उम्र के लोगों से चुनाव लड़ा आप हमें बल दीजिए हम आपके साथ हैं। अगर हम 3.66 को मानते हैं तो हमें एकजुटता दिखाना होगा तब हमारी ताकत दिल्ली में दिखेगी। मैं हर टाइटिल वाले को कहना चाहता हूं कि 3.66 याद रखना होगा। जब 24 टिकट में एक टिकट मिलता है तो 243 में 24 टिकट मिलना चाहिए।

शहर के भिखारी ठाकुर प्रेक्षा गृह में आयोजित विप्रोन्नयन सम्मेलन का विधान परिषद के पूर्व प्रत्याशी सुधांशु रंजन, सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी आनंद पुष्कर, सम्मेलन सह पूर्व मुखिया विजय कुमार विद्यार्थी, युवा ब्राह्मण चेतना मंच के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष पाण्डेय, जिलाध्यक्ष अरुण पुरोहित, श्याम सुंदर पाण्डेय, तरुण पाण्डेय, अरुण मिश्रा, मनोज तिवारी, सुमन महाराज, विमल तिवारी और ममता मिश्र द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। वही इस अवसर पर सुधांशु रंजन को चांदी का मुकुट और फरसा को सप्रेम भेंट किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन के अध्यक्ष विजय कुमार विद्यार्थी ने किया जबकि मंच संचालन दिवाकर मिश्रा ने किया। वही कार्यक्रम के दौरान लोक कलाकार जया तिवारी ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जबकि सारण की वायरल गर्ल चित्राली कुमारी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर अभिषेक तिवारी, चुनमुन बाबा, सुनील शास्त्री, चंदन तिवारी, विवेक विभूषित, ललित तिवारी, सुधीर उपाध्याय, उमेश गिरी, अमर नाथ तिवारी, शंभूनाथ तिवारी, नितेश तिवारी, सीताराम बाबा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दिल्ली में खऊ्र नेताओं से मिले उट नीतीश, बोले- बाढ़ से हर स्तर पर निपटेंगे, लगातार हो रही मॉनिटरिंग

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि बाढ़ को लेकर हर स्तर पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। सभी तरह के बचाव कार्य और राहत के इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को दिल्ली में पत्रकारों द्वारा बिहार में बाढ़ को लेकर पूछे गए सवाल पर यह बात कही। मुख्यमंत्री रविवार की सुबह दो दिवसीय यात्रा पर पटना से दिल्ली रवाना हुए थे। दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने अपनी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात की।

इसी क्रम में वह केंद्रीय पंचायती राज मंत्री एवं जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के नए सरकारी आवास 9 त्यागराज लेन गए। वहीं, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के सरकारी आवास 2, तुगलक लेन भी गए। मुख्यमंत्री का सोमवार की शाम दिल्ली से पटना लौटने का कार्यक्रम है।जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि बाढ़ को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। नेपाल में थोड़े ही समय में 300 एमएम बारिश हो गयी। इतनी बारिश 1968 के बाद नहीं हुई थी। इससे छह लाख क्यूसेक से अधिक पानी कोसी नदी और इतना ही गंडक से निकला है। यह प्राकृतिक आपदा है। संजय झा रविवार को मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि सारा प्रशासन लगा है। नाव से लोगों को निकालकर सुरक्षित जगहों पर ले जाया जा रहा है।

उत्तर बिहार को सुरक्षित रखना है तो स्थायी समाधान होना चाहिए। इसके लिए कोसी में हाईडैम बनना चाहिए। इस बार के बजट में भारत सरकार ने कहा है कि बिहार में बराज बनाएंगे। इससे बाढ़ का प्रकोप काफी हदतक कम होगा। प्रधानमंत्री के निर्देश पर केंद्रीय कमेटी बिहार जाकर संबंधित जगहों पर पांच बराज बनाने का प्रस्ताव दिया है। मुझे लगता है कि ये बराज बनने से उत्तर बिहार में बाढ़ से हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार बाढ़ की जो स्थिति है, उसमें बिहार सरकार की सतर्कता है जो बहुत बड़ी क्षति से बचाया है।

दिघवारा थानान्तर्गत चोरी गई ट्रक को किया गया बरामद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक-17.01.23 को अवैध पीला बालू खनन में ट्रक जप्त कर दिघवारा थाना कांड संख्या 15/23 दिनांक- 17.01.2023, धारा 379/411 भा०द०वि० एवं 41 (1)/21 (1) खनन अधिनियम दर्ज किया गया। इसके उपरांत उक्त ट्रक के मालिक के द्वारा ट्रक को जप्ती के स्थान से भगा ले जाया गया था। जिसके बाद दिघवारा थाना कांड संख्या 16/23 दिनांक 17.01.2023 धारा 379 भा.द.वि. दर्ज किया गया था। प्राप्त आसूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आज हाजीपुर गंगाब्रिज थाना क्षेत्र के ग्राम तेरसिया से ट्रक बरामद कर ट्रक मालिक को गिरफ्तार किया गया।

> गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता :-

कृष्णा मोहन कुमार, पिता सुभाष चंद्र राय, साकिन- तेरसिया, जिला- वैशाली।

> जप्त / बरामद सामानों की विवरणी :-

1. चोरी गई ट्रकः 01

ब्रीफ न्यूज

नेपाल में भारी बारिश की वजह से कोसी बराज में बाढ़ की भीषण और भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी ने सोशल मीडिया पे पोस्ट करते हुए कहा पड़ोसी देश नेपाल में भारी बारिश की वजह से कोसी बराज में बाढ़ की भीषण और भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है। मैं, उत्तर बिहार के बाढ़ प्रभावित जिलों की जनता से अपील करता हूं कि बेवजह घरों से न निकलें, सतर्क रहें और सावधानी बरतें। साथ ही लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के स्थानीय कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि वे बिहारियों की सेवा में तत्पर रहें, उनकी हर संभव मदद का प्रयास करें। राज्य सरकार और जिला प्रशासन से भी लगातार संपर्क में हूं। ठऊ्रऊ्रऊ्रऔर रऊ्रऊ्रऊ्रकी टीमें दिन-रात काम कर रही है और पूरी मुस्तैदी के साथ विभिन्न माध्यमों से ग्रामीणों की सेवा के लिए तत्पर हैउक्त आशय की जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी निशांत मिश्रा ने दी।

बिहार में स्मार्ट मीटर पर सियासत भारी, तेजस्वी ने नीतीश सरकार से 13 सवालों के मांगे जवाब

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार में स्मार्ट मीटर को लेकर सियासत तेज हो गई है। आरजेडी और कांग्रेस प्रीपेड स्मार्ट मीटर के विरोध में जन आंदोलन का ऐलान कर चुकी है। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद कह चुके हैं कि जनता स्मार्ट मीटर को लेकर फैलाई जा रहीं अफवाहों पर ध्यान न दें। और भ्रमित न हो। लेकिन आरजेडी स्मार्ट मीटर को लूट का हथकंडा करार दे रही है। शनिवार को राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नीतीश सरकार को घेरा, और 13 सवाल पूछे थे। जिसके बाद नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भी सोशल मीडिया पर अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर बिहार की एनडीए सरकार से 13 सवालों के जवाब मांगे हैं।नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने राज्य की एनडीए सरकार से कहा कि स्मार्ट मीटर पर हमारे सवालों का जवाब दें। रविवार को उन्होंने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर 13 सवाल किए और आरोप लगाया कि देश में सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाले राज्य में सरकार स्मार्ट मीटर लगा बिजली दरों को दोगुना कर सबसे महंगी बिजली बेच रही है। जदयू-भाजपा सरकार बिहारवासियों पर अत्याचार कर रही है। स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रही सरकारी लूट से हर बिहारवासी त्रस्त है। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल किया कि पूरे बिहार से शिकायत आ रही हैं कि बिजली का बिल दोगुना हो गया है, ऐसा क्यों हो रहा है ? उन्होंने आरोप लगाया कि केवल 100 रुपये का ही फजीर्वाड़ा हो रहा है तो हर महीने हजारों करोड़ रुपये अवैध वसूले जा रहे हैं। उन्होंने स्मार्ट मीटर के नाम पर बिजली कंपनियों, अधिकारियों और सत्तारूढ़ नेताओं की मिलीभगत को समाप्त करने की मांग की।

शराबबंदी, सर्वे, स्मार्ट मीटर; नीतीश के लिए आखिरी कील होंगे ये 3 ह्यएसह्न- प्रशांत किशोर का दावा

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

जन सुराज पदयात्रा के संयोजक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर बिहार को एक नया राजनैतिक विकल्प देने का दावा कर रहे हैं। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को अपनी पार्टी लॉंच करने जा रहे हैं। इससे पहले पीके ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर फिर बड़ा हमला किया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि ट्रिपल र यानी - शराबबंदी, सर्वे (जमीन) और स्मार्ट मीटर नीतीश कुमार के राजनीतिक जीवन का आखिरी कील है। उन्होंने कहा, शराबबंदी सिर्फ कागजों में है। जमीनी हकीकत यह है कि शराब की दुकानों को बंद कर दिया गया है, लेकिन होम डिलीवरी धड़ल्ले से चल रही है। जन सुराज शुरू से ही शराबबंदी के खिलाफ रहा है और यह मानता है कि इससे आने वाला राजस्व राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने में लगाया जा सकता है। प्रशांत किशोर पहले ही दावा कर चुके हैं कि अगर उनकी सरकार बनी तो एक घंटे में शराबबंदी कानून को वापस ले लेंगे।जमीन सर्वे के मुद्दे पर प्रशांत किशोर का कहना है यह सर्वे गांवों में झगड़े और संघर्ष की वजह बन रहा है। नीतीश सरकार द्वारा कराया जा रहा जमीन सर्वे अगले छह महीने में हर घर और गांव में झगड़े का कारण बनेगा, और हाल की घटनाओं ने यह साबित भी कर दिया है। अभी सर्वे ठीक से शुरू भी नहीं हुआ है और मीडिया में इसे लेकर झगड़ा झंझट चालू हो गया है। इससे आगे और भी पारिवारों में विद्रोह बढ़ेगा और यह कदम नीतीश कुमार के लिए घातक साबित होगा।प्रशांत किशोर ने बिहार सरकार द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर का उपयोग शुरू किया है, वे अब इसके खिलाफ हो गए हैं, क्योंकि उनके बिजली बिल में भारी बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा, लोगों के मन में यह धारणा बन गई है कि स्मार्ट मीटर के जरिए उनके बिलों में छेड़छाड़ की जा रही है।प्रशांत किशोर ने राजद पर भी हमला किया। कटाक्ष करते हुए कहा कि 2005 के बाद से आरजेडी में कोई ताकत नहीं बची है। फखऊऔर उनके गठबंधन को पिछले कई चुनावों में सफलता नहीं मिली है। महागठबंधन की एकमात्र जीत भी नीतीश कुमार के चेहरे पर हुई थी, न कि आरजेडी के नाम पर। उन्होंने कहा कि इस बार के लोकसभा चुनाव में बीजेपी और एनडीए ने 176 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त बना रखी है, जबकि आरजेडी के पास मात्र 50 सीटों पर प्रभाव है। पीके ने दावा किया कि उनका मुकाबला 176 सीटों वाले एनडीए से है, न कि कमजोर हो चुकी आरजेडी से हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लालू यादव अपने दम पर सिर्फ एक बार चुनाव जीत पाए थे। अब नहीं जीत सकते।

नेपाल में बारिश से बिहार में बाढ़, कोसी-गंडक उफनाई; इस बांध को लेकर उड़ाई गई अफवाह

पटना। नेपाल में तीन दिनों से भारी बारिश हो रही। नेपाल ने अपना रिकॉर्ड पानी शनिवार को बिहार की कोसी और गंडक नदी में भेज दिया। इन दोनों नदियों में बाढ़ ने एक लाख लोगों को घेर लिया। अब गंगा का भी जलस्तर बढ़ने का डर है। पटना पर भी आफत है।

मधुबनी में कोसी, कमला, भुतही बलान नदी के जलस्तर में काफी वृद्धि हुई है। मधेपुर प्रखण्ड के कोसी दियारा इलाके के बसीपट्टी, गढ़गांव पंचायत के दर्जन भर गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। दर्जनों लोगों के घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इससे लोग घर खाली कर ऊंचे स्थानों पर नाव से जा रहे हैं।

प्रशासन द्वारा ऊंचे स्थानों पर स्कूलों में आश्रय स्थल बनाया गया है। वहां लोग अपने परिवार के साथ पहुंच रहे हैं। लोगों की मानें तो घर मे पानी चले जाने के कारण सारा सामान बर्बाद हो गया है। खाने-पीने का भी समान नहीं बचा है। पानी लगातार बढ़ रहा है। प्रशासन द्वारा आश्रय स्थल पर सामुदायिक किचेन की व्यवस्था की गई है। डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि कोसी बैराज से पांच लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे मधेपुर प्रखंड के निचले इलाकों में पानी प्रवेश कर गया है। घर खालीकर आश्रय स्थलों पर जाने के लिए अपील किया गया है। प्रशासन द्वारा 25 नावों और दो मोटरबोट को लगाया गया है। एसडीआरएफ की दो टीम को भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में भेजा गया है।

नेपाल प्रभाग स्थित कोसी बराज से शनिवार की रात 12 बजे छह लाख 17 हजार क्यूसेक बढ़ते क्रम में वाटर डिस्चार्ज किया गया है। कोसी नदी के जल ग्रहण क्षेत्र अंतर्गत बराह क्षेत्र से रात 12 बजे पांच लाख 82 हजार क्यूसेक वाटर डिस्चार्ज रिकॉर्ड हुआ है। इसके बाद सुपौल में कोसी के पूर्वी और पश्चिमी तटबंध के बीच बसे आबादी वाले इलाकों में बाढ़ का पानी फैलने लगा है।

इधर, कोसी के रौद्र रूप से डरे-सहमे लोगों का रात भर तटबंध पर जमावड़ा लगा रहा। लोगों ने घर में भी रात जाग कर बितायी। दूसरी तरफ तटबंध के कई बिंदुओं पर पानी का दवाब बढ़ा हुआ है। इसकी वजह से जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग के अधिकारी रात भर तटबंधों की निगरानी और फ्लड फाइटिंग कार्य कराते रहे।

नदी का जलस्तर लगातर बढ़ रहा है

मोतिहारी से सटे नेपाल में फतुआ बांध टूट जाने से पूर्वी चम्पारण जिला के ढाका प्रखंड अन्तर्गत हीरापुर, गुरहनवा, वीरता टोला, भवानीपुर, बलुआ गुआबारी, महंगुआ, दोस्तियां, महुआवा सहित दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी फैल चुका है। शनिवार के देर रात से बारिस थमने के बाद नदी का जलस्तर अभी भी बढ़ रहा है। नदी के जल स्तर में वृद्धि को देखते हुए एसडीओ निशा ग्रेवाल ने जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को निर्देशित किया है कि तटबंध पर हुए रैन कट को ठीक किया जाए।

कोसी की बाढ़ ने कराया गांव खाली, तटबंध पर भी बना है दवाब

सहरसा में नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्र में लगातार हुई मूसलाधार बारिश और बराज से हुए अत्यधिक डिस्चार्ज से नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। जिससे पूर्वी एवं पश्चिमी कोसी तटबंध के बीच बाढ़ आ गई है। वहां बसे लोगों का बाहर निकलना लगातार जारी है। रविवार को सुबह से ही पूर्वी कोसी तटबंध पर अफरा-तफरी की स्थिति रही। कुछ लोग बाढ़ देखने आए थे तो कुछ तटबंध के बीच फंसे अपनों का हाल जानने आए थे। इससे तटबंध पर काफी भीड़ बढ़ गई और कई जगहों पर जाम की स्थिति भी बन गई। लगातार प्रशासनिक अधिकारियों का काफिला बांध पर गश्त लगा रहे हैं।

कोसी बांध के स्पर टूटने अफवाह

कोसी बांध का 74.40 स्पर के टूटने की अफवाह से लोगों के बीच हाहाकार मच गया है। अचानक कोसी नदी में जल स्तर बढ़ने से स्पर के ऊपर से पानी का बहाव शुरू होने से लोगों का जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। जिला प्रशासन और अंचल प्रशासन बचाव कार्य में जुट गई है। जानकारी के अनुसार नवहट्टा अंचल के पूर्वी तटबंध के अंदर कासिमपुर और हाटी पंचायत के झकराहा टोला के समीप स्पर के ऊपर से पानी का बहाव हो रहा है। नवहट्टा अंचल अधिकारी ने बताया कि स्पर टूटने की बात सामने आई थी लेकिन वह टूटा नही है ऊपर से पानी का बहाव हो रहा है। बचाव और राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। एसडीआरएफ की टीम तैनात कर दिया गया है।

तटबंध के पास पानी का रिसाव हो रहा है

सुपौल में कोसी तटबंध के कई बिंदुओं पर पानी का भारी दवाब बढ़ रहा है। पूर्वी तटबंध के स्पर संख्या 67.60 के समीप हो रहा पानी का रिसाव हो रह है। सुपौल सदर प्रखंड के बकौर पंचायत के नेमुआ मस्जिद के पास की घटना है। पानी के रिसाव से स्थानीय लोगों में दहशत है। बाढ़ निरोधात्मक कार्य में स्थानीय प्रशासन जुटी है।

चंद सेकेंड में बह गया मस्जिद का ढांचा

पूर्णिया में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश से जिले की नदियां उफान पर हैं। बायसी में बहने वाली महानंदा, कनकई और परमान जैसी नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। यहां हालत भयावह हैं। बायसी प्रखंड के ताराबाड़ी में कटाव ने भयावह रूप ले लिया है। यहां एक मस्जिद का ढांचा कनकई नदी में समा गया। इस घटना का 28 सेकेंड का लाइव वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कैसे मस्जिद का ढांचा महज चंद सेकेंड में नदी में समा गया।

पप्पू यादव से मिलने पहुंचे खान सर और मंत्री सुमित सिंह, सांसद बोले- मेरी दुनिया ही उजड़ गई

पूर्णिया । सभा रंगभूमि मैदान में सुबह के 10 बजे से शुरू होगा, जो अतिथियों के आगमन तक चलेगा। प्रार्थना सभा में राजनीतिक गलियारों के कई बड़े चेहरे शामिल होंगे। प्रार्थना सभा और शांतिभोज के लिए एक लाख से अधिक लोगों के लिए व्यवस्था की गई है। रविवार को होने वाले प्रार्थना सभा और शांति भोज से ठीक पहले प्रसिद्ध शिक्षक खान सर, मंत्री सुमित कुमार सिंह समेत कई बड़े नेता पूर्णिया सांसद से मुलाकात करने पहुंचे। सांसद के पिता के तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। खान सर के अलावा एमएलसी कुमार नागेंद्र उर्फ रिंकू यादव, हम पार्टी के प्रवक्ता दानिश रिजवान, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक कोटे के पूर्व अध्यक्ष मिन्नत रहमानी और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के नेता सौरभ पाण्डेय भी अर्जुन भवन स्थित सांसद कार्यालय पहुंचे। वह करीब एक घंटे तक अर्जुन आवास पर रहे। पिता के निधन पर शोक संवेदना जाहिर करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की। पप्पू यादव ने कहा कि मेरी दुनिया उजड़ गई! मेरे सृजनकर्ता, आदर्श, मेरे विचारकेंद्र, मेरे प्रेरणा स्त्रोत, मेरे पथ प्रदर्शक, मेरी शक्ति के उत्स पिताजी भले ही दुनिया में नहीं रहे लेकिन वह हमेशा मेरे साथ रहेंगे। उनका आशीष हमेशा मेरे साथ रहेगा। उनके विचार हमेशा मेरे साथ रहेंगे। पापा के बिना मैं कुछ भी नहीं हूं। बता दें कि पिता के निधन के बाद से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पूरी तरह टूट चुके थे। वहीं दुःख के इस घड़ी में सांसद से मिलने और उनका दुःख बांटने पिता के निधन वाले दिन से ही मंत्री, विधायक और कई बड़े नेता के पहुंचने का सिलसिला लगा रहा। मंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल, मंत्री लेसी सिंह, मंत्री जमा खान, पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन, पूर्व मंत्री रामकृपाल यादव, पूर्व मंत्री आलोक रंजन झा, कटिहार सांसद तारिक अनवर, मधेपुरा से सांसद दिनेश चंद्र यादव, पूर्णिया से पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा, विधायक विजय खेमका, सिमरी बख्तियारपुर के पूर्व विधायक अरुण यादव, पूर्व विधायक मास्टर मुजाहिद समेत कई बड़े नेता पूर्णिया स्थित अर्जुन आवास पर सांसद पप्पू यादव से मिले और पिता के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की।

मुंगेर में होमगार्ड के बेटे का शव बरामद, मौके से रोटी, मुर्गा और प्लास्टिक ग्लास मिले , हत्या की आशंका

मुंगेर। मुंगेर जिले के हसनगंज स्थित एक प्राइवेट आईटीआई कॉलेज के पास होमगार्ड के बेटे का शव संदिग्ध अवस्था में बरामद किया गया। ग्रामीणों ने सुबह शव देखा और तुरंत परिजनों को सूचित किया। मृतक की पहचान कासिम बाजार थानाक्षेत्र के हेरु दियारा शिवनगर निवासी अरुण यादव के बेटे सम्राट कुमार उर्फ राजा यादव (23) के रूप में हुई है। इसके बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने मुंगेर-हेरुदियार मुख्य मार्ग को शिबवनगर के पास जाम कर दिया। मृतक के पिता अरुण यादव ने आरोप लगाया कि सम्राट की हत्या गांव के ही कुछ लोगों द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि उनके बेटे और गांव के दिवंगत सहदेव यादव के बेटे दिलीप यादव और भूसा यादव के बीच जमीन के विवाद के चलते यह घटना हुई है। अरुण यादव ने कहा कि उनके बेटे को दिलीप और भूसा यादव ने जान से मारने की धमकी दी थी, जब वह गांव में एक पुल की सफाई के दौरान मौके पर गया था। घटना की जानकारी मिलते ही कासिम बाजार थाना पुलिस और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझा-बुझाकर सड़क जाम हटवाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मृतक के पिता के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। कासिम बाजार थाना प्रभारी रूबिकांत कश्यप ने बताया कि परिजनों के आरोपों की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक नवनिर्मित मकान से रोटी, मुर्गा और प्लास्टिक के गिलास बरामद हुए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वहां रात में पार्टी हुई थी। पुलिस इस दिशा में जांच कर रही है कि कहीं यह हत्या किसी साजिश का हिस्सा तो नहीं है।

मृतक के पिता अरुण यादव ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे को दिलीप यादव, भूसा यादव और पुलिस की मिलीभगत से खिला-पिलाकर हत्या कर दी गई और शव को आईटीआई कॉलेज के पास फेंक दिया गया। परिजनों का कहना है कि यह हत्या किसी साजिश के तहत की गई है और इसमें कई लोग शामिल हो सकते हैं।

फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और सभी संदिग्ध पहलुओं की छानबीन की जा रही है। डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम भी मौके पर जांच कर रही है, ताकि हत्या के पीछे की सच्चाई का पता लगाया जा सके।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा बिहार आए, आज सीएम नीतीश कुमार दिल्ली निकले, हो क्या रहा है?

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक दिल्ली रवाना हो गए हैं। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा पटना आए थे और अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार से दिल्ली निकल गए हैं। दो दिनों के अंदर इन दो गतिविधियों ने बिहार की राजनीति में उठापटक की बातों को हवा दे दी है। हवा यह उठी है कि नीतीश कुमार नाराजगी के कारण राफ-साफ करने निकले हैं, हालांकि अंदरखाने से यह बात निकल रही है कि वह स्वास्थ्य कारणों से दिल्ली रवाना हुए हैं और वहां झारखंड और बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं से बातचीत भी करेंगे।

राज्य की राजनीति में उठापटक की बातों में कितना दम

पिछले दो दिनों से एक बार फिर मीडिया में यह बात चल रही है कि नीतीश कुमार भाजपा से नाराज हैं। जेपी नड्डा के 21 दिनों में दूसरी बार बिहार आने को भी इसके पीछे वजह के रूप में सामने लाया गया। इसके अलावा भी कई बातें कहीं गईं, लेकिन हकीकत यह है कि फिलहाल बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पूरी तरह स्थिर नजर आ रही है। बगैर स्थिरता के बोर्ड-निगम-आयोगों के गठन पर मुख्यमंत्री की सहमति नहीं मिलती है। पिछले 20-25 दिनों के अंदर आयोगों-बोर्डों के गठन पर भाजपा-जदयू के बीच सहमति के आधार पर कई चीजें बंटी हैं, जिनके कारण अस्थिरता को अफवाह मानना मजबूरी भी है। नीतीश कुमार जब महागठबंधन से नाराज थे तो मंत्रिपरिषद् से पहले इन आयोगों को विघटन कराया था या जदयू नेताओं का इस्तीफा कराया था। भाजपा के साथ भी नाराजगी के समय इसी तरह की स्थिति थी। अब स्थिरता को देखते हुए आयोगों को गठन लगातार सामने आ रहा है। दोनों दलों के नेता इन अफवाहों को विपक्ष-जनित और प्रायोजित बता भी रहे हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अबतक स्वास्थ्य कारणों से ही दिल्ली जाते रहे हैं। वह अपनी आंख भी दिल्ली में ही दिखाते हैं। इसके अलावा लगभग सालभर से उन्हें कई तरह की परेशानियां भी हैं, जिसका छिटपुट असर दिखता रहा है।

इस कारण उनके विदेश जाने की भी चर्चा उठी थी। उन चचाओं पर मुख्यमंत्री की ओर से कुछ कहा नहीं गया। लंबे समय से मुख्यमंत्री मीडिया से मुखातिब नहीं हो रहे और न ही सार्वजनिक रूप से कुछ बोल ही रहे हैं।

वह निरीक्षणों और अफसरों के साथ बैठक के जरिए खुद को सक्रिय रख रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य कारणों से एक अंतराल पर उनके दिल्ली जाने की बात अधिकारी बगैर सामने आए बता रहे हैं। रही बात राजनीति की, तो जदयू और भाजपा के नेता इसपर एक ही बात कह रहे हैं कि दिल्ली में उन्हें समय मिलेगा तो झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की रणनीति पर विमर्श करेंगे।

पुरखों को मोक्ष दिलाने को विदेशी तीर्थयात्री पहुंचे गयाजी

गया । गयाजी धाम में सनातन धर्म के लोगों का पितृपक्ष मेला चरम पर है। बीते 17 सितंबर से भगवान विष्णु की मोक्ष नगरी गयाजी में मेले की धूम है। देश-दुनिया के कोने-कोने से प्रतिदिन भारी संख्या में सनातनी अपने पुरखों का पिंडदान करने के लिए गया धाम आ रहे हैं। अब तक करीब 10 लाख तीर्थयात्री गयाजी आ चुके है। साथ ही पिंडवेदियों के आने का सिलसिला जारी है। इस बीच सात समुंदर पार से विदेशी तीर्थयात्री भी अपने पुरखों का पिंडदान करने के लिए शनिवार की रात गया पहुंचे। विदेशी तीर्थयात्री भगवान शिव की नगरी वाराणसी होते हुए भगवान विष्णु की नगरी मोक्ष धाम गयाजी पहुंचे हैं।

जानकारी के मुताबिक, विदेश से कुल आठ की संख्या में तीर्थयात्री गयाजी आए हैं। सभी विदेशी तीर्थयात्री अलग-अलग अलग देश के हैं। गयाजी पहुंचने के बाद विदेशी तीर्थयात्रियों ने शनिवार की रात विष्णुपद, देवघाट और सीताकुंड परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान बारिश होती रही, लेकिन बीच विदेशी तीर्थयात्री घूमते रहे।

बताया जा रहा है कि विदेशी तीर्थयात्रियों में महिलाएं साड़ी पहनी हुई थीं। वे माथे से आंचल को गिरने नहीं दे रहीं थीं। इस दौरान वे काफी उत्सुक और जिज्ञासु भी नजर आ रहीं थीं। बताया जा रहा है कि विदेशी तीर्थयात्रियों के समूह में रूस, यूक्रेन और अफ्रीका के लोग हैं, जो अपने पुरखों का पिंडदान करेंगे। सोमवार को विदेशी श्रद्धालु देवघाट पर पूर्वजों के निमित्त कर्मकांड करेंगे। इससे पहले वे रविवार को बोधगया जाएंगे और भगवान बुद्ध के दर्शन करेंगे। अगले दिन सोमवार को भगवान श्री हरि विष्णु के चरणों में नतमस्तक होंगे। इन विदेशी तीर्थयात्रियों के पूर्वजों का अर्पण तर्पण और श्राद्ध से जुड़े कर्मकांड को आचार्य लोकनाथ गौड़ कराएंगे। जबकि इनके पंडा गजाधर लाल धोकड़ी होंगे।

आचार्य लोकनाथ गौड़ ने बताया कि सभी विदेशी श्रद्धालु गया धाम पहुंच चुके हैं। उनके पुरखों के पिंडदान और श्राद्धकर्म की तैयारी की जा रही है। सोमवार को देवघाट, विष्णुपद, अक्षयवट और सीताकुंड पिंडवेदी पर पिंडदान होगा। जब यह पूछा गया कि विदेशी तीर्थयात्री सभी ईसाई हैं, फिर क्यों सनातन धर्म के अनुसार पिंडदान करने क्यों आए हैं? उन्होंने कहा कि सभी सनातन धर्म से प्रभावित हैं और उन्होंने अपने पूर्वजों का पिंडदान करने की इच्छा जाहिर की थी। उसे पूरा करने के लिए आज गयाजी पहुंचे है। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष मेला के दौरान इनके अलावा भी अलग-अलग देशों से विदेशी अपने पुरखों का पिंडदान करने गया धाम आ रहे हैं।

56 साल बाद कोसी, 21 साल बाद गंडक में इतना पानी

6 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज, कई इलाकों में बाढ़ का खतरा, 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

पटना। नेपाल के तराई और उत्तर बिहार में लगातार हो रही बारिश से राज्य के कई जिलों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। कोसी बराज से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। पानी के दबाव को देखते हुए बराज के सभी 56 फाटक खोले दिए गए हैं। कोसी बराज से 3 बजे तक 5.41 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हो चुका है। नदी में इतना पानी 56 साल बाद आया है। यह 1968 में नदी के सबसे अधिक फ्लो से सिर्फ 1 लाख क्यूसेक कम है। वहीं वाल्मीकिनगर गंडक बराज से 3 लाख 39 हजार क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हो रहा है, शाम तक 5 लाख 93 पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। यहां 21 साल पहले इतना पानी आया था। यह 2003 के फ्लो लेवल से थोड़ा ही कम है। दोनों नदियों में पानी शुक्रवार को ही बढ़ गया। गंडक बराज से सुबह 1 बजे तक 4.32 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा चुका है। कोसी और गंडक में पानी का फ्लो बढ़ने के बाद बिहार के 4 जिले सुपौल, सहरसा, मधुबनी और दरभंगा में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। हालात देख जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने शुक्रवार को सभी अधिकारियों की छुट्टी अगले आदेश तक रद्द कर दी। दूसरी ओर मौसम विभाग ने बिहार के 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 5 जिलों में रेड और 7 जिलों में यलो अलर्ट है। इसके अलावा पटना समेत 13 जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की गई है। ये चेतावनी आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी की गई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने इन जिलों के डीएम को कहा है कि अगले 24 घंटे अहम है। किसी तरह की भी स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी तैयारी कर लें। संबंधित एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखें। मधुबनी में भारी बारिश और नेपाल से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण कमला नदी उफान पर है। इसके सभी फाटक खोल दिए गए हैं, जिससे आसपास के इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। जिले की बड़ी आबादी अब बाढ़ की चपेट में है। कई घरों में बाढ़ का पानी आने से लोग सहमे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की है। किशनगंज के बहादुरगंज में कनकई नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद रऊ्रक्र की टीम मौके पर पहुंची। टीम लोगों को नदी पार कराने में जुटी है सुपौल सदर प्रखंड के बलवा पंचायत के बाढ़ग्रस्त इलाके से लोग बाहर पलायन रहे हैं। कोसी तटबंध के भीतर बाढ़ की भयावह स्थिति को लेकर बच्चे-बुजुर्ग भी परेशान दिखे।

हथियार के साथ डांस करते बनाया वीडियो, अरेस्ट

वैशाली। थाना क्षेत्र के एक युवक का हथियार लहराते फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही वैशाली थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित दो युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस इस मामले में दोनों युवकों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है। पुलिस ने युवक के पास से हथियार और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। जानकारी के अनुसार वैशाली थाना क्षेत्र के बेल्का गांव में विश्वकर्मा पूजा के मौके पर रात में नाच गाना का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में एक युवक का हथियार लहराते हुए वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो जैसे ही पुलिस के हाथ लगी पुलिस हरकत में आ गयी। पुलिस युवक की पहचान करने की कार्रवाई में जुटी थी। इसी दौरान पुलिस ने मानवीय सूचना के आधार पर हथियार लहराने वाले युवक की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक भगवानपुर रत्ती गांव निवासी सुरेश राय का पुत्र संजीत कुमार बताया गया है। बताया गया कि गिरफ्तार युवक से पुलिस ने जब हथियार के संबंध में सख्ती से पूछताछ की तो पता चला कि उसे उसका साथी बेल्का गांव निवासी राजेश कुमार उर्फ चौबिसा ने दिया था। पुलिस उसके निशानदेही पर छापेमारी कर राजेश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व विधायक और उनके बेटे पर गोलीबारी

दिनदहाड़े फायरिंग से बेगूसराय में दहशत

बेगूसराय। जिले में अपराध का एक और खौफनाक चेहरा सामने आया है। तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ललन कुंवर और उनके बेटे पिंढौली पंचायत के वर्तमान मुखिया कुंवर अनुराग प्रताप पर दिनदहाड़े अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर जानलेवा हमला किया। इस हमले में दोनों किसी तरह बाल-बाल बच गए, लेकिन घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। घटना तेघड़ा थानाक्षेत्र में हुई और पुलिस ने मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह पिंढौली पंचायत के मुखिया कुंवर अनुराग प्रताप के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन पर अपराधी ने पहले गाली-गलौज की और फिर जान से मारने की धमकी दी। अनुराग ने तुरंत इस बात का विरोध किया और जब पता चला कि फोन उनके ही गांव के अपराधियों का है, तो वे इस मामले की तहकीकात के लिए घर से निकले। उनके साथ उनके पिता पूर्व विधायक ललन कुंवर और उनके बॉडीगार्ड भी थे।इस दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे चार-पांच हथियारबंद अपराधी ने कुंवर अनुराग प्रताप और उनके पिता पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही आसपास के लोग डर के मारे इधर-उधर भागने लगे। कुंवर अनुराग और उनके पिता किसी तरह जान बचाकर भागे। उनके साथ मौजूद बॉडीगार्ड ने अपनी बंदूक निकालकर अपराधियों का मुकाबला किया। इससे अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। मुखिया कुंवर अनुराग प्रताप ने बताया कि इस हमले के पीछे गांव के कुछ अपराधियों का हाथ है, जिन्हें हाल ही में शराब के मामले में जेल भेजा गया था। अपराधियों ने जेल से छूटने के बाद उन्हें और उनके पिता को जान से मारने की धमकी दी थी। आरोपियों का कहना था कि उन्हें मुखिया और पूर्व विधायक के कारण ही जेल जाना पड़ा था और अब वे दोनों को मारकर बदला लेंगे। तेघड़ा के पूर्व विधायक ललन कुंवर ने बताया कि हमले के वक्त उनके साथ उनका बॉडीगार्ड भी था, जिसने अपनी सूझबूझ से इस संकट की घड़ी में उनकी जान बचाई।

मरे बेटे को बीमार समझ देखभाल करती रही मां

2 दिन पहले पटना से लौटा, सोया फिर नहीं उठा, कभी जगाती, कभी मुंह पोंछती

भागलपुर । 26 साल के विकास कुमार उर्फ मिट्ठू की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। उसकी मां को इसका पता ही नहीं चला, वो बेटे को बीमार समझ कर उसकी सेवा किए जा रही थी। कभी उसके पैर में मालिश करती, कभी जगाने की कोशिश तो कभी तौलिए से मुंह पोंछती। मामले का खुलासा शुक्रवार को तब हुआ जब उसका दोस्त मिलने पहुंचा। उस वक्त विकास की मां बेटे की लाश के पास ही बैठी थी। वह बेटे को बीमार समझकर उसका मुंह पोंछ रही थी। रांची से विकास की दीदी ने अपनी मां रंजू देवी को कॉल किया था। तब रंजू ने कहा कि मिट्ठू 2 दिन से लेटा हुआ है, उठता ही नहीं है। उसकी बहन ने दोस्त को कॉल कर घर भेजा तो पता चला कि मिट्ठू की दो दिनों पहले ही मौत हो चुकी है। उसकी मां पिछले दो दिनों से बेटे के शव की मालिश कर रही थी। वो यह मानने को तैयार नहीं थी कि बेटा मर चुका है। वह बार-बार उसे अस्पताल ले जाने की जिद कर रही थी। मामला मिरजानहाट एसबीआई एटीएम के पास का है। जहां के निवासी रतन नंदन साह के बेटे विकास कुमार की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है। इसी बीच किसी ने पुलिस पेट्रोलिंग टीम को सूचना दी तो मोजाहिदपुर थानाध्यक्ष धीरेंद्र यादव मौके पर पहुंचे। तत्काल एफएसएल टीम को वहां बुलवाया गया। टीम ने वहां से नींबू-पानी और नींबू, चीनी, पानी से बने शरबत समेत अन्य चीजों का सैंपल जांच के लिए लिया है। शुरूआती जांच में किसी जहरीले जीव के काटने से मौत होने की बात कही जा रही है। स्पेशल ब्रांच से मो. शमशेर हुसैन ने भी जानकारी लेकर वरीय अधिकारी को रिपोर्ट भेजा है। विकास 25 सितंबर को पटना से प्रतियोगी परीक्षा देकर लौटा था। घर आने पर उसने चाय और बिस्कुट खाया। फिर ऊपर वाले कमरे में चला गया। 26 को उसकी मां जब जगाने गई तो वह उठा ही नहीं। मां को लगा कि थककर आया है तो देर से जगेगा। दोबारा वो वहां गई। उसे लगा कि वह बीमार है तो उसके मुंह पर पानी देकर कपड़ा से पोंछती रही कि संभव है कि अगर बीमार होगा तो ठीक हो जाएगा। मृतक की मां ने बताया कि पति रतन नंदन साह रांची में ही एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। रिटायरमेंट के बाद भी कुछ दिन पूर्व ही उन्हें एक्सटेंशन मिला है। उनकी दो बेटी और पति रांची में ही रह रहे हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद वार्ड 49 के पार्षद प्रतिनिधि दीपक साह और 50 के पार्षद पंकज कुमार गुप्ता भी वहां पहुंचे। इसके बाद निगम से मजदूरों को लगाया गया तो शव को बाहर निकाला जा सका। मौत के कारणों का पता अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही चल सकेगा। आसपास के लोगों का यह भी कहना है कि घर की साफ-सफाई भी मिट्ठू ही करता था, संभव है कि बरसात का मौसम होने के चलते कोई जहरीला जीव घर में आ गया हो।

बेटे ने चाकू से गोद कर की अपने पिता हत्या

सहरसा। जिले के बिहरा थानाक्षेत्र के खोनहा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बेटे ने अपने ही पिता की चाकू से गोद-गोद कर हत्या कर दी। घटना शनिवार की सुबह घर के दरवाजे पर हुई, जब किसान शिवकुमार यादव (55) को उनके छोटे बेटे ब्रजेश ने निर्ममता से मार डाला। घटना के बाद से आरोपी बेटा फरार है और गांव में सन्नाटा छा गया है। घटना के बाद परिजनों के बीच कोहराम मच गया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि उन्होंने पुलिस को सूचना नहीं दी। उन्होंने आपसी सहमति से शव का अंतिम संस्कार करने की कोशिश की। परिवार के लोग शिवकुमार यादव का शव लेकर खेत की ओर बढ़ गए, लेकिन समय रहते किसी ने पुलिस को सूचित कर दिया। सूचना मिलने पर बिहरा थाना के सब-इंस्पेक्टर रूपम कुमारी अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचीं और शव को खेत से जब्त कर लिया। पुलिस ने मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी, जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

संक्षिप्त डायरी

लगातार हो रही बारिश के कारण केले की फसल बर्बाद

कटिहार । समेली प्रखंड के पूर्वी चांदपुर पंचायत के विषनीचक गांव में हो रही भारी बारिश और आंधी-तूफान के कारण केले की खेती करने वाले किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। बता दें की जिले में सैकड़ों एकड़ में लगी केले की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा है। किसान अवदेश कुमार साह, राजेद्र साह, बिपिन साह, और कई अन्य किसानों ने बताया कि उन्होंने ब्याज पर पैसा लेकर 3-3 एकड़ में केले की फसल लगाई थी, जिसकी लागत लगभग 4 लाख रुपए आई थी। किसानों का कहना है कि त्योहारी सीजन में केले की अच्छी कीमत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन प्राकृतिक आपदा के कारण अब लागत भी निकल पाना मुश्किल हो गया है। बाजार में केले की एक खानी की कीमत 300-400 रुपए मिलती थी, जिससे अच्छा मुनाफा हो सकता था, पर अब सारी उम्मीदें टूट चुकी हैं। किसानों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि वे सही तरीके से सर्वे कराकर उन्हें उचित मुआवजा प्रदान करें ताकि उनकी स्थिति में सुधार हो सके और वे फिर से खेती करने लायक हो सकें। कृषि किसान समन्वयक रंजन पंडित, किसान सलाहकार शंभू कुमार मंडल, प्रखंड उप प्रमुख समेली प्रतिनिधि दिलीप कुमार साह सहित जनप्रतिनिधि ने केला के किसानों के खेतों का निरीक्षण किया है। वहीं जिला प्रशासन व कृषि विभाग को फसल क्षतिपूर्ति की रिपोर्ट सौंपने की बात कही है।

गोलीबारी से घायल ग्रामीण चिकित्सक की मौत, गुस्साए लोगों ने लगाया जाम

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थानाक्षेत्र के भगीरथपुर गांव में दवा दुकानदार और ग्रामीण चिकित्सक सुनील चौधरी की गोली लगने से हुई मौत के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। पांच दिन पूर्व बदमाशों द्वारा की गई गोलीबारी में घायल सुनील चौधरी की शुक्रवार रात पटना के मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। शनिवार सुबह जैसे ही उनका शव समस्तीपुर पहुंचा, गांव वालों का आक्रोश भड़क उठा। फिर उन्होंने समस्तीपुर-दरभंगा मुख्य मार्ग को मगरदही घाट के पास जाम कर दिया। जानकारी के मुताबिक, सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यातायात ठप हो गया। इस जाम के कारण सुबह-सुबह स्कूल और कार्यालय जाने वाले लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। खासकर बच्चों और दैनिक यात्रियों को काफी दिक्कत हुई। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य आरोपी गांधी चौधरी की गिरफ्तारी, मृतक के परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा और परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की। आक्रोश बढ़ता देख नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर जाम खत्म करवाया। जानकारी के मुताबिक, घटना 23 सितंबर की रात की है, जब सुनील चौधरी अपनी दवा की दुकान बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। तभी बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिसमें एक गोली उनके शरीर में जा लगी। उसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल सुनील चौधरी को समस्तीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना के मेदांता हॉस्पिटल रेफर किया गया था। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार मध्यरात्रि उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सुनील चौधरी की पत्नी के बयान पर कल्याणपुर थानाक्षेत्र के भगीरथपुर गांव के गांधी चौधरी समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन मुख्य आरोपी गांधी चौधरी अभी भी फरार है। गांधी चौधरी पहले भी गांव के संतोष राय पर गोली चलाने का आरोपी रहा है। गांव वालों का आरोप है कि अगर पुलिस समय रहते संतोष राय पर हुए हमले के मामले में सक्रिय होती और गांधी चौधरी को गिरफ्तार कर लेती, तो सुनील चौधरी की जान बचाई जा सकती थी। पुलिस अब मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है, लेकिन गांव में पुलिस की सुस्ती को लेकर भारी नाराजगी है।

21 दिन में दूसरी बार पटना पहुंचे जेपी नड्डा

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा 21 दिन में दूसरी बात आज पटना पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर भाजपा के वरीय नेताओं और कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के पटना एयरपोर्ट पर पहुंचने पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित कई कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। वहां से सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सचिवालय स्थित सात मूर्ति पहुंचे। वहां उन्होंने अमर शहीदों के स्मारक पर माल्यार्पण की एवं उन्हें नमन किया। इसके बाद भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां पर भाजपा के वरीय नेता, मंत्री, सांसद और विधायकों से मुलाकात की। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जेपी नड्डा इन नेताओं के साथ मीटिंग कर रहे हैं। इधर, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बिहार आगमन को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई है। माना जा रहा है कि आगामी 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बिहार में भाजपा के कार्यकताओं से मिलकर बंद कमरे में गुफ्तगू करेंगे। साथ ही 2025 में होने वाले विधानसभा में रणनीति भी तैयार कर सकते हैं।

फर्जी शिक्षक बहाली में 2 प्रिंसिपल, एक दलाल गिरफ्तार

कई फर्जी टीचर घर से ही बना रहे हाजिरी, जांच कमेटी की संदिग्धों पर नजर

समस्तीपुर । फर्जी शिक्षक बहाली मामले में जांच कमेटी ने एक्शन लिया है। पूछताछ के बाद दो स्कूलों के हेड मास्टर और एक दलाल को पुलिस को सौंप दिया गया है। माना जा रहा है कि जल्द ही इस मामले में और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। गिरफ्तार हेडमास्टरों में प्राथमिक विद्यालय पुरुषोत्तमपुर के एचएम दिलीप राम और प्राथमिक विद्यालय नवटोलिया के एचएम अविनाश कुमार टंडन शामिल हैं। वहीं, दलाल परवेज आलम को भी नगर थाने की पुलिस ले गई। सबसे ज्यादा फजीर्वाड़ा प्राथमिक विद्यालय नवटोलिया में ही हुआ है। वहीं, दूसरी तरफ गिरफ्तारी के डर से फरार फर्जी शिक्षक बिहार सरकार के शिक्षा पोर्टल पर घर से ही रोज हाजिरी बना रहे हैं। ये कौन-कौन हैं, ये क्लियर नहीं है। जिसे मामला और भी गंभीर हो गया है। मामले में विभूतिपुर बीईओ को पहले ही निलंबित कर दिया गया है। प्राथमिक विद्यालय पुरुषोत्तम में शिक्षिका रंजना कुमारी फर्जी शिक्षिका बताई गई है। इसके अलावा इस स्कूल में शिक्षिका निकहत परवीन और तनुजा कुमारी पर अभी जांच चल रही है, ये लोग संदिग्ध है। इसी स्कूल में सबसे पहले फजीर्वाड़े के बारे में पता चला था। शिक्षा विभाग के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना के आदेश पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कृष्णदेव महतो ने प्राथमिकी दर्ज कराई। जांच शुरू हुई। मामला संज्ञान में आने पर पूर्व डीएम योगेंद्र सिंह ने कमेटी बनाई। वहीं, प्राथमिक विद्यालय नवटोलिया में दो शिक्षिका शिल्पी कुमारी, कंचन कुमारी और एक शिक्षक सुधांशु कुमार संदिग्ध है। जिस पर जांच चल रही है। मध्य विद्यालय समर्था के शिक्षक अमरजीत कुमार और पंकज कुमार साहू। प्राथमिक विद्यालय शिशबन्नी के इंदु कुमारी। प्राथमिक विद्यालय आलमपुर मुसहरी की ममता कुमारी। प्राथमिक उर्दू विद्यालय आलमपुर की हेना परवीन। प्राथमिक विद्यालय तरुणिया की सोमी कुमारी। प्राथमिक विद्यालय सैदपुर की नेहा कुमारी। प्राथमिक विद्यालय समर्था पोखरा के सुशील कुमार साह। प्राथमिक विद्यालय बलहा-2 की बेबी कुमारी, समीदा खातून। प्राथमिक विद्यालय बड़कुरबा मुरिया स्थान की मंजू कुमारी। उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोदरिया के राजीव कुमार, प्राथमिक विद्यालय संगराहा खैराज की पिंकी कुमारी, अभिषेक कुमार। प्राथमिक विद्यालय कामा स्थान सिरसी की नेहा कुमारी व अन्य। दरअसल समस्तीपुर में BPSC से चयनित अभ्यर्थियों की जगह फर्जी शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मियों की माने तो काउंसिलिंग के दौरान हेराफेरी कर फर्जी बहाली की गई है। मामला सामने आने के बाद DM योगेंद्र सिंह ने 4 सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया है। कमेटी में शिक्षा विभाग के किसी भी अधिकारी को शामिल नहीं किया गया है। इसके साथ ही विभूतिपुर प्रखंड के BEO और 3 विद्यालयों के प्रिंसिपल से शो-कॉज पूछा गया था। विभूतिपुर प्रखंड के पीएस धोबी टोल में नियुक्त शिक्षिका का रोल नंबर-आईडी और एमएस कापन स्कूल में नियुक्त शिक्षिका के रोल नंबर-आईडी से मैच करता है। इसकी जानकारी जिला शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों को मिली। इसके बाद कार्रवाई शुरू की गई है। बताया जा रहा है कि जिले में फर्जी तरीके से बहाल 12 शिक्षक फरार हैं।

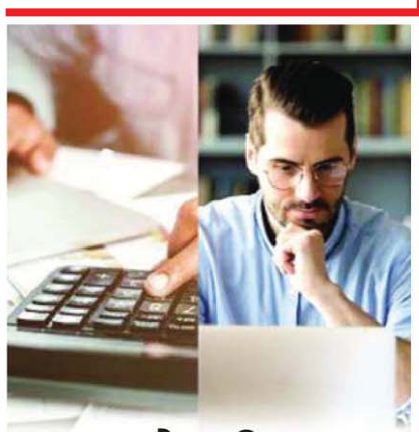

भूल से भी ना करें ये फाइनेंशियल मिसटेक्स

आज की यंग जनरेशन कम उम्र में ही अपने पैरों पर खड़ा होने की चाहत रखती है। शायद यही कारण है कि यंगस्टर्स पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम जॉब या फिर फ्रीलांस वर्क करना पसंद करते हैं। यकीनन यह एक अच्छा ऑप्शन है। जब आप कमाना शुरू करते हैं तो आप आत्मनिर्भर बनते हैं। हालांकि आपके लिए सिर्फ पैसा कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि आप उन पैसों को किस तरह हैंडल करते हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाना उतना ही जरूरी है। अक्सर यह देखने में आता है कि जब यंगस्टर्स पैसा कमाना शुरू करते हैं तो उन्हें पैसा हैंडल करना नहीं आता है। जिसके कारण वे अपनी मेहनत की कमाई को यूं ही खर्च कर देते हैं या फिर कुछ मिसटेक्स के कारण उन्हें फाइनेंशियल लॉस हो जाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही फाइनेंशियल मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको बचने की कोशिश करनी चाहिए-

बजट तय ना करना

यह एक कॉमन गलती है, जो अक्सर यंगस्टर्स कर बैठते हैं। दरअसल, जब यंगस्टर्स कमाना शुरू करते हैं तो उन पर अमूमन पारिवारिक जिम्मेदारियां नहीं होती हैं। ऐसे में उनके द्वारा कमाए गए पैसे सिर्फ उनके ही होते हैं। कई बार वे पूरे सप्ताह काम करके पैसे कमाते हैं और वीकेंड में उसे खर्च कर देते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा एक बजट बनाएं, जिससे आप जरूरत के अनुसार खर्च कर पाएं। साथ ही साथ, इमरजेंसी के लिए कुछ पैसे अवश्य अलग से रखें।

इनवेस्टमेंट स्कीम को इग्नोर करना

अपनी कमाई के शुरुआती दिनों में लोग इनवेस्टमेंट की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते हैं। जबकि इस समय इनवेस्ट करना काफी अच्छा माना जाता है। चूंकि इस समय आप रिस्क ले सकते हैं और पारिवारिक जिम्मेदारियां ना होने के कारण आमदनी के एक बड़े हिस्से को निवेश कर सकते हैं। जिससे आपको अच्छे रिटर्न मिल सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करना

अगर आपने अभी-अभी पैसे कमाना शुरू किया है तो तुरंत क्रेडिट कार्ड खरीदकर उसे इस्तेमाल करना शुरू ना करें। दरअसल, अभी आपने पैसों को सही ढंग से संभालना नहीं सीखा है। ऐसे में अगर आपकी जेब में क्रेडिट कार्ड होगा तो आपके बेवजह पैसे खर्च करने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए, शुरुआत में कुछ वक्त डेबिट कार्ड ही इस्तेमाल करें। जब आप पैसों को सही ढंग से मैनेज करना सीख जाएं, जब क्रेडिट कार्ड लेने पर विचार करें।

अपनी कमाई से ज्यादा खर्च करना

आपके लिए कपड़े, हॉलिडे और इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स आदि पर अत्यधिक खर्च करना आकर्षक हो सकता है। जब आपकी आमदनी उन गैर-जरूरी चीज़ों को कवर नहीं करती है। कुछ लोग लोन लेकर भी अपनी इन इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। आपको यह सीखना है कि अपनी क्षमता के भीतर कैसे रहना है, अपनी कमाई से अधिक खर्च नहीं करना है।

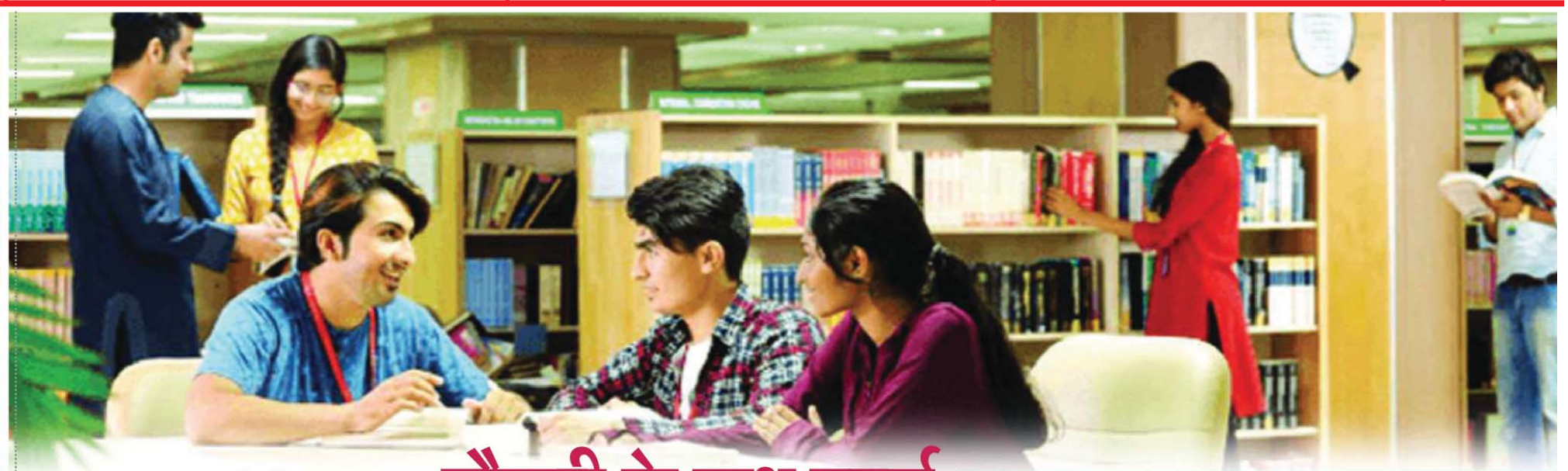

नौकरी के साथ पढ़ाई के लिए वित्तीय लाभ देता है पार्ट टाइम कोर्स

अपनी वर्तमान नौकरी छोड़ने के बिना अध्ययन और पेशेवर विकास के लचीले घंटे अंशकालिक अध्ययन कार्यक्रमों को चुनने के लिए अतिरिक्त लाभ में ला सकते हैं। शिक्षा हर स्तर पर उपलब्ध है; आप एक सर्टिफिकेट प्रोग्राम, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर, डॉक्टरेट या पोस्ट डॉक्टरेट जैसे डिग्री के लिए जाना चुन सकते हैं।

अंशकालिक कार्यक्रमों को पूर्णकालिक कार्यक्रम के रूप में ही माना जाता है, हालांकि प्रवेश की आवश्यकताएं अलग हैं। उदाहरण के लिए एक अंशकालिक कार्यक्रम के लिए नामांकन करने के लिए आपको अपने वर्तमान नियोक्ता से अनुभव के प्रमाण पत्र का उत्पादन करने की आवश्यकता हो सकती है। इन कार्यक्रमों को मुख्य रूप से श्रमिक वर्ग के लोगों की शिक्षा में तेजी लाने और एक पूर्णकालिक कार्यक्रम में नामांकित छात्रों को पेशेवर प्रशिक्षण देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हालाँकि, आपको नामांकन के लिए अनुभव प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होने वाले उदाहरण के लिए कई पाठ्यक्रम मिल सकते हैं।

कई छात्र विभिन्न कारणों से प्रारंभिक कार्य जीवन की शुरुआत करते हैं। यह एक ही समय में काम और पूर्णकालिक स्कूल को संतुलित करने के लिए चुनौतीपूर्ण है और इसकी एक परेशानी अगर काम का समय स्कूल के समय के साथ मेल खाता है। पूरी रात की कक्षाओं की उपलब्धता अभी भी केवल एक सपना है। पार्ट टाइम कार्यक्रम अक्सर देर शाम या सुबह जल्दी और सप्ताहांत में दिए जाते हैं ताकि कामकाजी वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो सके। काम करते हुए और एक साथ अध्ययन करते हुए आप अपने समय को अच्छी तरह से सीखते हैं; अंततः आप अंशकालिक पाठ्यक्रम और कार्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उपलब्ध हर दूसरे का उपयोग करते हैं। शुरुआती कुछ दिनों के लिए आप व्यस्त कार्यक्रम के कारण थकावट महसूस कर सकते हैं लेकिन आश्चर्यजनक रूप से बहुत जल्द ही आपको एहसास होगा कि आप कितना समय बर्बाद कर रहे हैं। यहां तक कि आपको सप्ताहांत में भी कक्षाओं के बावजूद खेलने और मौज-मस्ती के लिए आसानी से समय मिल जाएगा। वास्तव में, अंशकालिक पाठ्यक्रम उन लोगों के लिए आशीर्वाद हैं जो एक पूर्णकालिक पाठ्यक्रम या पूर्णकालिक नौकरी का पीछा करते हैं। एक अतिरिक्त प्रमाण पत्र का मतलब है कि आपके पाठ्यक्रम, पंक्ति और अगले साक्षात्कारकर्ता को आपसे मिलकर खुशी होगी। हमेशा पार्ट टाइम कोर्स के लिए जाएं जो भविष्य में रोजगारपरक हो, आपके कौशल को बढ़ाए और उद्योग तक आपकी पहुंच को बढ़ाए।

अंशकालिक शिक्षा का अर्थ?

अंशकालिक शिक्षा / अंशकालिक अध्ययन कार्यक्रम या अंशकालिक पाठ्यक्रम का अर्थ है प्रति सप्ताह अपने अध्ययन के पाठ्यक्रम पर कुछ घंटे खर्च करना, यानि लगभग 20 से 30 घंटे में शिक्षा प्राप्त करना है। कभी-कभी अंशकालिक कक्षाएं रात या सप्ताहांत पर आयोजित की जाती हैं जो पूर्णकालिक काम करने वालों के लिए बनती हैं।

पाठ्यक्रमों में कोई कमी नहीं है; तकनीकी और गैर-तकनीकी योग्यता दोनों विभिन्न संस्थानों, कॉलेजों विश्वविद्यालय विभागों द्वारा प्रदान की जाती हैं।

अंशकालिक अध्ययन क्यों?

अंशकालिक अध्ययन लेने का सबसे बड़ा लाभ आपके काम या परिवार की प्रतिबद्धताओं के साथ आपकी पढ़ाई का प्रबंधन करने में सक्षम है। अंशकालिक अध्ययन जीवन के दो पक्षों को संतुलित करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है, और काम जारी रखने में सक्षम होने के अलावा और अपनी पढ़ाई के लिए धन अर्जित करने के वित्तीय लाभ देता है। कुछ प्रमुख लाभ हैं -

- अगर आप अपना करियर बदलना चाहते हैं या अपनी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ाना चाहते हैं।
- आप अपने कैरियर की आकांक्षाओं से मेल खाने के लिए अपनी डिग्री को कस्टमाइज़ कर सकते हैं, जिसमें विभिन्न प्रकार के कोर्स मॉड्यूल शामिल हों।
- आप अपनी डिग्री को वित्त देने में मदद करने के लिए काम करना जारी रख सकते हैं।
- आपके मौजूदा करियर को आपकी पढ़ाई के जरिए बढ़ाया जा सकता है।
- यदि किसी कारण से पूर्णकालिक अध्ययन आपके लिए अनुपलब्ध है।
- जब आप डिग्री के कुछ रास्तों पर काम कर रहे हों तो आप पेशेवर योग्यता अर्जित कर सकते हैं।
- आपके पास बेहतर नौकरी की संभावनाओं के लिए कौशल बनाने के लिए बहुत सारे अवसर होंगे।

एक ऐसा मोड चुनना जो आपको सूट करे

अधिक से अधिक विश्वविद्यालय अब परिसर में पूर्णकालिक के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इससे पहले कि आप एक कोर्स पर फैसला करें कि क्या एक वैकल्पिक अध्ययन मोड आपको बेहतर सूट कर सकता है। एक अध्ययन मोड का चयन करने का मतलब है कि आप परिसर में या बंद पूर्णकालिक या आंशिक समय का चयन करेंगे या नहीं। अन्य अध्ययन मोड विभिन्न कारणों से अधिक आकर्षक हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं -

- एक आय / या कमाने के लिए काम करने की आवश्यकता है।
- अन्य कैरियर या पारिवारिक जिम्मेदारियां।
- विकलांगता।
- पार्ट टाइम बनाम फुल टाइम मोड।

अंशकालिक अध्ययन का मतलब है कि हर सेमेस्टर आप पूर्णकालिक पाठ्यक्रम की तुलना में कम इकाइयों का अध्ययन करते हैं। आप उन इकाइयों की संख्या में जोड़ सकते हैं, जिनका आप अध्ययन करते हैं और विश्वविद्यालय के जीवन में अधिक व्यवस्थित होने के लिए पूरा समय देते हैं। यदि आवश्यक हो तो आप एक सेमेस्टर या उससे अधिक समय तक अध्ययन करने वाली इकाइयों की संख्या में भी कटौती कर सकते हैं।

कुछ छात्रों को पूर्णकालिक पाठ्यक्रमों का प्रबंधन करना मुश्किल लगता है और शैक्षणिक वर्ष के दौरान उनके विषयों की संख्या में कटौती करनी पड़ती है। शुरू करने के बाद इस तरह के बदलाव करना निराशाजनक, महंगा और हतोत्साहित करने वाला हो सकता है। जहां एक मौका हो सकता है कि पूर्णकालिक अध्ययन आपके लिए संभव नहीं होगा, हम दृढ़ता से सुझाव देते हैं कि आप अंशकालिक अध्ययन के साथ शुरू करने पर विचार करें। इस तरह आपके पास बाद में अपने विषयों को बढ़ाने का विकल्प है और नकारात्मक संकेत के साथ अपना करियर शुरू करने से बचें।

पार्ट टाइम कोर्स के फायदे

आप काम या अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ अकादमिक अध्ययन को संयोजित करना चाह सकते हैं, और इसलिए अपनी डिग्री खत्म करने में अधिक समय लेते हैं।

यदि आप पेशेवर रूप से संबंधित डिग्री का अध्ययन कर रहे हैं, तो यह काम और अध्ययन को संयोजित करने के लिए आपके लाभ के लिए हो सकता है; आपके पेशेवर जीवन में प्राप्त अनुभव आपके शैक्षणिक विकास में गहराई और प्रासंगिकता जोड़ेंगे। कुछ सिखाए गए कार्यक्रम, विशेष रूप से पेशेवर उन्मुख, केवल अंशकालिक अध्ययन द्वारा उपलब्ध हैं।

पार्ट टाइम कोर्स का नुकसान

सामाजिक अलगाव

अंशकालिक छात्र होने की एक बड़ी खामी अन्य शिक्षार्थियों के साथ सामाजिक संपर्क से गायब है। इसमें व्यक्तिगत लाभ शामिल हो सकते हैं, जैसे कि नए दोस्त बनाना, साथ ही कुशल व्यक्ति, जैसे कि आपके क्षेत्र में अन्य छात्रों और शिक्षकों के साथ नए संपर्क बनाना।

व्यस्त जीवन शैली

अंशकालिक छात्रों को अक्सर एक नौकरी के रूप में एक और, पूर्णकालिक प्रतिबद्धता के साथ अपनी कक्षा अनुसूची को टटोलने के लिए मजबूर किया जाता है। यह एक बेहद पैक शेड्यूल के लिए बनाया जा सकता है, जिसमें सामाजिक जीवन के लिए बहुत कम समय मिलता है। जब तक छात्र बेहद केंद्रित नहीं होता, तब तक वह अध्ययन और उसकी अन्य गतिविधि दोनों में अपनी प्रभावशीलता को सीमित कर सकता है।

हद

नेशनल सेंटर फॉर एजुकेशन स्टेटिस्टिक्स द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, अंशकालिक छात्रों की जांच करने वाले, अंशकालिक छात्रों को पूर्णकालिक छात्रों की तुलना में स्नातक होने की संभावना कम होती है। पूर्णकालिक छात्रों के बीच, 73त्न अंशकालिक छात्रों की तुलना में केवल 28 प्रतिशत डिग्री या प्रमाण पत्र के बिना बाहर हो गए थे।

स्नातक करने के लिए अवधि

एक पूर्णकालिक छात्र की तुलना में स्नातक होने के लिए एक अंशकालिक छात्र के लिए हमेशा समान पाठ्यक्रम लोड को पूरा करने में अधिक समय लगेगा। उदाहरण के लिए, यदि एक पूर्णकालिक छात्र चार सेमेस्टर और चार साल में स्नातक की उपाधि लेता है, तो वह एक अंशकालिक छात्र को उससे अधिक साल में ले जाएगा, जो आठ साल की कई कक्षाओं लेगा। यह करियर की प्रगति में देरी का कारण बन सकता है जो एक डिग्री अपने प्राप्तकर्ता पर निर्भर करता है।

कर लाभ

आयकर विभाग छात्रों को उनके आयकर भुगतान से अधिकांश शैक्षिक खर्चों में कटौती करने की अनुमति देता है। हालांकि, पूर्णकालिक छात्रों को इस तरह की कटौती का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन अंशकालिक छात्रों को कटौती में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपका ट्यूशन आपके नियोक्ता द्वारा प्रतिपूर्ति की जा रही है, तो वर्गों को आय का एक रूप माना जा सकता है और इस तरह का कर लगाया जाना चाहिए। कटौती के बारे में सुझाव देने के लिए आपका कर सलाहकार सबसे अच्छा अधिकार है।

सीमित विकल्प

सभी कार्यक्रम अंशकालिक छात्रों को स्वीकार नहीं करते हैं। यह विशेष रूप से सच है अगर एक कोर्स के लिए लैब घंटे की आवश्यकता होती है इसलिए, अंशकालिक छात्रों के पास भाग लेने के लिए कार्यक्रमों का एक छोटा सा पूल होता है, जो वे प्राप्त कर सकते हैं शिक्षा के प्रकार के लिए अपने विकल्पों को सीमित करते हैं। हालांकि, पार्ट टाइम कोर्स में भाग लेने के लिए संभावनाएं असीम हैं।

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल तो सभी लोग करते हैं, लेकिन अगर सोच-समझकर इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाए। तो यह कमाई का एक बेहतरीन जरिया बन सकता है। आप इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन लाखों रुपए कमा सकते हैं।

कमाई एक बेहतरीन जरिया बन सकता है इंटरनेट

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल तो सभी लोग करते हैं, लेकिन अगर सोच-समझकर इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाए। तो यह कमाई का एक बेहतरीन जरिया बन सकता है। हांलाकि आपने भी देखा होगा कि आज के समय में बहुत से लोग सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर खूब शोहरत हासिल कर रहे हैं। वहीं इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन लोग लाखों कमा रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि इसमें अपना कॅरियर बना शानदार कमाई कर सकते हैं। वर्तमान समय में अपनी नौकरी के साथ लोग सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी काफी अच्छे से हैंडल कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर अच्छी रीच और ज्यादा एक्टिव रहने वाले अकाउंट्स को ब्रांड प्रमोशन आदि को अच्छा खासा-पैसा मिलता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर आप अपने कॅरियर की शुरूआत कैसे करें।

टाइम मैनेजमेंट है जरूरी

जब भी आप नौकरी करते हैं, तो इसमें आपके काम करने का रूटीन फिक्स होता है। लेकिन जब बात सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की होती है, तो इसमें आपको अपने काम की सीमा खुद तय करनी होती है। फोन व लैपटॉप के जरिए आपको अपना काम करना होता है। ऐसे में आपको भी अपने काम की सीमा खुद तय करनी होगी। जिससे कि आप सोशल मीडिया के अलावा अन्य कामों को भी पर्याप्त समय दे सकें।

फिक्स्ड इनकम

जब आप कोई नौकरी करते हैं, तो हर महीने के आखिरी में आपके बैंक अकाउंट में एक फिक्स्ड इनकम आ जाती है। लेकिन बतौर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आपको कोई फिक्स्ड सैलरी नहीं मिलती है। आपकी इनकम ब्रांड प्रमोशन आदि पर निर्भर करती है। इसलिए शुरूआत में आपको नौकरी के साथ इस काम को करना चाहिए। ताकि आपका खर्चा आसानी से चलता रहे। वहीं सोशल मीडिया पर हर इंफ्लुएंसर का एक-दूसरे से अलग होना जरूरी है। इसलिए आपको ओरिजिनल आइडिया पर काम करने के साथ एडिटिंग आदि भी सीखनी चाहिए।

सीडीएससीओ द्वारा एकत्र नमूने नकली, अल्केम द्वारा निर्मित नहीं: अल्केम लैबोरेटरीज

पैन डी और क्लैवम 625 जांच में विफल रहे हैं

नई दिल्ली, मुंबई की दवा कंपनी अल्केम लैबोरेटरीज ने उन दावों का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि उसके उत्पाद पैन डी और क्लैवम 625 केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की जांच में विफल रहे हैं। कंपनी ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को नियामकीय फाइलिंग में यह जानकारी दी है। कंपनी ने मूल्यांकन रिपोर्ट के साथ सीडीएससीओ को एक जवाब भी भेजा है, जिसमें पुष्टि की गई है कि सीडीएससीओ द्वारा एकत्र किए गए नमूने नकली हैं और अल्केम द्वारा निर्मित नहीं हैं। कंपनी का खंडन सीडीएससीओ द्वारा इस साल अगस्त में पैन-डी और क्लैवम 625 के एक-एक बैच सहित 50 से अधिक दवाओं को मानक गुणवत्ता (एनएसक्यू) के अनुरूप नहीं पाए जाने के बाद आया है। पैन-डी प्रिस्क्रिप्शन दवा है जो एसिड रिफ्लक्स, अपच और गैस की शिकायत होने पर मरीज को दी जाती है और क्लैवम 625 एक एंटीबायोटिक है, जो फेफड़ों, कान, नेजल साइनस, यूरिनरी ट्रैक्ट, त्वचा और सॉफ्ट टिश्यू के जीवाणु संक्रमण के उपचार के लिए किया जाता है। आंतरिक जांच के आधार पर कंपनी ने कहा कि केंद्रीय औषधि नियामक ने जांचे के लिए जो नमूने लिए थे वे नकली थे और हमारा द्वारा निर्मित नहीं थे। इस खंडन के साथ अहमदाबाद की टॉरंट फार्मा के बाद अल्केम दूसरी ऐसी कंपनी बन गई है जिसने सीडीएससीओ द्वारा परीक्षण किए गए नमूनों को नकली बताते हुए अपनी दवाओं के गुणवत्ता परीक्षण में विफल होने के दावों का खंडन किया। टॉरंट के शेल्कैल 500 टैबलेट का एक बैच भी शीर्ष दवा नियामक की मासिक रिपोर्ट में एनएसक्यू मिला था। यह दवा मरीजों को विटामिन डी और कैल्शियम की कमी दूर करने के लिए दी जाती है। कंपनी ने अपनी नियामकीय फाइलिंग में कहा है कि अल्केम ने सीडीएससीओ द्वारा एकत्र किए गए नमूनों की अल्केम द्वारा निर्मित दोनों उत्पादों के वास्तविक बैचों के साथ तुलना करके गहन जांच की और पाया कि सीडीएससीओ के नमूने नकली थे और अल्केम द्वारा निर्मित नहीं थे।

जीएसटी के दायरे में आएंगे पेट्रोल-डीजल, 20 रुपए होगा सस्ता: पुरी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल को वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने की संभावना पर चर्चा की। पुरी ने कहा कि यह कदम देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए जरूरी है और इसके लिए आम सहमति बनानी होगी। अगर ऐसा होता है तो पेट्रोल और डीजल की कीमत में 20 रुपए लीटर तक की कमी देखने को मिल सकती है। पुरी ने पुणे इंटरनेशनल सेंटर के 14वें स्थापना दिवस पर एक व्याख्यान में कहा कि वह लंबे समय से इस मुद्दे का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी वरिष्ठ सहयोगी, वित्त मंत्री, ने भी इस दिशा में सकारात्मक बातें की हैं। मंत्री ने कहा कि पेट्रोल और डीजल राज्यों के लिए महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत हैं और इसलिए सभी राज्यों की सहमति आवश्यक होगी। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ईंधन की खोज और उत्पादन को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने यह भविष्यवाणी की कि अगले दो दशकों में भारत दुनिया की कुल ऊर्जा खपत में 25 प्रतिशत का योगदान देगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पेट्रोल और डीजल राज्यों के लिए महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी राज्यों की सहमति की आवश्यकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सभी राज्यों का इसमें शामिल होना कठिन है, क्योंकि शराब और ऊर्जा जैसे उत्पादों पर राज्य करों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। पुरी ने केरल हाईकोर्ट के उस सुझाव का भी उल्लेख किया, जिसमें जीएसटी परिषद में इस मुद्दे पर चर्चा करने की बात कही गई थी। लेकिन केरल के वित्त मंत्री ने इससे असहमति जताई, क्योंकि गैर-भाजपा शासित राज्य पेट्रोल और डीजल पर लगने वाला अतिरिक्त वैट छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इस स्थिति में, पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए सहमति स्थापित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा, लेकिन यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

सिस्को ने चेन्नई में अपना पहला मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू किया

इस परियोजना से तमिलनाडु में 1,200 नौकरियां मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में विस्तार करने के लिए सिस्को ने चेन्नई में अपने पहले मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की शुरुआत कर दी है। इससे सिस्को का लक्ष्य सालाना 1.3 अरब डॉलर से ज्यादा का उत्पादन करना है, जिससे निर्यात और घरेलू उत्पादन दोनों बढेगा। इस परियोजना से तमिलनाडु में 1,200 नौकरियों का सृजन होने की उम्मीद है। सिस्को ने इस प्लांट को स्थापित करने के लिए फ्लेक्स के साथ साझेदारी की है। इस यूनिट में शुरू में सिस्को के नेटवर्क कन्वर्जेंस सिस्टम (एनसीएस) 540 सीरीज राउटर्स पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कंपनी ने साइट पर उन्नत राउटिंग और स्विचिंग उत्पादों का उत्पादन करने की योजना बनाई है ताकि बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। सिस्को ने कहा कि यह अत्याधुनिक प्लांट भारत और दुनिया भर में संगठनों की तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी जरूरतों को पूरा करने के लिए सिस्को के बेहतरीन राउटिंग और स्विचिंग उत्पादों की एक सीरीज का उत्पादन करेगी। इस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उदघाटन केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सिस्को के सीईओ चक रॉबिन्स और सिस्को इंडिया की अध्यक्ष डेज़ी चित्तिलापिल्ली द्वारा किया गया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सिस्को ने फ्लेक्स के साथ मिलकर चेन्नई प्लांट का सफलतापूर्वक निर्माण किया है और एडवांस टेलीकॉम तकनीक लाई है जो भारत और वैश्विक स्तर पर नागरिकों को जोड़ने में मदद कर सकती है। यह सिस्को और फ्लेक्स की 25 साल की लंबी साझेदारी में अगला मील का पत्थर है, जो वैश्विक स्तर पर तेजी, लचीलापन और टिकाऊ प्रथाओं के साथ मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने का काम कर रही है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार जल्द होगा 700 अरब डॉलर के पार

– लगातार 6वें सप्ताह फॉरेक्स रिजर्व में करीब 22 अरब डॉलर की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार लगातार इतिहास रचता हुआ दिखाई दे रहा है। सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेशी बाजारों में भी भारत के सेंसेक्स और निफ्टी की चर्चा हो रही है। वहीं भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी लगातार इतिहास रचता हुआ दिखाई दे रहा है। जानकारों की मानें तो आने वाले कुछ हफ्तों देश का फॉरेक्स रिजर्व 700 अरब डॉलर के भी पार सकता है। वैसे फॉरेक्स रिजर्व में लगातार 6वें हफ्ते इजाफा देखने को मिला है। इस दौरान फॉरेक्स रिजर्व में करीब 22 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.84 अरब डॉलर बढ़कर 692.30 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 689.46 अरब डॉलर की नयी ऊंचाई पर जा पहुंचा था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जारी आंकड़ों के अनुसार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 605.69 अरब डॉलर हो गई। दूसरी ओर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 605.69 अरब डॉलर हो गई। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 72.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 63.61 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.54 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 6.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.46 अरब डॉलर रहा।

भारत और भूटान ने बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया

नई दिल्ली ।

भारत और भूटान ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कुछ सीमा पार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए चर्चा की। इनमें अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना का मुद्दा भी शामिल रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल और भूटान के उद्योग, वाणिज्य एवं रोजगार मंत्रालय (एमओआईसीई) के सचिव दाशो ताशी वांगमो के बीच थिम्पू में हाल ही में हुई बैठक में इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने बैठक की सह-अध्यक्षता करते हुए सीमापार और संपर्क के बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया। इसमें जयगांव-फुंटशोलिंग में एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना और कोकराझार-गेलेफू और बानरहाट-समात्से के बीच रेल संपर्क शामिल है। बयान के अनुसार दोनों सचिवों ने भूटान से भारत में कबाड़ के आयात के लिए एलसीएस (भूमि सीमा शुल्क स्टेशन) जयगांव की अधिसूचना, भारत-भूटान सीमा पर सीमा हाट की स्थापना, व्यापारियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और भूटान से भारत में बोल्डर के आयात पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा भूटान से भारत में आयात के लिए लकड़ी की तीन अतिरिक्त किस्मों को शामिल करने पर भी चर्चा हुई। साथ ही मार्च 2024 में हस्ताक्षरित भूटान खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण (बीएफडीए) द्वारा प्रयोग किए जाने वाले आधिकारिक नियंत्रण को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा मान्यता देने के लिए समझौते के शीघ्र परिचालन पर विचार-विमर्श किया गया।

एनएसई, बीएसई ने लेनदेन शुल्क में किया संशोधन

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई ने नकद और वायदा एवं विकल्प सौदों के लिए अपने लेनदेन शुल्क में संशोधन कर दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा शेयर बाजार समेत बाजार अवसंरचना से जुड़े संस्थानों के सभी सदस्यों के लिए एक समान शुल्क संरचना अनिवार्य करने के बाद यह कदम उठाया गया। शेयर बाजारों ने अलग-अलग परिपत्रों में कहा कि संशोधित दरें एक अक्टूबर से लागू होंगी। बीएसई ने इक्विटी वायदा-विकल्प खंड में सेंसेक्स और बैंकेक्स विकल्प अनुबंधों के लिए लेनदेन शुल्क को संशोधित कर 3,250 रुपये प्रति करोड़ प्रीमियम कारोबार कर दिया है। हालांकि इक्विटी वायदा-विकल्प खंड में अन्य अनुबंधों के लिए लेनदेन शुल्क अपरिवर्तित रहेगा। सेबी ने जुलाई में बाजार अवसंरचना संस्थानों (एमआईआई) के शुल्कों के बारे में एक परिपत्र जारी किया था। इसमें कहा गया है कि एमआईआई के पास सभी सदस्यों के लिए एक समान शुल्क संरचना होनी चाहिए, जो मौजूदा कारोबार की मात्रा आधारित प्रणाली की जगह लेगी।

इस साल आईपीओ बाजार रहेगा तेज

दिसंबर तक 1 लाख करोड़ जुटा सकती हैं कंपनियां

मुंबई । इस साल का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में भी शेयर बाजार की तरह तेजी बनी रहने का अनुमान है। बताया जा रहा है कि कंपनियां दिसंबर तक एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा जुटा सकती हैं। इससे पहले 2021 में 63 आईपीओ के जरिए 1.20 लाख करोड़ रुपए जुटाने का रिकॉर्ड बनाया था। इस साल के अंत तक कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं। एक्सचेंजों के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक कुल 62 आईपीओ आए हैं, जिन्होंने 64,513 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसके मुकाबले 2023 में 57 कंपनियों ने 49,437 करोड़ और 2022 में 40 कंपनियों ने 59,939 करोड़ रुपए जुटाए थे। सितंबर में 10 आईपीओ के जरिये 11,826 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं, और दो और कंपनियां 500 करोड़ रुपए जुटाने के लिए बाजार में उतरने वाली हैं। इस साल के अंत तक कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं, जिससे बाजार और गर्म हो सकता है। ह्यूंडई मोटर 25,000 करोड़ रुपए के सबसे बड़े इश्यू के साथ अक्टूबर के अंत या नवंबर के पहले सप्ताह में आ सकती है। स्विगी 11,000 करोड़ रुपए के आईपीओ के साथ नवंबर में बाजार में उतरने की तैयारी में है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी 10,000 करोड़ रुपए और अफकॉन्स इन्फ्रा 8,400 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही हैं। ये चार कंपनियां मिलकर 54,000 करोड़ रुपए जुटा सकती हैं। इसके अलावा वॉरी एनर्जी 3,000 करोड़ और वन मोबिक्विक 700 करोड़ रुपए जुटाने के लिए अक्टूबर में बाजार में आएंगे।

अक्टूबर में आम आदमी से जुड़ी चीजों के नियमों में होगा बदलाव

- एलपीजी की कीमत से लेकर पीपीएफ खाते तक के नियम बदलेंगे

नई दिल्ली । अगले महीने 1 अक्टूबर से आम आदमी से जुड़ी कई चीजों में बदलाव होने जा रहा है। इसमें एलपीजी की कीमतों से लेकर और पीपीएफ खाते तक के नियम शामिल हैं। दरअसल, हर महीने की पहली तारीख को कई बदलाव होते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी कंपनियां भी अपने नियमों में बदलाव करती हैं। आम आदमी को इन नियमों में बारे में पता होता जरूरी है। इन बदलावों का आम आदमी के जेब पर सीधा असर आम पड़ता है। आमतौर पर हर महीने की एक तारीख को सरकार एलपीजी के दाम में बदलाव करती है। कमर्शियल गैस सिलेंडर से लेकर रसोई गैस के दाम में बदलाव देखा जाता है। ऐसे में इस बार भी एलपीजी सिलेंडर के दाम में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। पिछले महीने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़े थे, जबकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव के साथ ही तेल मार्केटिंग कंपनियां एयर टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और सीएनजी-पीएनजी की कीमतों में भी बदलाव करती हैं। ऐसे में इस बार भी बदलाव देखने को मिल सकता है। अगर एनआरआई खाताधारक अपने पीपीएफ खाते को नियमों के अनुसार अपडेट नहीं करते, तो उन्हें किसी प्रकार का ब्याज नहीं मिलेगा। नए दिशानिर्देशों के अनुसार नाबालिगों के नाम पर खोले गए पीपीएफ खातों में तब तक पीओएसए की ब्याज दर लागू रहेगी जब तक बच्चा 18 साल का नहीं हो जाता है। इसके अलावा अगर किसी के पास एक से अधिक पीपीएफ खाते हैं, तो केवल प्रमुख खाते पर ही योजना की ब्याज दर लागू होगी।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताह भर जोरदार तेजी रही

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार आठवें दिन भी तेजी के साथ कारोबार देखा गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार की बेहतर स्थिति और घरेलू स्तर पर निवेश बढ़ने से शेयर बाजार नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने में सफल हो रहे हैं। वहीं रिटेल निवेशकों की बढ़ती हिस्सेदारी से भी शेयर बाजार में तेजी दिखाई दे रही है। शेयर बाजार के सप्ताह भर के कारोबार को देखें तो भारतीय बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सोमवार को हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान भारती एयरटेल, एमएंडएम और एचडीएफसी बैंक में छलांग के कारण घरेलू इंडेक्स नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुले। बीएसई सेंसेक्स 287 अंक बढ़कर 84,831 पर खुला और 384.30 अंक उछलकर 84,928.61 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी50 100 अंक बढ़कर 25,891 पर खुला और 148.10 अंकों की बढ़त के साथ 25,939.05 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शुरुआती कमजोरी के बाद शेयर बाजार में हरियाली लौट आई है। मंगलवार को सेंसेक्स 66.71 अंकों की बढ़त के साथ 85,004.62 पर खुला और 14.57 अंक फिसलकर 84,914.04 पर बंद हुआ। निफ्टी 18.80 (0.07त) अंक मजबूत होकर 25,957.85 के स्तर पर खुला और 1.36 अंक की बढ़त के साथ 25,940.40 पर बंद हुआ। भारतीय ब्लू-चिप सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चार सत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने के बाद बुधवार को थोड़ा कमजोर दिखे। बीएसई सेंसेक्स 64 अंक की गिरावट के साथ 84,850 पर के स्तर पर खुला और 255.83 अंकों की बढ़त के साथ 85,169.87 पर बंद हुआ। निफ्टी50 30 अंक गिरकर 25,910 के स्तर पर खुला और 63.75 अंक चढ़कर 26,004.15 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 146.65 अंकों की बढ़त के साथ 85,316.52 पर खुला और 86,000 बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी 30.70 अंक मजबूत 26,034.85 पर खुला और 26,200 के पार बंद हुआ। घरेलू बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी50 शुक्रवार को लगातार सातवें सत्र में नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे। सेंसेक्स 34 अंक बढ़कर 85,870 पर खुला और 264.27 अंकों की गिरावट के साथ 85,571.85 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 11 अंक बढ़कर 26,227 पर खुला और 37.10 अंक टूटकर 26,178.95 के स्तर पर बंद हुआ।

स्टर्लिंग विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के प्रवर्तकों ने हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के प्रवर्तकों शापूरजी पालोनजी और खुर्शीद यजदी दारूवाला ने खुले बाजार में लेनदेन के जरिए कंपनी में 7.14 फीसदी हिस्सेदारी 1,040 करोड़ रुपये में बेच दी। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ने स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी (एसडब्ल्यूसोलर) में 1.35 करोड़ शेयर बेचे, जो 5.78 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। इसके अलावा खुर्शीद यजदी दारूवाला ने सौर ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) समाधान प्रदाता कंपनी में 31.50 लाख शेयर बेचे। शेयरों का निपटान 623.28-630.01 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में किया गया, जिससे संयुक्त सौदे का मूल्य 1,039.88 करोड़ रुपये हो गया। सौदे के बाद एसडब्ल्यूसोलर में शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी की हिस्सेदारी 12.73 प्रतिशत से घटकर 6.95 प्रतिशत हो गई है, जबकि दारूवाला की हिस्सेदारी 1.48 प्रतिशत से घटकर 0.13 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा प्रवर्तक और प्रवर्तक समूह की संयुक्त शेयरधारिता 52.91 प्रतिशत से घटकर 45.77 प्रतिशत रह गई है।

स्कोप को पांच करोड़ डॉलर वीसीएफ पेश करने सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली । स्टार्ट-अप नेटवर्किंग मंच स्कोप को पांच करोड़ डॉलर का उद्यम पूंजी कोष (वीसीएफ) पेश करने के लिए बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने बताया कि इस कोष से भारत और अमेरिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए वित्तीय प्रौद्योगिकी और गेमिंग क्षेत्र में उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप में निवेश किया जाएगा। स्कोप का उद्यम पूंजी कोष कारोबार शुरुआती चरण में प्रत्येक स्टार्टअप को पांच लाख डॉलर से लेकर 20 लाख डॉलर तक के निवेश की पेशकश करेगा। कंपनी ने बयान में कहा कि स्कोप ने अपनी निवेश बैंकिंग इकाई स्कोप वीसी के तहत अपने नए पांच करोड़ डॉलर के उद्यम पूंजी कोष की पेशकश के साथ उद्यमशीलता परिवेश में एक और बड़ा कदम उठाया है। यह कोष विशेष रूप से भारत और अमेरिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए वित्तीय प्रौद्योगिकी और गेमिंग क्षेत्र में निवेश करने के लिए है।

आईडीएफसी लिमिटेड के साथ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का विलय सफलतापूर्वक पूरा हुआ

मुंबई: आईडीएफसी फर्स्ट बैंक द्वारा आज बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान, बैंक ने घोषणा की कि उसने आईडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय पूरा कर लिया है। यह घोषणा शेयरधारकों और नियामकों से सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद की गई, और 1 अक्टूबर, 2024 से प्रभावी होगी।

विलय के परिणामस्वरूप, आईडीएफसी लिमिटेड के प्रत्येक 100 इक्विटी शेयर्स के लिए बैंक के 155 इक्विटी शेयर्स आवंटित किए जाएँगे। यह आवंटन उन शेयरधारकों पर लागू होता है, जिनके पास रिकॉर्ड तिथि, 10 अक्टूबर, 2024 तक आईडीएफसी लिमिटेड के शेयर्स हैं। उम्मीद है कि नियामक प्रक्रियाओं और मंजूरी के अधीन, शेयर्स 31 अक्टूबर, 2024 को या उससे पहले आईडीएफसी लिमिटेड के शेयरधारकों को जमा कर दिए जाएँगे।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के विलय के निम्नलिखित लाभ हैं:

सरल कॉर्पोरेट संरचना: विलय के बाद, बैंक के पास बिना किसी होल्डिंग कंपनी के एक सरल कॉर्पोरेट संरचना होगी।

सरल शेयरहोल्डिंग संरचना: शेयरहोल्डिंग संरचना भारत के अन्य शीर्ष निजी बैंकों के समान होगी, जिसमें कोई प्रवर्तक हिस्सेदारी नहीं होगी। बैंक पेशेवर रूप से प्रबंधित संस्थान बना रहेगा।

नकद और नकद समकक्ष: विलय के तहत, लगभग 600 करोड़ रुपए नकद और नकद समकक्ष बैंक को हस्तांतरित किए जाएँगे।

बकाया चुकता शेयर्स में कमी: आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में रखे गए आईडीएफसी लिमिटेड के 2,64,64,38,348 इक्विटी शेयर्स रद्द कर दिए जाएँगे। बदले में, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक सहमत स्वैप रेश्यो के अनुसार आईडीएफसी लिमिटेड के शेयरधारकों को 2,47,99,75,876 नए इक्विटी शेयर्स जारी करेगा। इस प्रकार, बैंक की चुकता शेयर पूँजी में 16,64,62,472 इक्विटी शेयर्स की कमी होगी। इसके परिणामस्वरूप, लेनदेन के बाद बैंक की चुकता पूँजी 7,48,27,31,991 शेयर्स से घटकर 7,31,62,69,519 इक्विटी शेयर्स हो जाएगी।.

लाभांश का भुगतान करने के लिए पात्र: बैंक को अपने शुरूआती वर्षों में कुछ मुख्य कारणों के चलते नुकसान का सामना करना पड़ा था, जिनमें इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेट लोन और गुडविल राइट-ऑफ जैसे मुद्दे शामिल थे। इससे शेयरधारकों को लाभांश देने की बैंक की क्षमता सीमित हो रही थी। विलय योजना के तहत, संचित घाटे को बैंक के प्रतिभूति प्रीमियम खाते से समायोजित किया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, अब बैंक भविष्य में लाभांश देने पर विचार कर सकेगा।

क्लेम सेटलमेंट रेश्यो के साथ आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ सबसे आगे

जमशेदपुर: आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए 99.35% का क्लेम सेटलमेंट रेश्यो हासिल किया है, जो देश की सभी लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में सबसे अधिक है। ध्यान देने योग्य बात है कि कंपनी के पास क्लेम सेटल करने लिए केवल 1.2 दिन का औसत समय था। साथ ही, इस अवधि के दौरान डेथ क्लेम्स के लिए कंपनी कुल 381.24 करोड़ रुपए का भुगतान करने में सफल रही। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में कस्टमर सर्विस के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर श्री अमीश बैंकर, ने कहा, रकमाने वाले सदस्य की मृत्यु की स्थिति में, लाइफ इंश्योरेंस परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। इसलिए हम हर क्लेम को सावधानी और तेजी से संभालते हैं। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में, हमारा व्यक्तिगत डेथ क्लेम सेटलमेंट रेश्यो 99.35% था, और बिना जाँच वाले डेथ क्लेम्स को सेटल करने में हमें केवल 1.2 दिन का औसत समय लगा। हमारा मानना है कि हमारा क्लेम सेटलमेंट रेश्यो इंडस्ट्री में सबसे अच्छा है। इस अवधि के दौरान, हमने 381.24 करोड़ रुपए के क्लेम्स सेटल किए।

हरियाणा : सत्ता विरोधी लहर के साथ भीतरी कलह से भी जूझती भाजपा

तनवीर जाफरी

माना जा रहा है कि अनिल विज, मोदी शाह की नजरों में तभी खटकने लगे थे जब दो वर्ष पूर्व फरीदाबाद के सूरजकुंड में विभिन्न राज्यों के गृह मंत्रियों के 2 दिवसीय चिंतन शिविर में जब हरियाणा के गृह मंत्री के रुप में अपनी उपलब्धियों का बयान कर रहे थे।

पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिये विभिन्न राजनैतिक दलों का प्रचार अभियान अपने चरम पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के अतिरिक्त भाजपा के और भी कई स्टार प्रचारक जहाँ अपनी पूरी ताकत झोंके हुये हैं वहीँ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व पार्टी के अन्य कई केंद्रीय नेता भी कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभायें व रैलियां कर रहे हैं। दस वर्षों बाद सत्ता में वापसी की पूरी आस लगाये बैठी कांग्रेस को पिछले दिनों पार्टी की भीतरी कलह के बीच उस समय एक संजीवनी मिली जबकि राहुल गाँधी हरियाणा के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और वीरेंद्र सिंह को एक साथ एक मंच पर लाने व पार्टी में एकजुटता का सन्देश देने में सफल रहे। ऐसे में कांग्रेस को जहाँ भाजपा के दस वर्षों के शासनकाल में उपजी सत्ता विरोधी लहर का फायदा मिलने की संभावना है वहीँ उम्मीद है कि पार्टी में गुटबाजी के बावजूद नेताओं की एकजुटता का सन्देश भी कार्यकताओं को उत्साहित करेगा। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी की ओर से पिछले दिनों चुनाव प्रचार के दौरान ही कई ऐसे संकेत मिले जो पार्टी नेताओं के मतभेदों को स्पष्ट रूप से उजागर करने वाले हैं। उदाहरण के तौर पर गत 14 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र की एक जनसभा में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जमकर तारीफ की। मोदी ने कहा कि 'हमारे मुख्यमंत्री 24 घंटे हरियाणा के विकास के लिए समर्पित हैं। हरियाणा का जो भी व्यक्ति मिलेगा वह कहता है कि हमारे मुख्यमंत्री विनम्रता के संबंध में हमारे हरियाणा का गौरव बढ़ाते हैं। उनका व्यक्तित्व सहज है व उनमें बहुत सहजता है। भाजपा के कार्यकर्ता के नाते मुझे हरियाणा में बहुत वर्षों तक काम करने का अवसर मिला है। जब मुख्यमंत्री की तारीफ करता हूं तो मन गर्व से भर जाता है। इनका विजन और इनकी लग्न बड़े बड़ों से भी बेहतर है।' इसी रैली के अगले ही दिन अम्बाला छावनी से छः बार विधायक रहे राज्य के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुये कहा है कि, 'आज तक मैंने अपनी पार्टी से कुछ नहीं मांगा। मैं छह बार का विधायक हूं। और अपनी वरिष्ठता की वजह से मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पेश करता हूं। उन्होंने कहा कि फैसला आलाकमान को करना है। उन्होंने कहा कि यदि

मुझे इस बार मुख्यमंत्री बना दिया तो मैं हरियाणा की तकदीर बदल दूंगा, तस्वीर बदल दूंगा। "विज का यह भी दावा है कि उन्होंने अपने छः बार के विधायकी के कार्यकाल में अंबाला छावनी के विकास के लिये जितने काम किये हैं उतने देश के किसी भी विधान सभा क्षेत्र में नहीं किये गये। दरअसल पार्टी का सबसे वरिष्ठ विधायक होने के नाते 2014 में ही राज्य के लोग अनिल विज को मुख्यमंत्री पद के सबसे मजबूत दावेदार के रूप में देख रहे थे। परन्तु उन्हें नजरअंदाज कर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आर एस एस के मित्र व सहयोगी मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बना दिया। जबकि उस समय तक प्रदेश में खट्टर को कोई जानता भी नहीं था। इसके बाद 2019 में भी पार्टी ने मुख्यमंत्री पद हेतु पुनः खट्टर को ही चुना। वर्तमान चुनाव में खट्टर को मोदी-शाह का करीबी होने के नाते केंद्रीय मंत्री तो जरूर बना दिया गया है परन्तु हरियाणा में जिसतरह खट्टर का विरोध हो रहा है उसकी वजह से प्रधानमंत्री की चुनाव सभा सहित कई प्रमुख जनसभाओं से उन्हें दूर भी रखा जा रहा है। क्योंकि किसान आंदोलन के समय खटटर ने मुख्यमंत्री रहते किसानों के विरुद्ध कई ऐसे हिंसा भड़काने वाले बयान दिये थे जोकि किसी मुख्यमंत्री पर शोभा नहीं देते।

बहरहाल, बाद में 2024 के लोकसभा चुनावों से ठीक पहले मुख्यमंत्री पद से खट्टर का इस्तीफा लेकर उनके लोकसभा चुनाव लड़ने का रास्ता प्रशस्त किया गया। और इसबार भी अनिल विज को मुख्यमंत्री बनाने के बजाये खट्टर के ही करीबी नायब सिंह सैनी को हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा दी गयी। उस समय भी अनिल विज की नाराजगी सामने आई थी। और मुख्यमंत्री सैनी स्वयं उनकी नाराजगी दूर करने अनिल विज के निवास अंबाला छावनी आये थे। परन्तु वर्तमान चुनाव प्रचार के बीच एक ओर अनिल विज का मुख्यमंत्री पद के लिये दावेदारी ठोकना और साथ ही उसके जवाब में मोदी व अमित शाह जैसे भाजपा के वरिष्ठतम नेताओं द्वारा तीसरी बार सरकार बनने की स्थिति में नायब सिंह सैनी को ही बार बार हरियाणा के मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताना इस बात का सुबूत है कि पार्टी के भीतर सब ठीक ठाक नहीं है।

पार्टी के इन्हीं मतभेदों को उस समय और बल मिला जबकि अम्बाला जिले के अंतर्गत मुलाना विधानसभा क्षेत्र के बराड़ा कस्बे में गत 27 सितम्बर को गृह मंत्री अमित शाह की एक रैली हुई। इस रैली में मुलाना की भाजपा प्रत्याशी संतोष सारवान, अंबाला शहर के असीम गोयल तथा नारायणगढ़ के पवन सैनी तो मंच पर मौजूद रहे। उपस्थित लोगों से इन तीनों प्रत्याशियों का परिचय कराकर अमित शाह ने इनके लिये वोट भी मांगे। परन्तु अंबाला छावनी के प्रत्याशी अनिल विज यहाँ भी नदारद रहे। अम्बाला छावनी के करीब ही अमित शाह की सभा में अनिल विज की गैर हाजिरी कोई मामूली बात नहीं।

माना जा रहा है कि अनिल विज, मोदी शाह की नजरों में तभी खटकने लगे थे जब दो वर्ष पूर्व फरीदाबाद के सूरजकुंड में विभिन्न राज्यों के गृह मंत्रियों के 2 दिवसीय चिंतन शिविर में जब हरियाणा के गृह मंत्री के रुप में अपनी उपलब्धियों का बयान कर रहे थे। अभी विज ने अपनी बात पूरी भी नहीं की थी तभी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जोकि इस बैठक की अध्यक्षता भी कर रहे थे, ने विज को अपनी बात समाप्त करने के लिये कई बार बीच में ही टोका। परन्तु विज उनके बार बार टोकने के बावजूद अपनी बात पूरी करके ही रुके। हालांकि बाद में इस सम्बन्ध में जब अनिल विज से पूछा गया तो उनका कहना था कि -' किसी भी कार्यक्रम अध्यक्ष के लिए वक्ताओं को टोकना सही है, 'वह मेरे नेता हैं और उन्हीं से सीखकर बड़ा हुआ हूँ।' वैसे भी जो लोग अनिल विज को करीब से जानते हैं उन्हें मालूम है कि अनिल विज हरियाणा में मंगल सेन के बाद राज्य में भाजपा को मजबूत करने वाले सबसे बड़े नेता हैं। इसके अतिरिक्त अनिल विज अपना समय हाई कमान या दूसरे वरिष्ठ पार्टी नेताओं को खुश करने में व्यर्थ गंवाने के बजाये आम जनता से मिलने व उनकी समस्याओं को सुनने व सुलझाने में व्यतीत करना ज्यादा पसंद करते हैं। यही वजह है कि भाजपा छोड़ने के बाद स्वतंत्र प्रत्याशी के रूप में लड़ने पर भी उन्होंने चुनाव में इसी अंबाला छावनी से जीत हासिल की है। जबकि मोदी-शाह की ओर से सत्ता मिलने पर तीसरी कार्यकाल में पुनः जिन नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाने की बात की जा रही है उन्हें इस बार अपनी नारायणगढ़ विधानसभा सीट असुरक्षित महसूस हुई तभी उन्हें लाडवा चुनाव क्षेत्र का रुख करना पड़ा। इसलिये कहना गलत नहीं होगा कि भाजपा राज्य में सत्ता विरोधी लहर के साथ साथ भीतरी कलह से भी जूझ रही है।

संपादकीय

सकारात्मक पहल

भारत ने पाकिस्तान को सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए औपचारिक नोटिस अनुच्छेद 12(3) के तहत भेजा है। भारत और पाकिस्तान ने नौ वर्षों की बातचीत के बाद सितम्बर, 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें विश्व बैंक भी हस्ताक्षरकर्ता था। इस अधिसूचना में परिस्थितियों में आए मौलिक व अप्रत्याशित बदलावों को चिन्हित किया गया है जिसके लिए संधि के विभिन्न अनुच्छेदों के तहत दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन जरूरी है। जनसंख्या में परिवर्तन, पर्यावरणीय मुद्दों के साथ भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा के विकास में तेजी लाने की जरूरत पर बल दिया गया है। यह संधि सीमा पार नदियों के जल के उपयोग पर दोनों पक्षों के दरम्यान सहयोग व सूचना के आदान-प्रदान के लिए तंत्र स्थापित करती है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार फाजिल्का नाले के मुद्दे पर स्थायी सिंधु आयोग की 117वीं बैठक के दौरान 2021 में इस्लामाबाद में चर्चा की गई थी। देश की तीन पूर्वी नदियों रावी, सतलुज और ब्यास के पानी की संयुक्त मात्रा करीब तैंतीस मिलियन एकड़. फीट विशेष उपयोग की सहमति थी। सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास व सतलुज नदियां सिंधु प्रणाली की हिस्सा हैं जिनका मुख्य हिस्सा भारत व पाकिस्तान द्वारा साझा किया जाता है परंतु छोटा सा हिस्सा चीन व अफगानिस्तान को भी जाता है। हालांकि भारत-पाकिस्तान के दरम्यान सिंधु व उसकी सहयोगी नदियों पर पनबिजली परियोजनाओं को लेकर हमेशा विवाद रहा है। पाकिस्तान का कहना है कि उसकी 80प्र. खेती की सिंचाई इसी नदी पर निर्भर है। दोनों देशों के विशेषज्ञों ने 1978 में सलाल बांध विवाद को बातचीत से सुलझाया गया था परंतु इसके साथ ही बगलिहार बांध का विवाद शुरू हो गया। तमाम प्रयासों के बावजूद जल बंटवारे को लेकर ऐसी सहमति कभी नहीं बन पाई जिसने विवादों को सिरे से खत्म किया हो। चूंकि हमें सिंधु का बीस फीसद पानी मिलता है जिसका उपयोग घरेलू, गैर-उपभोग्य आवश्यकताओं के लिए बेहतर तौर पर किया जा सकता है। उम्मीद है कि इस दफा बगैर अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के जल संधि में व्यापक पारदर्शिता और आपसी सहमति द्वारा पड़ोसी मुल्क से रिश्तों को सुधारते हुए इस जल बंटवारे का बेहतर प्रयोग किया जा सके।

चिंतन-मनन

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्त्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता। भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

सिंधु जल संधिः भारत-पाक में बढ़ता तनाव

प्रमोद भार्गव

सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के अंतर्गत भारत ने इसी साल 30 अगस्त को औपचारिक तौर से नोटिस दिया था कि वह इस पुरानी हो चुकी संधि पर नये सिरे से समीक्षा और संशोधन के लिए बातचीत करे, लेकिन पाकिस्तान का कहना है कि उसके लिए जल संधि अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, अतएव भारत से अपेक्षा है कि वह संधि के प्रावधानों का पालन करे। पाकिस्तान का यह रुख उल्टा चोर कोतवाल को डांटे जैसा है। पाकिस्तान भारत की दो महत्त्वाकांक्षी पनबिजली परियोजनाओं पर भी आपत्ति जता रहा है। भारत इस विषय पर भी पाकिस्तान को 25 जनवरी, 2023 को नोटिस दे चुका है। भारत का आरोप है कि पाक इससे जुड़े मुद्दे को परस्पर बातचीत या पूर्व गठित व्यवस्था के तहत सुलझाने को लेकर गंभीर नहीं है। भारत की कोशिश रही है कि उसके उठाए मुद्दों को उदारतापूर्वक सुलझा लिया जाए। इस दौरान पांच बैठकें भी हुई लेकिन बेनतीजा रहीं।

विश्व बैंक की मध्यस्थता में 19 सितम्बर, 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने सिंधु जल-संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत पाकिस्तान से पूर्वी क्षेत्र की तीन नदियों व्यास, रावी व सतलुज की जल राशि पर नियंत्रण भारत के सुपुर्द किया गया था और पश्चिमी नदियों सिंधु, चिनाब व झेलम पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पाक को सौंपी गई थी। भारत के ऊपरी हिस्से में बहने वाली इन छह नदियों का 80.52 यानी 167.2 अरब घन मीटर पानी पाकिस्तान को हर साल दिया जाता है जबकि भारत के हिस्से में महज 19.48 प्रतिशत पानी ही शेष रह जाता है। नदियों की ऊपरी धारा (भारत में बहने वाला पानी) के जल-बंटवारे में उदारता की ऐसी अनूठी मिसाल दुनिया के किसी भी अन्य जल-समझौते में देखने में नहीं आई है।

इसलिए अमेरिकी सीनेट की विदेशी मामलों से संबंधित समिति ने 2011 में दावा किया था कि यह संधि दुनिया की सफलतम संधियों में से एक है। लेकिन यह संधि केवल इसलिए सफल है, क्योंकि भारत संधियों की शर्तों को निभाने के प्रति उदार एवं प्रतिबद्ध बना हुआ है जबकि जम्मू-कश्मीर को हर साल इस संधि के पालन में 60 हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। भारत की भूमि पर इन नदियों का अकूत जल भंडार होने के बावजूद संधि के चलते इस राज्य को बिजली नहीं मिल पा रही।

दरअसल, सिंधु-संधि के तहत उत्तर से दक्षिण को बांटने वाली एक रेखा सुनिश्चित की गई है। इसके तहत सिंधु क्षेत्र में आने वाली तीन नदियां सिंधु, चिनाब और झेलम पूरी तरह पाकिस्तान को उपहार में दे दी गई हैं। इसके उलट भारतीय संप्रभुता वाले क्षेत्र में आने वाली व्यास, रावी व सतलुज नदियों के बचे हिस्से में ही जल सीमित रह गया है। इस लिहाज से यह संधि दुनिया की ऐसी इकलौती अंतदेर्शीय जल संधि है, जिसमें सीमित संप्रभुता का सिद्धांत लागू होता है और संधि की असमान शर्तों के चलते ऊपरी जलधारा वाला देश नीचे की ओर प्रवाहित होने वाली जलधारा वाले देश पाकिस्तान के लिए अपने हितों की न केवल अनदेखी करता है, अपितु बलिदान कर देता है।

दरअसल, पाकिस्तान की प्रकृति में ही अहसानफरामोशी है। इसीलिए भारत ने जब झेलम की सहायक नदी किशनगंगा पर बनने वाली 'किशनगंगा जल विद्युत परियोजना' की बुनियाद रखी तो पाकिस्तान ने बुनियाद रखते ही नीदरलैंड़ में स्थित 'अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय' में 2010 में ही आपात्ति दर्ज करा दी थी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में किशनगंगा नदी पर 300 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना प्रस्तावित है। हालांकि 20 दिसम्बर, 2013 को इसका फैसला भी हो गया था। दुर्भाग्य कह लें या भारत द्वारा ठीक से अपने पक्ष की पैरवी नहीं करने के कारण यह निर्णय भारत के व्यापक हित साधे रखने में असफल रहा है। न्यायालय ने भारत को परियोजना निर्माण की अनुमति तो दे दी लेकिन भारत को बाध्य किया गया कि वह 'रन ऑफ दि रिवर' प्रणाली के तहत नदियों का प्रवाह निरंतर जारी रखे। हैरानी की बात यह भी है कि यहां सत्तारूढ़ रहने वाली सरकारों और अलगाववादी जमातों ने इस बुनियादी मुद्दे को उछाल कर पाकिस्तान को कठघरे में कभी खड़ा नहीं किया? इसलिए आतंक का माकूल जवाब देने के लिए भारत सरकार को सिंधु जल को कूटनीतिक अस्त्र के रूप में इस्तेमाल करने की जरूरत है। पाकिस्तान की प्रकृति में ही अहसानफरामोशी है। हैरानी की बात यह भी है कि यहां सत्तारूढ़ रहने वाली सरकारों और अलगाववादी जमातों ने इस बुनियादी मुद्दे को उछाल कर पाकिस्तान को कठघरे में कभी खड़ा नहीं किया? इसलिए आतंक का माकूल जवाब देने के लिए भारत सरकार को सिंधु जल को कूटनीतिक अस्त्र के रूप में इस्तेमाल करने की जरूरत है।

बांग्लादेश में दुगार्पूजा पर संकट के बादल

बांग्लादेश में मजहबी कट्टरपंथी ताकतों का अराजकता भरा उन्माद सिर चढ़कर बोल रहा है इसी के चलते हजारों साल से चली आ रही दुर्गा पूजा भी उनकी आंखों में चुभ रही है। इस बार बांग्लादेश में शारदीय नवरात्रि पर होने वाली दुर्गा पूजा कट्टरपंथी लोगों के निशाने पर है। बांग्लादेश से प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासन के बाद वहां हिन्दू विरोधी कट्टरपंथी ताकतों द्वारा कदम कदम पर हिन्दुओं का सामाजिक, धार्मिक, सामुदायिक दमन किया जा रहा है।

बांग्लादेश में एक बार फिर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। राज्य में इस्लामी कट्टरपंथी समूहों ने हिंदूओ के कई मंदिरों और समितियों को धमकी भरे पत्र भेजे हैं। जिनमें 5 लाख बांग्लादेशी टका की मांग की गई है। इस पत्र में कहा गया है कि अगर ये रकम नहीं भेजी गई तो उन्हें पूजा नहीं करने दी जाएगी। हिंदू समुदाय के सदस्यों का कहना है कि दुर्गा जी की प्रतिमा को तोड़ने और जबरन वसूली के लिए उन्हें कई ऐसी ही धमकियां मिली है। इन धमकियों के चलते बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के आयोजन पर संकट के बादल छा गए हैं। बांग्लादेश में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है हालांकि अतीत में मुगल काल तक में भी मौजूदा बांग्लादेश में दुर्गा पूजा की जाती रही थी।

दुर्गा पूजा का उत्साह केवल भारत में ही नहीं, बल्कि सारे विश्व में दिखाई देता है। हमारे पड़ोसी बांग्लादेश में भी माँ दुर्गा की पूजा बड़े आयोजन के रूप में होती है। सिर्फ हिंदू समुदाय के लोग ही यह त्यौहार नहीं मनाते, बल्कि लिबरल मुसलमान भी इसमें बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। वहां यह अब एक सार्वभौमिक त्यौहार है। यह जानना कम सुखद नहीं है कि 2022 में बांग्लादेश में 32, 168 दुर्गा पंडाल लगाए गए थे। अकेले ढाका में पूजा पंडालों की संख्या 241 थी।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित ढाकेश्वरी मंदिर इस बात का प्रमाण है कि इस क्षेत्र में माँ दुर्गा की उपासना सदियों से होती चली आ रही है। माना जाता है कि ढाकेश्वरी मंदिर की स्थापना 12वीं शताब्दी में बल्लाल सेन नाम के एक हिंदू राजा ने की थी। बल्लाल सेन को माँ दुर्गा ने सपने में आकर कहा था कि उनकी प्रतिमा पास के जंगल के एक विशेष स्थान पर दबी हुई है, वह उस प्रतिमा को वहां से लेकर मंदिर में स्थापित करें।

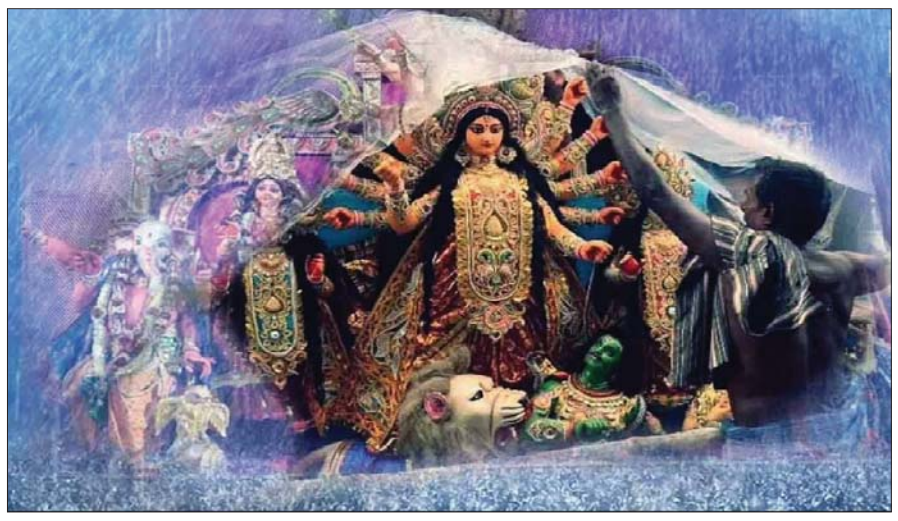

ढाकेश्वरी माँ के नाम पर ही बांग्लादेश की राजधानी का नाम ढाका पड़ा, ऐसी मान्यता है। तभी से ढाका में माँ दुर्गा की यह पारंपरिक पूजा होती आ रही है। बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मंदिर के अलावा सिद्धेश्वरी मंदिर, रमना काली मंदिर और रामकृष्ण मिशन मंदिर भी दुर्गा और काली पूजा के लिए विश्वविख्यात है। सिलहट जिले के पंचगांव की दुगार्पूजा लगभग 300 साल पुरानी है। यह पूरे उपमहाद्वीप में एकमात्र लाल रंग की दुर्गा है। सच कहे तो आज जिस रूप में हम दुर्गा पूजा का आयोजन करते हैं, उसकी शुरूआत बंगाल से हुई। आज भी धूमधाम और भव्यता में बंगाल की दुगार्पूजा का कोई मुकाबला नहीं है। भारत विभाजन से पहले बांग्लादेश बंगाल का ही हिस्सा था, दोनों की संस्कृति भी एक ही थी। पहले बंगाल का एक भाग पूर्वी पकिस्तान के रूप में पाकिस्तान का हिस्सा बना और फिर 1971 में स्वतंत्र देश बन गया।

इधर के कुछ वर्षों में बांग्लादेश में भी इस्लामिक कट्टरपंथी सर उठाने लगे हैं। दुर्गा पूजा के पिछले कुछ आयोजनों में विघ्न डालने के प्रयास किए गए। पिछले साल तो किसी कट्टरपंथी ने पंडाल में कुरान की प्रति रख दी और अफवाहें फैला दीं। कई जगह पंडाल में तोड़ फोड़ भी की गई। अब प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासन के बाद कट्टरपंथी ताकतों ने बड़े पैमाने पर हिन्दुओं के साथ हिंसा और आगजनी, महिलाओं खासकर नाबालिग लड़कियों के साथ दरिंदगी, पूजा स्थलों पर तोडफोड़ और मूर्ति भंजन की वारदातों को अंजाम दिया है। हाल ही में कट्टरपंथी तत्वों ने एक पत्र भेज कर खुली अवैध वसूली और धमकी देने का एलान किया है। इन तत्वों ने चेतावनी दी है कि 'अगर आप दुर्गा पूजा मनाना चाहते हैं, तो हर मंदिर समिति को 5 लाख टका दान देना होगा। अगर आप इसका पालन नहीं करते हैं, तो आप उत्सव नहीं मना पाएंगे। हम जो जगह बताएंगे, वहां एक हफ़्ते के अंदर पैसे जमा कर दें। याद रखें, अगर आपने प्रशासन या प्रेस को बताया, तो हम आपके टुकड़े-टुकड़े कर देंगे।'

चेतावनी पत्र में आगे लिखा है कि'हम अल्लाह की कसम खाते हैं, अगर हमें पैसे नहीं मिले, तो हम तुम्हें टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। हमारी नजर तुम पर है।'

दुर्गा पूजा से पहले तनाव के चलते बांग्लादेशी अधिकारियों ने देश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए उपायों को बढ़ाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा है कि दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास सतर्कता बढ़ाई जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक मोइनुल इस्लाम ने कहा कि दुर्गा पूजा समारोहों के लिए तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था अपनाई जा रही है। यह मूर्ति विसर्जन तक लागू रहेगी।

अगर दुर्गा पूजा समितियों को कोई धमकी देता हैं तो वे आपातकालीन नंबर 999 पर संपर्क कर सकते हैं। दुर्गा पूजा के लिए सादे कपड़ों में सुरक्षाकर्मी, संकट प्रतिक्रिया दल और स्वाट को स्टैंडबाय पर रखा जाएगा। वहीं, डाकोप पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर-इन-चार्ज सिराजुल इस्लाम ने कहा, 'शुक्रवार को चार मंदिरों ने जीडी दर्ज कराई है। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं और नियमित रूप से सेना दल के साथ गश्त कर रहे हैं।

बांग्लादेश की सरकार ने बाकायदा फरमान जारी कर हिंदुओं को आदेश दिया है कि दुर्गा पूजा पंडालों में बजने वाले म्यूजिक सिस्टम मस्जिदों में होने वाली अजान और नमाज के वक्त बंद कर दिए जाएं। बांग्लादेश की सरकार के इस तालिबानी फरमान का अब चौतरफा विरोध शुरू हो गया है।

बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक बांग्लादेश में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने यह आदेश जारी किया है। इस फरमान में जहांगीर आलम ने कहा है कि दुर्गा पूजा पंडालों के दौरान मस्जिद में अजान से 5 मिनट पहले म्यूजिक सिस्टम को बंद करना अनिवार्य होगा। इसके बाद जब तक मस्जिदों में नमाज चलेगी, तब तक पंडालों में बजने वाले सभी म्यूजिक सिस्टम और लाउडस्पीकर बंद रहने चाहिए। बांग्लादेश की यूनुस सरकार के इस तालिबानी फरमान का भारत में विरोध शुरू हो गया है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने एक्स पर पोस्ट कर इस आदेश पर विरोध जताया है। पोस्ट में दास ने लिखा, बांग्लादेश में गृह मंत्री के सलाहकार फरमान जारी कर रहे हैं कि हिंदुओं को अजान से 5 मिनट पहले अपनी सभी पूजा- अनुष्ठान और संगीत बंद कर देना चाहिए वरना उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। ये नया तालिबानी बांग्लादेश है।

इन हालातों में क्या हजारों साल से चली आ रही दुर्गा पूजा इस साल परम्परागत उत्साह से संपन्न हो पाएगी इसमें संदेह की काफी गुंजाइश है। लेकिन यह अजब दुर्योग कहा जाएगा कि बांग्लादेश में हिन्दूओं के साथ बर्बरता की वारदातों के बावजूद भारत में भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश की टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेल रही है और बांग्लादेश में हो रही अराजकता के खिलाफ तनिक भी विरोध नहीं जता रही है। सेकुलरिज्म ने हमारे राष्ट्रीय चरित्र और चेतना का किस हद तक पतन किया है यह इस बात का सटीक सत्यापन है।

-मनोज कुमार अग्रवाल

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

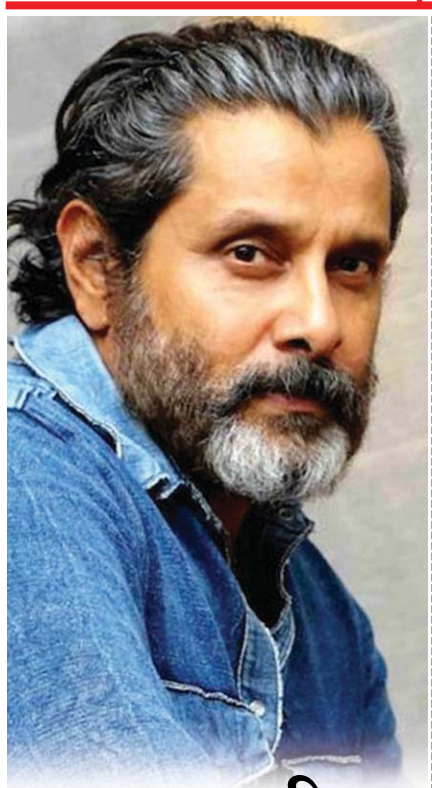

21 साल बाद फिर पर्दे पर साथ दिखेंगे विक्रम-सूर्या?

विक्रम और सूर्या तमिल फिल्म इंडस्ट्री के दो बड़े नाम हैं। 21 साल बाद ये सितारे एक साथ फिर से बड़े पर्दे पर नजर आ सकते हैं। दरअसल, निर्देशक शंकर दोनों को अपने आगामी प्रोजेक्ट में लेने की योजना बना रहे हैं। कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके मशहूर दक्षिण भारतीय निर्देशक शंकर अपनी नई फिल्म को लेकर कमर कस रहे हैं।

एक साथ दिख सकते हैं विक्रम-सूर्या

नवीनतम रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो शंकर इस ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म के लिए दक्षिण भारतीय सिनेमा के दो सबसे बड़े सितारे चियान विक्रम और सूर्या को फिल्म में लेने की योजना बना रहे हैं। इस खबर ने प्रशंसकों के बीच हलचल पैदा कर दी है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो शंकर के साथ विक्रम की यह तीसरी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों अन्नियन और आई जैसी यादगार फिल्में दे चुके हैं।

21 बाद फिर मचाएंगे धमाल

दूसरी ओर, सूर्या की शंकर के साथ यह पहली फिल्म होगी। विक्रम और सूर्या लगभग 21 साल के बाद इस फिल्म के जरिए फिर से एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे। इससे पहले वे पीथमगन में एक साथ अभिनय कर चुके हैं। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी। फिलहाल, प्रशंसक दोनों अभिनेताओं की पुष्टि का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मौजूदा समय में शंकर अपनी आगामी फिल्म गेम चेंजर को लेकर व्यस्त हैं। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। यह 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पहली मुलाकात के समय राजकुमार से डरी हुई थीं

पत्रलेखा, बहन को भी बात करने से कर दिया था मना

पत्रलेखा और राजकुमार बॉलीवुड के मोस्ट लविंग कपल्स में से एक रहे हैं। कपल की एक दिलचस्प प्रेम कहानी रही है। एक म्यूजिक वीडियो शूट में मिलने के बाद उन्होंने 2021 में शादी के बंधन में बंधने से काफी समय तक डेट किया था। हाल ही में, अभिनेत्री ने अपने पति से मिलने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया का खुलासा किया है कि राजकुमार राव से मिलकर उन्हें कैसा महसूस हुआ था। आइए जानते हैं। ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, पत्रलेखा ने राजकुमार राव के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया और बताया, मैंने अभी-अभी एलएसडी देखी थी। उनकी पहली फिल्म। लगभग तीन दिन बाद, मेरी एक स्कूल की दोस्त ने मुझे फोन किया, उसने कहा, क्या तुम मेरे लिए यह वीडियो कर सकती हो, यह एक म्यूजिक वीडियो है, और मैं राजकुमार नामक एक अभिनेता को बुला रही हूं। वह अभी एलएसडी में था।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि मैंने कहा, नहीं, मैं नहीं आ रही हूं क्योंकि मुझे लगता है कि वह बहुत डरावने हैं और मैं डर गई थी। वह कह रही थी, कुछ नहीं होगा, हम तुम्हारे लिए एक कार भेजेंगे और तुम अपनी बहन को अपने साथ क्यों नहीं ले जाती? मैंने कहा, ठीक है, देखते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने अपनी बहन को अपने और राजकुमार के बीच बैठाया और वे बातें करने लगे। मैंने अपनी बहन को भी बात करने से मना कर दिया था। मुझे अजीब लग रहा था क्योंकि वह उस फिल्म के खौफनाक आदमी थे। पत्रलेखा ने बताया कि कैसे वह आखिरकार राजकुमार के प्यार में पड़ गईं। अभिनेत्री ने कहा, जब हम एफटीटीआई पहुंचे और वीडियो की शूटिंग शुरू की। हम वहां तीन दिनों के लिए थे। वह बिल्कुल अलग इंसान थे। अभिनेत्री ने आगे बताया कि कोई ऐसा व्यक्ति, जो अपनी कला से बहुत प्यार करता था और अपने काम को लेकर इतना ईमानदार हो । यह बहुत कम ही देखने को मिलता है और मैं उनके प्यार में पड़ने से खुद को नहीं रोक सकी। मैं ऐसा कह रही थी, हे भगवान, यह आदमी अपने काम को लेकर कितना सच्चा है, उसमें बहुत अधिक ईमानदारी और गहराई है।

सुशांत सिंह राजपूत को याद कर भर आईं क्रिस्टल की आंखें, बताया मुश्किल समय में दिया था साथ

अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा इन दिनों अपनी फिल्म विस्फोट को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। क्रिस्टल ने लंबे समय तक टीवी में भी अभिनय किया है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने अभिनय के सफर को याद किया। अभिनेत्री ने अपनी सफलता का श्रेय निर्माता एकता कपूर और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ काम करने को दिया। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनके संघर्ष के दिनों में, उन्हें हिंदी भाषा में मुश्किलों का सामना करना पड़ा और सुशांत ने उन्हें इस पर काम करने में मदद की।

अभिनेत्री ने सुशांत की तारीफ करते हुए उन्हें रत्न जैसा इंसान कहा। अभिनेत्री ने साझा किया कि अभिनेता ने उनके कौशल को निखारने में उनकी मदद भी की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक सिद्धार्थ कन्नन से बात करते हुए, क्रिस्टल ने कहा, 'मैं अपनी हिंदी का बहुत कुछ श्रेय उनको देती हूं। वह एक रत्न जैसे इंसान थे। मैं उन्हें 'सुसु' कहकर बुलाती थी। वह बहुत जिंदादिल इंसान थे। जब वह इंडस्ट्री में शामिल हुए, तो उन्हें पता था कि वह सफल होंगे। उन्हें पता था कि वह बड़ी चीजों के लिए बने हैं। जब यह हुआ, तो ऐसा लगा कि यह तो होना ही था। उनकी वजह से ही मुझे पता था कि मैं सफल हो जाऊंगी।' बता दें कि सुशांत और क्रिस्टल ने साल 2008 में स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाले शो 'किस देश में है मेरा दिल' में साथ काम किया था। बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने उस पल को भी याद किया जब उन्होंने कोविड-19 के दौरान सुशांत की मौत के बारे में सुना था। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा कि यह एक शरारत है और उन्होंने एकता कपूर को फोन किया, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि यह खबर सच है।

अभिनेत्री ने भावुक होकर आंसुओं से भरकर कहा, 'उस पल मेरी दुनिया बिखर गई। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था। कुछ समझ ही नहीं आ रहा था। कभी-कभी ऐसा लगता है कि यह एक बुरा सपना है और आप जागने वाले हैं, लेकिन ऐसा नहीं था।' क्रिस्टल अभिनय के क्षेत्र में 17 साल से ज्यादा समय दे चुकी हैं। उन्हें 'उड़ान', 'नागिन 3', 'फितरत' और अन्य धारावाहिकों में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह रितेश देशमुख, फरदीन खान और प्रिया बापट के साथ फिल्म 'विस्फोट' में मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आई हैं।

सैफ से राय लेते हैं उनके बच्चे

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान अपने बच्चों के साथ बहुत ही अच्छा रिश्ता शेयर करते हैं। सैफ की अपने चारों बच्चों के साथ लगाव और प्यार की झलक उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर भी दिखाई देती है। बातचीत के दौरान सैफ ने बताया कि बच्चे उनसे कई तरह की सलाह लेते हैं। उन्होंने बताया कि बड़े बेटे इब्राहिम अली खान ने हाल ही में अपने रिश्ते को लेकर सलाह ली थी। उन्होंने बताया कि तैमूर पहले से स्टेज पर आने से डरते थे, जबकि जेह जन्म से ही एक कलाकार की तरह हैं।

जेह बचपन से ही एक्टर की तरह है

एक इंटरव्यू के दौरान सैफ अली ने अपने बेटे तैमूर को लेकर कहा, तैमूर ने एक बार कहा था कि मुझे स्टेज पर जाकर लोगों के सामने बात करने से डर लगता है, लेकिन अब वो अपने स्कूल प्ले में हिस्सा लेता है। सैफ ने अपने छोटे बेटे जेह अली खान को लेकर कहा कि वह जन्म से ही एक अभिनेता की तरह काम करता है। वहीं, सारा अली खान और इब्राहिम पहले से ही इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान सैफ अली खान ने बताया कि सैफ ने अपने बच्चों पर एक्टर ही बनने के लिए कोई दबाव नहीं दिया है। वो कुछ भी बन सकते हैं, जो उनको खुशी दे। उन्होंने कहा कि इब्राहिम अली और सारा अली खान पहले से ही इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। सैफ ने कहा कि उन्हें अपने बच्चों के साथ समय बिताना अच्छा लगता है। सैफ अपने आप को बहुत लकी मानते हैं कि उनके बच्चे उनकी सलाह चाहते हैं।

आदित्य धर की एक्शन फिल्म के लिए रणवीर सिंह ने कसी कमर

अभिनेता रणवीर सिंह के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी की खबर है। रणवीर सिंह नवंबर के शुरुआत में 'उरी' के निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित परियोजना की शूटिंग फिर से शुरू करने वाले हैं। बता दें कि हाल ही में अभिनेता के घर बेटी का आगमन हुआ है। वह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ बच्ची के जन्म का जश्न मना रहे हैं। खुशियों के इस मौके पर अभिनेता के प्रशंसकों के लिए उत्सुकता और उत्साह से भरी खबर सामने आई है। परियोजना से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, 'बैंकॉक, थाईलैंड में हमारी शूटिंग बहुत ही उत्पादक रही है। अब रणवीर अगले शेड्यूल के लिए नवंबर में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हम इस समय कई जगहों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दे सकते हैं, लेकिन पहले शेड्यूल में हमने जो उच्च गुणवत्ता वाला उत्पाद देखा है, उसके बाद अगले अध्याय के लिए उत्साह बहुत अधिक है।'

दमदार अभिनय से दर्शकों को लुभाएंगे रणवीर

कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कई बेहतरीन कलाकार हैं और इसकी घोषणा ने पूरे उद्योग और प्रशंसकों के बीच चर्चा पैदा कर दी है। जैसे-जैसे उम्मीद बढ़ रही है, दर्शक एक बार फिर रणवीर का दमदार अभिनय देखने के लिए उत्सुक हैं। उनका किरदार दर्शकों को पूरा मनोरंजन देने का दावा करता है। आदित्य धर की इस गंभीर कहानी में अभिनेता की तीव्रता को को दर्शाया गया है। बता दें कि 'उरी' निर्देशक इस परियोजना के माध्यम से दर्शकों के लिए कुछ नया लेकर आना चाहते हैं। वहीं, अभिनेता अपने पेशेवर मोर्चे और बेटी के जन्म के बाद व्यक्तिगत तौर पर भी काफी व्यस्त हैं।

अपने यहां अच्छी स्क्रिप्ट का थोड़ा अकाल है, सिनेमा और एक्टिंग डेयरिंग का खेल है

सिनेमा डेयरिंग का खेल है। यहां कुछ अलग करने के लिए हिम्मत दिखानी पड़ती है। यह फिलॉसफी है, ऐक्टर दीपक डोबरियाल की, जो कभी तनु वेड्स मनु के पप्पी जी वाली मशहूर कॉमिक इमेज को तोड़ने के लिए कॉमिडी से तौबा कर लेते हैं तो कभी अपने भीतर के ऐक्टर को खोजने के लिए ब्रेक लेने से भी नहीं हिचकते। इन दिनों वह क्राइम थ्रिलर फिल्म सेक्टर 36 में पुलिसवाले के गंभीर रोल के लिए तारीफ बटोर रहे हैं।

सेक्टर 36 से आपने स्क्रीन पर इस साल की जबरदस्त बोहनी की है। मगर आप इतनी चुनिंदा फिल्में क्यों करते हैं?

असल में, मैं दो साल से ब्रेक पर था। मैं अपने को री-इंवेंट करना चाहता था। मुझे लगा कि ऐसे लगातार आप कितना अलग काम करेंगे, एक ही इंसान कितने तरीके बदलेगा। रोज-रोज दिखेंगे तो नयापन भी नहीं आ पाएगा। खास तौर पर इसलिए, क्योंकि हमारे यहां अच्छी स्क्रिप्ट का थोड़ा अकाल है। यहां फिल्में सौ-दो सौ से ऊपर बनती हैं, जबकि अच्छी स्क्रिप्ट साल में चार या पांच होती हैं और हर अच्छी स्क्रिप्ट आपके पास नहीं आती है। जब आप अच्छा काम दिखाएंगे तब आएंगी। इसलिए, इसी फिल्म के बाद मैंने दो साल का ब्रेक लिया था। अब वापस काम शुरू किया है और उम्मीद है कि अब बढ़िया स्क्रिप्ट आएंगी तो मैं ज्यादा दिखूंगा।

आपकी अगली फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के बारे में कुछ बताइए?

सन ऑफ सरदार 2 का मुंबई शेड्यूल पूरा हो चुका है। हम एडिनबरा शूट करके आए हैं। कुछ दिनों का पंजाब का शूट बचा है। बहुत अच्छा शूट हुआ, उसमें बहुत मजा आया।

आपने मकबूल में पंकज कपूर से लेकर हिंदी मीडियम-इंग्लिश मीडियम जैसी फिल्मों में इरफान खान जैसे दिग्गजों के साथ काम किया। उनके साथ क्या आपके भीतर का कलाकार किसी तरह इवॉल्व या बेहतर हुआ?

बिल्कुल बिल्कुल। ऐसा बहुत से लोगों के साथ हुआ। इरफान (खान) भाई के साथ तो ऐसा गिव ऐंड टेक होता था कि मैं उनका कंफर्ट जोन बन गया था। उन फिल्मों के बाद उन्होंने मुझे ब्लैकमेल और करीब करीब सिंगल समेत चार फिल्में ऑफर की थीं। उनका ये रहता था कि, यार दीपक को बुला लो, मजा आ जाता है। वह इतना बारीक काम कर चुके थे कि तुरंत पकड़ लेते थे कि इस बंदे में नया कुछ कहने की ताकत है। उनको मेरे साथ बड़ा मजा आता था। हमारी ट्यूनिंग ही कुछ और गई थी तो उनके साथ बहुत चीजें सीखी। वह बहुत अलग किस्म के अदाकार हैं, जो आपको पास से समझ आएगा कि वह कहां पर खेल रहे हैं। पर्दे पर आपको नहीं पता चलेगा कि वो क्या कर रहे हैं।

इस फिल्म में अपने किरदार इंस्पेक्टर राम चरण पांडे को कैसे गढ़ा? क्योंकि वह ना तो सिंघम है, ना रॉबिनहुड, पर जमीर जागने पर कितना कुछ कर गुजरता है !

मैंने इस फिल्म में पहली बार किसी पुलिसवाले का रोल किया है। जबकि, कोई ऐसा ऐक्टर नहीं होगा जिसने पुलिसवाले का रोल ना किया हो। मैंने नहीं किया था तो मैंने सोचा कि करते हैं, मगर उसमें अलग क्या होगा। मैंने सोचा कि यह पुलिसवाला मेरे साथ-साथ बनेगा। यह बना बनाया कॉप नहीं होगा, तो उसे रोज-रोज महसूस करके, इन्वॉल्व करके बनाया। इसको मैंने एक साथ नहीं गढ़ा कि इसका पूरा आर्क ये है। इसे हर पल में मैंने बनाया। मैं बड़ा खुश हूं कि मुझे जितना आता है, वह सब मुझे इस किरदार में दिखाने को मिला।

सिंघम अगेन में रावण से प्रेरित है अर्जुन कपूर का किरदार?

अजय देवगन और रोहित शेट्टी सिंघम अगेन के साथ कॉप यूनिवर्स को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। प्रशंसक बहुप्रतीक्षित फिल्म से जुड़े अपडेट पर नजर बनाए हुए हैं। फिल्म में अर्जुन कपूर की भूमिका के बारे में एक हालिया अपडेट ऑनलाइन सामने आया है। सिंघम अगेन में अर्जुन कपूर खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। एक रिपोर्ट से पता चलता है कि सिंघम अगेन में अर्जुन कपूर की भूमिका किसी और से नहीं बल्कि महाकाव्य रामायण के रावण से प्रेरित है। हालांकि, इस रिपोर्ट की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

श्रीलंका ने रचा इतिहास, न्यूजीलैंड को पारी और 154 रन से दी करारी शिकस्त

गॉल (श्रीलंका) (एजेंसी)। श्रीलंका ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां दूसरे और टेस्ट क्रिकेट मैच में चौथे दिन ही न्यूजीलैंड को पारी और 154 रन से करारी शिकस्त देकर दो मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। श्रीलंका ने इस श्रृंखला में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा।

यह पिछले 15 वर्षों में पहला अवसर है जबकि उसने न्यूजीलैंड को श्रृंखला में हराया। श्रीलंका के इस जीत के नायक बाएं हाथ से स्पिनर प्रभात जयसूर्या रहे। उन्होंने दो मैच में 18 विकेट लिए और उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इस बीच कामिंदु मेंडिस को दूसरे टेस्ट मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने नाबाद 182 रन बनाए जिससे श्रीलंका ने अपनी पहली पांच विकेट पर 602 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मेंडिस इस पारी के दौरान सबसे तेज 1000 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दिग्गज बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

पहले टेस्ट मैच में 9 विकेट लेने वाले जयसूर्या ने दूसरे टेस्ट मैच में भी यह कारनामा दोहराया। दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे निशान पेइरिस कभी अच्छा साथ मिला जिन्होंने नौ विकेट लिए, जिसमें दूसरी पारी के पांच विकेट भी शामिल हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज श्रीलंका के स्पिनरों के सामने जूझते हुए नजर आए। श्रीलंका के विशाल स्कोर के सामने उसकी टीम पहली पारी में केवल 88 रन पर सिमट गई थी और उसे फॉलोऑन के लिए मजबूर होना पड़ा।

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 360 रन बनाकर कुछ चुनौती पेश की लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कीवी टीम का इस दौरे में यह सर्वोच्च स्कोर है। टॉम ब्लंडेल (62), ग्लेन फिलिप्स (78) और मिशेल सेंटनर (67) ने दूसरी पारी में अर्धशतक बनाए लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाए। न्यूजीलैंड ने सुबह पांच विकेट पर 199 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसने पहले सत्र में ही तीन विकेट गंवा दिए जिससे श्रीलंका की बड़ी जीत सुनिश्चित हो गई। पहले टेस्ट मैच में 63 रन से जीत दर्ज करने वाले श्रीलंका ने अब लगातार तीन टेस्ट मैच जीत लिए हैं और इससे उसने अगले जून में लॉर्ड्स में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

जूनियर विश्व चैंपियनशिप में चमके भारतीय निशानेबाज, जीते दो गोल्ड मेडल

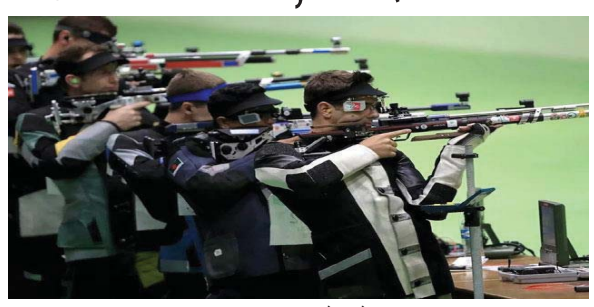

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजों ने पेरू में आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल/ शॉटगन) में अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में टीम स्वर्ण पदक जीता, हालांकि व्यक्तिगत श्रेणी में शीर्ष पोडियम पर पहुंचने की संभावना खत्म गई क्योंकि एक निशानेबाज को फाइनल के लिए देर से रिपोर्ट करने के लिए दो अंक काटे गए।

उमेश चौधरी, प्रद्युम्न सिंह और मुकेश नेलावल्ली की जूनियर पुरुष तिकड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल में पुरुष टीम प्रतियोगिता में 1726 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वे दूसरे स्थान पर रहने वाले रोमानिया से 10 अंक आगे रहे, जबकि इटली ने 1707 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। हालांकि चौधरी फाइनल के लिए देर से रिपोर्ट करने के लिए दो अंकों की सजा के बाद संभावित व्यक्तिगत स्वर्ण से चूक गए।

चौधरी और सिंह ने पहले क्वालीफिकेशन राउंड में क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई थी। चौधरी ने 580 और सिंह ने 578 का स्कोर किया, लेकिन व्यक्तिगत पदक से चूक गए और क्रमशः छठे और आठवें स्थान पर रहे। रोमानिया के लुका जोल्डिया ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीनी ताइपे की हसिह शियांग-चेन ने रजत पदक जीता।

नेलावल्ली 574 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं। कनिष्का डागर, लक्षिता और अंजलि चौधरी की जोड़ी ने 1708 अंक हासिल कर जूनियर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अजरबैजान को एक अंक और कांस्य जीतने वाले यूक्रेन को चार अंकों से पीछे छोड़ा। डागर ने 573 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर व्यक्तिगत फाइनल में भी जगह बनाई जबकि कनिका ने भी वही स्कोर किया, लेकिन कम आंतरिक 10 के साथ, पांचवें क्वालीफाइंग स्थान को हासिल किया। फाइनल में कनिका ने 217.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान के चयनकर्ता पद से दिया इस्तीफा

स्पोर्ट्स डेस्क। मोहम्मद यूसुफ ने रविवार (29 सितंबर) को 'व्यक्तिगत कारणों' के चलते पाकिस्तान की पुरुष टीम के चयनकर्ता पद से इस्तीफा दे दिया। यूसुफ उस चयन पैनल का हिस्सा थे जिसने पुरुष

टी20 विश्व कप के लिए टीम चुनी थी जिसमें पाकिस्तान ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया था। जुलाई में उन्हें असद शफीक के साथ नए पैनल में बरकरार रखा गया था।

शान मसूद की पाकिस्तान टीम हाल ही में नजमुल हुसैन शांतो की बांग्लादेश से 2-0 से हार गई जिसके बाद यूसुफ ने पद छोड़ने का फैसला किया। यूसुफ ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के लिए भी टीम चुनी जो सोमवार, 7 अक्टूबर से शुरू होने वाला है। यूसुफ ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'मैं 'व्यक्तिगत कारणों' से पाकिस्तान क्रिकेट टीम के चयनकर्ता पद से इस्तीफा देने की घोषणा करता हूं। इस अविश्वसनीय टीम की सेवा करना एक बड़ा सम्मान रहा है, और मुझे पाकिस्तान क्रिकेट के विकास और सफलता में योगदान देने पर गर्व है। मुझे अपने खिलाड़ियों की प्रतिभा और जज्बे पर पूरा भरोसा है और मैं अपनी टीम को शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि वे महानता के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे।'

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम की घोषणा के बाद अनुभवी बल्लेबाज अहमद शहजाद ने पाकिस्तान चैंपियंस कप में दो शतक बनाने वाले कामरान गुलाम को बाहर करने के लिए यूसुफ की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'आप कामरान और साहिबजादा फरहान को टीम में न चुनने को कैसे सही ठहराएंगे? उन्होंने क्या पाप किया? क्या यह इसलिए है क्योंकि वे उसी स्थान पर बल्लेबाजी करते हैं जहां बाबर बल्लेबाजी करते हैं? जब यूसुफ कोच थे, तो उन्होंने सब कुछ दो से तीन खिलाड़ियों पर छोड़ दिया था। यूसुफ चयनकर्ता हैं और वह इस टीम का चयन कर रहे हैं। मुझे एक तर्क बताइए कि कामरान गुलाम को बाहर क्यों रखा गया?'

पाकिस्तान 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में 7 में से दो मैचों में जीत की बदौलत 16 अंकों के साथ तालिका में आठवें स्थान पर है। पिछले साल बाबर आजम से कप्तानी संभालने के बाद मसूद ने सभी पांच टेस्ट गंवाए हैं।

वनडे श्रृंखला के लिए बांग्लादेश की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान, यूएई में होगे मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने घोषणा की है कि वह 6 से 11 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में तीन मैचों की पुरुष एकदिवसीय श्रृंखला के लिए बांग्लादेश की मेजबानी करेगा, हालांकि वेन्यू अभी तय नहीं है। ये मैच क्रमशः 6, 9 और 11 नवंबर को खेले जाएंगे। एसीबी ने कहा कि ये तीन वनडे, तीन टी20आई और दो टेस्ट मूल रूप से इस साल जुलाई-अगस्त के लिए निर्धारित अफगानिस्तान के फ्यूचर टूर प्रोग्राम (एफटीपी) का हिस्सा थे।

इसके अलावा, ग्रेटर नोएडा के शहीद पथिक सिंह स्टेडियम में जुलाई के अंत में एकदिवसीय मैचों की मेजबानी करने की खबरें सामने आईं, यह वह समय है जब उत्तर भारत में मानसून शुरू होता है। लेकिन एसीबी ने यूएई और

भारत में अत्यधिक गर्मी का हवाला देते हुए श्रृंखला को स्थगित कर दिया। एसीबी ने कहा, 'व्यापक चर्चा के बाद, दोनों बोर्ड केवल एकदिवसीय चरण के साथ आगे बढ़ने पर सहमत हुए हैं, जो अगले साल फरवरी में पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दोनों टीमों की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण होगा।'

अफगानिस्तान ने हाल ही में शारजाह में दक्षिण अफ्रीका पर 2-1 से ऐतिहासिक श्रृंखला जीत हासिल की और घरेलू टीम के खिलाफ सभी प्रारूपों की श्रृंखला के लिए दिसंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करने के लिए तैयार है। अफगानिस्तान और बांग्लादेश एकदिवसीय मैचों में 16 बार एक-दूसरे से मिले हैं जिनमें से बांग्लादेश ने 10 गेम जीते हैं, जबकि अफगानिस्तान छह बार विजयी हुआ है।

बांग्लादेश के साथ अफगानिस्तान की आखिरी द्विपक्षीय एकदिवसीय बैठक 2023 में हुई थी, जब उसने चटगांव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में 2-1 से श्रृंखला जीती थी। पिछली बार जब ये दोनों टीमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली थीं, तो अफगानिस्तान ने इस साल के टी20 विश्व कप के महत्वपूर्ण सुपर आठ मैच में किंग्सटाउन, सेंट विंसेंट के अनोंस वेले ग्राउंड में आठ रन (डीएलएस पद्धति के माध्यम से) से जीत हासिल की थी, और पहली बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

फिटनेस सुधारो वर्ना अनुबंध समाप्त होगा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की खिलाड़ियों को कड़ी चेतावनी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने छह-सात केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को कड़ी चेतावनी जारी की है जिसमें उन्हें कहा गया है कि या तो वे अपनी फिटनेस सुधारें, वर्ना उनके अनुबंध गंवाने का जोखिम बना रहेगा। पाकिस्तान टीम के फिटनेस ट्रेनर और फिजियो सोमवार को लाहौर में एक और फिटनेस जांच करेंगे क्योंकि कुछ खिलाड़ी इस महीने की शुरू में फिटनेस संबंधित जरूरी मानदंडों को पूरा नहीं कर पाए थे। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, 'जिन खिलाड़ियों के पास केंद्रीय और घरेलू अनुबंध हैं, उन्हें स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि फिटनेस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा और उन्हें टीम के फिटनेस विशेषज्ञों द्वारा तय मानदंडों को पूरा करना होगा।' अधिकारी ने कहा, 'दो विदेशी मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी और गैरी कर्स्टन ने पीसीबी अध्यक्ष से कहा था कि फिटनेस के संबंध में किसी भी खिलाड़ी से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए।'

गीली आउटफील्ड के कारण तीसरे दिन भी खेल हुआ रद्द

कानपुर। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट का तीसरा दिन गीली आउटफील्ड के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। इससे पहले दूसरे दिन का खेल लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया था। सुबह हल्की बूंदाबांदी के बाद तेज बारिश शुरू हो गई जिससे ग्रीन पार्क स्टेडियम पर दूसरे दिन कोई खेल नहीं हो सका। मैदानकर्मियों ने 11.15 के आसपास बारिश रूकने पर तीन सुपर सोपर्स लगाए। रोशनी भी साफ नहीं थी लिहाजा सवा 2 बजे आधिकारिक तौर पर खेल रद्द करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी बारिश की संभावना है लेकिन सोमवार और मंगलवार को आसमान साफ रहने की उम्मीद है। ऐसे में मैच ड्रॉ की ओर बढता दिख रहा है। पहले दिन बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बनाए थे जब बारिश के कारण 35 ओवर ही फेंके जा सके थे। भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन और शादमान इस्लाम को आउट किया था जबकि रविचंद्रन अश्विन ने कप्तान नजमुल हुसैन शंटो के विकेट लिए थे।

गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों को मिली भारतीय टीम में जगह

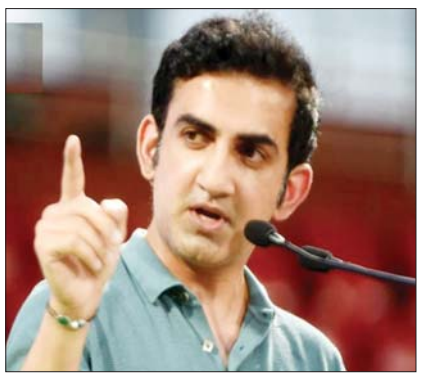

मुम्बई। बांग्लादेश के खिलाफ अगले माह शुरु हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जो भारतीय टीम चयनित हुई है। उसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों को जगह मिली है। ये स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज मयंक यादव को टीम में जगह मिलने से साबित हुआ है। ये दोनो ही जिन आईपीएल टीमों में रहे उनके मेंटोर गंभीर रहे थे। गंभीर आईपीएल में दो टीमों के मेंटर रहे हैं। वह लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ दो साल रहने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के भी मेंटोर रहे हैं।

स्पिनर वरुण लंबे समय से आईपीएल में कोलकाता के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने गंभीर की कप्तानी में ही अपना आईपीएल डेब्यू किया था। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका दौरे पर अपना टी20 डेब्यू किया था। भारतीय टीम की ओर से अभी तक खेले छह मैचों में वरुण ने दो ही विकेट लिए हैं। तब किसी को अंदाजा नहीं था कि उन्हें टीम में जगह मिल सकती है पर गंभीर, वरुण को काफी पसंद करते हैं और उन पर भरोसा भी करते हैं। माना जा रहा है कि इसी कारण वरुण को तीन साल बाद अचानक से टीम इंडिया में वापसी का अवसर मिला है। वहीं गंभीर जब लखनऊ के मेंटर थे तब उन्होंने मयंक यादव की गेंदबाजी को तराशा था। मयंक ने आईपीएल में सबसे तेज गेंदबाजी का रिकार्ड बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षत किया था पर वह बीच सत्र में ही चोटिल होने के कारण बाहर हो गये थे।

आईपीएल 2025: विदेशी खिलाड़ियों को लेकर सख्त हुए नियम, लगेगा 2 साल का बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग जनरल कार्उंसिल (आईपीएल जीसी) ने नीलामी में चुने जाने के बाद विदेशी खिलाड़ियों के बाहर निकलने के मुद्दे पर विचार पेश किए हैं। हाल ही में बेंगलुरु में आईपीएल जीसी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच हुई बैठक में खिलाड़ियों को नीलामी में खरीदे जाने के बाद खुद को अनुपलब्ध करने से रोकने के लिए नए रिटेंशन नियम स्थापित किए गए। इस नियम में वैध कारणों के बिना बाहर निकलने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर दो साल का प्रतिबंध शामिल है। चोट या चिकित्सा स्थितियों के लिए अपवाद बनाए जाएंगे, बशर्ते कि खिलाड़ी के होम बोर्ड द्वारा उनकी पुष्टि की जाए।

बयान में कहा गया, 'कोई भी खिलाड़ी जो नीलामी के लिए पंजीकरण करता है और नीलामी में चुने जाने के बाद सीजन की शुरुआत से पहले खुद को अनुपलब्ध कर देता है, उसे दो सीजन के लिए आईपीएल/

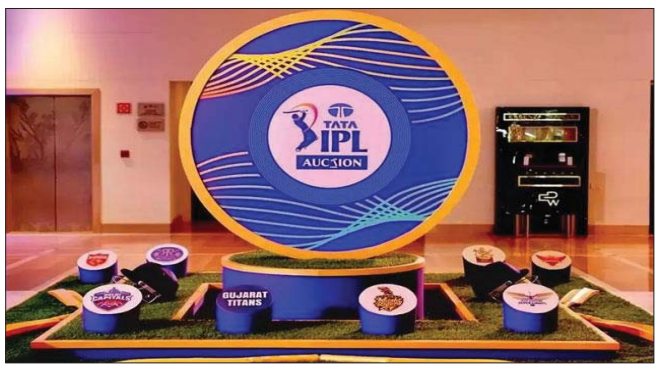

आईपीएल नीलामी में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। चोट/ चिकित्सा स्थिति की पुष्टि (खिलाड़ी के) होम बोर्ड द्वारा की जानी होगी।'

प्रतिबंध के अलावा आईपीएल ने मिनी-नीलामी में खिलाड़ियों की फीस को विनियमित करने के लिए उपाय पेश किए हैं। विदेशी खिलाड़ियों को अब बाद की मिनी नीलामी के लिए पात्र होने के लिए मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण करना होगा। यह नियम खिलाड़ियों को मिनी नीलामी में संभावित रूप से उच्च बोली हासिल करने के लिए मेगा नीलामी को छोड़ने से रोकता है।

आईपीएल ने मिनी-नीलामी में विदेशी खिलाड़ियों के लिए अधिकतम शुल्क भी लागू किया है। यह सीमा 18 करोड़ रुपए की उच्चतम प्रतिधारण कीमत या पिछली मेगा नीलामी से उच्चतम नीलामी मूल्य, जो भी कम हो उस पर निर्धारित की जाएगी। इसका उद्देश्य मिनी नीलामी में खिलाड़ियों की कीमतों में वृद्धि को रोकना है, जहां टीमें अक्सर विशिष्ट स्क्वाड अंतराल को भरने के लिए प्रीमियम दरों का भुगतान करती हैं।

दस्तावेज में कहा गया है, 'छोटी नीलामी में किसी भी विदेशी खिलाड़ी की नीलामी फीस उच्चतम रिटेंशन मूल्य (18 करोड़ रुपए) या बड़ी नीलामी में उच्चतम नीलामी मूल्य में से कम होगी। यदि बड़ी नीलामी में उच्चतम नीलामी मूल्य 20 करोड़ रुपए है, तो 18 करोड़ रुपए की सीमा होगी। यदि बड़ी नीलामी में उच्चतम नीलामी मूल्य 16 करोड़ रुपए है, तो सीमा 16 करोड़ रुपए होगी।' ये नए नियम पिछली नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ बोलियां लगाए जाने के बाद आए हैं। उल्लेखनीय उदाहरणों में पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क शामिल हैं, जिन्हें पिछली नीलामी में क्रमशः 20.50 करोड़ रुपए और 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

धोनी बने 'अनकैप्ड' खिलाड़ी, बीसीसीआई के इस फैसले का प्रभाव

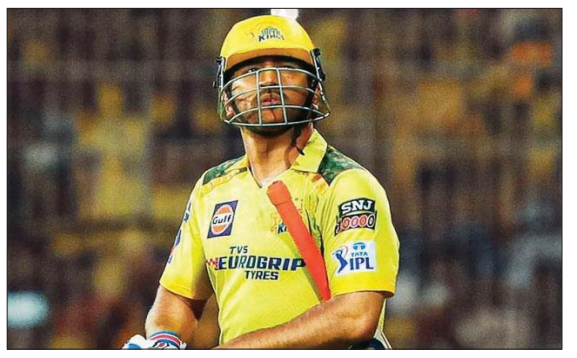

बेंगलुरू। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की संचालन परिषद में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने फैसला किया कि जिन भारतीय खिलाड़ियों ने कम से कम पांच कैलेंडर वर्ष में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, उन्हें 'अनकैप्ड' खिलाड़ी माना जाएगा। हालांकि माना जा रहा है कि यह कदम इसलिये उठाया गया ताकि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने स्टार क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को रिटेन कर सके जो आखिरी बार 2019 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में देश के लिए खेले थे। बीसीसीआई की विज्ञप्ति के अनुसार, 'अगर कोई भारतीय खिलाड़ी संबंधित सत्र के आयोजन से पहले पिछले पांच कैलेंडर वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (टेस्ट मैच, वनडे, ट्वेंटी 20 अंतरराष्ट्रीय) में शुरुआती एकादश में नहीं खेला है या उसके पास बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध नहीं है तो एक 'कैप्ड' (अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाला) भारतीय खिलाड़ी 'अनकैप्ड' (जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) हो जाएगा।' संचालन परिषद की बैठक में यह फैसला किया गया था कि 10 फ्रेंचाइजी को अपनी पिछली टीम से अधिकतम छह खिलाड़ियों को बरकरार रखने (रिटेन) करने की अनुमति होगी जिसमें नीलामी का एक 'राइट टू मैच' (आरटीएम) कार्ड भी शामिल होगा, जिसकी कीमत 120 करोड़ रुपये के बढ़े हुए टीम पर्स में से 75 करोड़ रुपए होगी। 'अनकैप्ड' खिलाड़ी के लिए रिटेन करने का खर्चा 4 करोड़ रुपए होगा इसलिए सीएसके अगर धोनी को रिटेन भी करती है तो नीलामी के लिए निश्चित रूप से काफी बचत कर सकती है। पिछली मेगा नीलामी में 2022 में एक टीम को चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी गई थी।

664 मैचों में 76 बार मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता सचिन ने

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अब भी मैन ऑफ द मैच का खिताब पाने में सबसे आगे हैं। सचिन ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में 664 मैचों में 76 बार मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता है। सचिन ने टेस्ट क्रिकेट में 14 बार और वनडे में 62 बार यह अवॉर्ड हासिल किया। यह रिकॉर्ड अब तक अटूट है, और उनके सबसे करीब मौजूदा भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली हैं, जिन्होंने 534 मैचों में अब तक 67 बार मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता है। विराट ने टेस्ट में 10, वनडे में 41 और टी20 में 16 बार यह पुरस्कार जीता है। हालांकि, विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है, इसलिए अब उनके पास टेस्ट और वनडे में यह रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। तीसरे स्थान पर पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज सनथ जयसूर्या हैं, जिन्होंने 586 मुकाबलों में 58 बार मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। उन्होंने टेस्ट में 4, वनडे में 48 और टी20 इंटरनेशनल में 6 बार यह पुरस्कार जीता।

चौथे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं, जिन्होंने 519 मैचों में 57 बार यह अवॉर्ड जीता। श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा 594 मैचों में 50 मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड्स के साथ पांचवें स्थान पर हैं। मौजूदा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इस सूची में 484 मैचों में 42 मैन ऑफ द मैच पुरस्कारों के साथ नौवें

स्थान पर हैं। विराट कोहली के पास अभी भी वनडे और टेस्ट में प्रदर्शन कर सचिन तेंदुलकर के इस बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका है।

भारत दौरे से पहले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर घायल, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलना मुश्किल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन घायल हो गए हैं और वह इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। ग्रीन को पीठ में चोट लगी है जिससे वह भारत के खिलाफ 22 नवंबर से शुरु होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलना मुश्किल लग रहा है। ऑस्ट्रेलिया का कहना है कि ग्रीन जब तक पर्थ नहीं पहुंच जाते तब तक, उनकी चोट के बारे में कुछ भी नहीं कह सकता। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज को शुरू होने में अभी 2 महीने हैं। 25 वर्षीय कैमरन ग्रीन ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के तीसरे वनडे में पीठ में अकड़न की शिकायत की थी। चेस्टर ली स्ट्रीट में खेले गए उस मैच में ग्रीन ने 45 रन देकर 2 विकेट लिए थे जबकि बल्ले से 45 रन भी बनाए थे। सिटी स्कैन में ग्रीन की

पीठ में चोट का पता चला है जिसके बाद उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज से पहले घर लौटना पड़ा है। ग्रीन को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में आराम दिया गया था। उन्हें आराम वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत दिया गया था लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ वह सभी तीनों टी20 मैच खेले थे। इंग्लैंड दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की चोटिल होने की सूची लंबी होती जा रही है। ग्रीन चोटिल होने वाले पांचवें खिलाड़ी हैं। इससे पहले नेथन एलिस, जेवियन बार्टलेट, रिले मेरेडिथ और बेन ड्वारियास चोटिल हो चुके हैं। कैमरन ग्रीन ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था।

जूनियर विश्व चैंपियनशिप: देरी से पहुंचने पर भारतीय निशानेबाज पर जुर्माना, गंवाया संभावित गोल्ड मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के एक निशानेबाज पर पेरू के लीमा में चल रही आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल के लिए अभ्यास क्षेत्र में देर से पहुंचने के कारण दो अंक का जुर्माना लगाया गया जिस कारण वह पदक हासिल करने से चूक गया। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) ने शनिवार को 20 वर्षीय निशानेबाज उमेश चौधरी पर नियम 6.17.1.3 के उल्लंघन के लिए दो अंक का जुर्माना लगाया। इससे भारत के 60 सदस्यीय दल में शामिल कोच और सहायक स्टाफ की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं।

चौधरी को फाइनल में अपने पहले शॉट पर दो अंक कटने के बाद 7.4 अंक मिले। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के सचिव राजीव भाटिया से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है और वह इस मसले पर टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। चौधरी क्वालिफिकेशन दौर में 580 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे और अगर उन पर दो अंक का जुर्माना नहीं लगाया गया होता, तो वह आठ निशानेबाजों के फाइनल में स्वर्ण पदक जीत सकते थे।

जुर्माना लगाए जाने के कारण चौधरी पदक दौर में छठे स्थान पर रहे। भाटिया को जब याद दिलाया गया कि जुर्माने का विवरण आईएसएसएफ की वेबसाइट पर भी है, तो उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि वह समय पर अभ्यास क्षेत्र में नहीं पहुंचे होंगे। मैं नहीं जानता कि वह क्यों और किस कारण से समय पर नहीं पहुंचे। मुझे वहां (पेरू में) मौजूद अधिकारियों से पता करना होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या कोचों को अधिक सतर्क रहना चाहिए? उन्होंने कहा, 'मैं इस पर कुछ नहीं कहूंगा क्योंकि हमें कुछ भी नहीं बताया गया है। मैं इस पर चर्चा नहीं करना चाहता।'

उन्होंने कहा, 'यह संभव नहीं है कि ऐसा पहली बार हुआ है। क्या आपको लगता है कि केवल कोच जिम्मेदार हैं और निशानेबाजों की कोई जिम्मेदारी नहीं है? उन्हें नियमों के बारे में पता होना चाहिए। आखिर वह विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं।' पिछली बार किसी भारतीय निशानेबाज पर 2021 में क्रोएशिया के ओसिजेक में आईएसएसएफ विश्व कप के दौरान दो अंक का जुर्माना लगाया गया था। तब ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन ने एक शॉट का विरोध किया था, लेकिन जूरी ने निष्कर्ष निकाला कि यह सही था।

संक्षिप्त समाचार

हैरिस ने अमेरिका की 'आव्रजन प्रणाली को सुधारने' का संकल्प लिया

वाशिंगटन, एजेंसी। हैरिस ने सीमा सुरक्षा पर कड़ा रुख अपनाने के साथ यह भी कहा कि वह अमेरिका में वर्तमान में बिना दस्तावेज के रह रहे प्रवासियों को ''नागरिकता'' प्रदान करने के संबंध में भी कदम उठाएंगी। अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने सीमा पर कड़े सुरक्षा उपाय लागू करने और अमेरिका की आव्रजन प्रणाली को मजबूत करने का संकल्प लिया है। हैरिस ने अपने प्रतिद्वंद्वी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस मुद्दे को लेकर उन पर बार-बार किए गए राजनीतिक हमलों का जवाब देते हुए यह बात कही। अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैरिस ने एरिजोना के डगलस में अमेरिका-मैक्सिको सीमा का दौरा करने के बाद यह टिप्पणी की। हैरिस ने सीमा सुरक्षा पर कड़ा रुख अपनाने के साथ यह भी कहा कि वह अमेरिका में वर्तमान में बिना दस्तावेज के रह रहे प्रवासियों को ''नागरिकता'' प्रदान करने के संबंध में भी कदम उठाएंगी। हैरिस ने कहा, ''राष्ट्रपति बनने के बाद मैं यहां वर्षों से रह रहे और मेहनत कर रहे प्रवासियों को नागरिकता देने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम करूंगी।'' हैरिस अमेरिका की दक्षिणी सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए एरिजोना गई थीं। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति बनने के बाद मैं आव्रजन प्रणाली को मजबूत करने के लिए राजनीति को किनारे रखूंगी और लंबे समय से बरकरार समस्याओं का समाधान निकालूंगी...ये मुद्दे हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

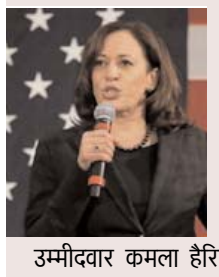

अमेरिकी सैनिक इराक में अपने कुछ पुराने ठिकानों को छोड़ेंगे

पेंटागन , एजेंसी। पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि यह कहना उचित होगा कि देश के भीतर हमारी भूमिका बदलने जा रही है।' अमेरिका ने शुक्रवार को इराक की सरकार के साथ एक समझौते की घोषणा की जिसके तहतइराक में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों से लड़ने वाले अमेरिका नीत गठबंधन का सैन्य मिशन अगले वर्ष तक समाप्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही अमेरिकी सैनिक कुछ ठिकानों से लौटेंगे जिन पर उन्होंने लंबे समय तक कब्जा किया हुआ था। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने हालांकि यह बताने से इनकार किया कि इराक में अब भी सेवारत लगभग 2,500 अमेरिकी सैनिकों में से कितने वहां रहेंगे या क्या सभी लौट आएंगे। पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि यह कहना उचित होगा कि देश के भीतर हमारी भूमिका बदलने जा रही है।' उन्होंने हालांकि इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी। इराक के अधिकारी वर्षों से गठबंधन सेनाओं की वापसी की मांग कर रहे हैं। साथ ही देश में मौजूद अमेरिकी नागरिकों की वापसी को लेकर औपचारिक वार्ता कई महीनों से जारी है।

अमेरिका में हेलेन तूफान का कहर, 43 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शुक्रवार को हेलेन चक्रवात से 12 राज्यों में 43 लोगों की मौत हो गई है, कई लोग घायल हो गए हैं। इससे 1 करोड़ 20 लाख लोग प्रभावित हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा, जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना, साउथ कैरोलिना, वर्जीनिया और अलबामा में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। इन राज्यों में 1000 से ज्यादा फ्लाइट्स को रद्द कर दी गई हैं। वहीं 4 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स पर असर पड़ा है। हेलेन चक्रवात शुक्रवार की सुबह फ्लोरिडा के तट से टकराया था। तब 225 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही थी। पानी भरने की वजह से लोग घरों में बोट चला रहे हैं। स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने बताया कि अगले दो से तीन दिन में 5 करोड़ लोग प्रभावित हो सकते हैं। तूफान की वजह से 20 लाख लोगों के घरों में बिजली नहीं है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डी-सेंटिस ने निचले इलाकों में रहने वालों को पहले ही सुरक्षित जगहों पर चले जाने की सलाह दी थी। फ्लोरिडा की राजधानी टालाहैसी के मेयर जॉन डेली ने कहा कि यह शहर में आया अब तक का सबसे शक्तिशाली तूफान हो सकता है। इससे शहर को काफी नुकसान पहुंच सकता है।

नेपाल में भारी बारिश से उफान पर नदियां, बाढ़ के खतरे के बीच लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लगातार बारिश हो रही है। इससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। वहीं नदियां भी उफान पर हैं। यहां के बाढ़ पूर्वानुमान विभाग ने देश के विभिन्न भागों के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की है। भारी बारिश के बाद विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ता रहेगा तथा लोगों से सावधानी बरतने को कहा है। बाढ़ पूर्वानुमान विभाग का कहना है कि मुख्य प्रभावित क्षेत्रों में अरुण बेसिन (संखुवासभा जिला) से बाणगंगा (कपिलवस्तु जिला) तक नदियां उभान पर रहेंगी। इनके अलावा, दूधकोशी, सनकोशी, बागमती, नारायणी, टीनाऊ और उनकी सहायक नदियां का जलस्तर भी बढ़ता रहेगा। मूसलाधार बारिश के कारण नेपाल में सड़कें और घर बुरी तरह जलमग्न हो गए। अरुण बेसिन से लेकर बाणगंगा बेसिन तक की नदियों के लिए अगले 24 घंटों के लिए बाढ़ की महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की गई है। क्षेत्र में निगरानी की जाने वाली लगभग सभी नदियां चेतावनी के स्तर को पार कर गई हैं।

इजराइली एयरस्ट्राइक... हिजबुल्लाह चीफ की बेटी की मौत का दावा

नसरल्लाह के जिंदा बचने पर भी सस्पेंस, ईरान के सुप्रीम लीडर ने इमरजेंसी बैठक बुलाई

बेरूत, एजेंसी। इजराइल ने शुक्रवार को यूनाइटेड नेशंस में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की स्पीच के करीब एक घंटे बाद बेरूत में हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर मिसाइलें दागीं। हमले में 6 लोगों की मौत हुई है और 90 से ज्यादा घायल हैं। इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की बेटी जैनब इस हमले में मारी गई है।

हिजबुल्लाह ने जैनब की मौत की पुष्टि नहीं की है। इजराइली चैनल-12 ने उसके मारे जाने की सूचना दी है। पाकिस्तानी पत्रकार अहमद कुरैशी ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि हिजबुल्लाह चीफ की बेटी का शव उस कमांड सेंटर के मलबे में मिला है जिस पर इजराइल ने हमला किया था। उन्होंने कहा कि लेबनान अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

हिजबुल्लाह चीफ की मौत पर सस्पेंस बरकरार इस बीच रॉयटर्स ने लेबनान के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि इजराइल के हमलों के बाद से हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह से संपर्क नहीं हो पाया है। हमले के कई घंटे बीत जाने के बाद भी हिजबुल्लाह ने नसरल्लाह के ठीक होने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। एक

इजराइली अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इजराइल से कहा कि जहां हमला किया गया वहां हिजबुल्लाह के टॉप अधिकारी मीटिंग करते थे। हमले के वक्त हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की वहां मौजूदगी की जानकारी नहीं है। हालांकि, हिजबुल्लाह के एक करीबी सूत्र ने पहले रॉयटर्स को बताया था कि नसरल्लाह जिंदा है। इससे पहले ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने भी कहा था कि वे सुरक्षित हैं। इस बीच इजराइली सेना ने कहा है कि उनके हमले में हिजबुल्लाह की मिसाइल यूनिट के कमांडर मुहम्मद अली इस्माइल और डिप्टी होसैन अहमद इस्माइल मारे गए हैं। ईरान में खामेनेई ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक बेरूत पर इजराइली हमले के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने शुक्रवार रात अपने घर पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई थी। बैठक में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने इजराइली हमले की निंदा की और इसे वॉर क्राइम बताया। खामेनेई के सलाहकार अली लारीजानी ने कहा कि इजराइल हद पार कर रहा है। लोगों की हत्या से समाधान नहीं निकलेगा। दूसरे लोग उनकी जगह ले लेंगे। उन्होंने कहा कि इजराइली आतंक का सामना करने के लिए लोग और मजबूती से एकजुट होंगे। इजराइल का लेबनान पर हमला जारी इजराइली सेना का राजधानी बेरूत समेत कई इलाकों पर मिसाइल हमला अभी भी जारी है। इजराइल ने बेरूत के दहियाह शहर में रहने वाले लोगों को तुरंत इलाका खाली करने को कहा है। इजराइली सेना का कहना है कि इन जगहों का इस्तेमाल हिजबुल्लाह, इजराइल पर हमले के लिए कर रहा है। इजराइल ने लेबनान सीमा पर अतिरिक्त टैंक और बख्तरबंद वाहन तैनात किए हैं। नेतन्याहू ने सेना को लेबनान में घुसपैठ के लिए तैयार रहने को कहा है। नेतन्याहू बोले- हमारे पास स्टील की नसें पीएम नेतन्याहू ने बेरूत में इजराइली हमले के बाद कहा कि हमारे दुश्मन सोचते थे कि हम मकड़ी के जाल की तरह हैं, लेकिन हमारे पास स्टील की नसें हैं। गौरलतब है कि नसरल्लाह कई बार अपने भाषणों में इजराइल को मकड़ी का जाल बता चुके हैं।

फिलिस्तीनियों को सामूहिक दंड देने को कोई भी आधार उचित नहीं ठहरा सकता: एंटोनियो गुटेरेस

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के उद्घाटन पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में युद्ध के बीच चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गाजा में युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून तार-तार हो गया है।

गुटेरेस ने शुक्रवार को कहा कि वहां हत्या की दर उनके कार्यकाल में देखी गई किसी भी दर से ज्यादा है। गुटेरेस ने कहा, गाजा में हत्या और विनाश की रफ्तार एवं पैमाने मेरे महासचिव के रूप में पिछले वर्षों में कभी नहीं देखे गए। फिलिस्तीनी लोगों की सामूहिक सजा देने को कोई भी आधार उचित नहीं ठहरा सकता। उन्होंने ने शुक्रवार को बेरूत पर हुए इजरायली हमलों के बारे में भी बात की। चेतावनी दी कि लेबनान में युद्ध बाहरी शक्तियों को शामिल करके और भी अधिक उग्र हो सकता है। उन्होंने दोनों पक्षों से इजरायल-लेबनान सीमा पर प्रस्तावित अस्थायी युद्ध विराम पर सहमत होने की अपील की है। उन्होंने कहा, हमें अब युद्ध विराम की जरूरत है। हम गाजा जैसी अंतहीन वार्ताओं का बोझ उठा नहीं सकते। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा, हमें किसी भी कीमत पर क्षेत्रीय युद्ध से बचना चाहिए। गाजा हिंसा का केंद्र बना हुआ है। गाजा ही इसे समाप्त करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। मानवीय व्यवस्था संकट में है। हमारे 226 साथी मारे गए हैं, जिनमें से कई अपने परिवारों के साथ मारे गए हैं। मैं इन हत्याओं की जांच और जवाबदेही की मांग करता हूं। साथ ही, पूर्वी यरुशलम समेत कब्जे वाले पश्चिमी तट पर हिंसा जारी है। सात अक्टूबर से अब तक करीब 700 फिलिस्तीनी और 14 इजरायली मारे गए हैं। यह पिछले दो दशकों में दोनों पक्षों की सबसे बड़ी संख्या है। नई बस्तियों का निर्माण, भूमि अधिग्रहण, विध्वंस और बसने वालों के बीच हिंसा सब जारी है।

सूडान: एल फशर में अर्धसैनिक बलों के हमले में 8 लोगों की मौत, 95 घायल

खार्तूम , एजेंसी। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 95 अन्य घायल हो गए। उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया, आरएसएफ की गोलाबारी का लक्ष्य एल फशर के दक्षिण में स्थित सूक अल-मवाशी बाजार था, जहां लोगों की भीड़ थी।

आरएसएफ ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। 10 मई से एल फशर में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भीषण झड़पें चल रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, एल फशर में लगभग 15 लाख लोग रहते हैं, जिनमें से 8 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं। ज्ञात हो कि 22 सितंबर को सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच सशस्त्र संघर्ष में तीन बच्चों समेत कम से कम 11 लोग मारे गए थे और 17 अन्य घायल हुए थे। यह झड़पें पश्चिमी उत्तर दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में हुई थी।

जापान में शिगेरू इशिबा बनेंगे अगले प्रधानमंत्री:पार्टी अध्यक्ष का चुनाव जीता

टोक्यो, एजेंसी। जापान में रक्षा मंत्री रह चुके शिगेरू इशिबा अब देश के नए प्रधानमंत्री होंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक शुक्रवार को लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के चुनाव में उन्होंने जीत दर्ज की। वे 1 अक्टूबर को संसद सत्र की शुरुआत के साथ पद संभालेंगे। दरअसल, जापान में सत्ताधारी पार्टी का अध्यक्ष ही प्रधानमंत्री चुना जाता है। एलडीपी पार्टी के पास संसद के दोनों सदनों में बहुमत है। ऐसे में पार्टी अध्यक्ष चुने गए इशिबा अब जुलाई 2025 तक क्करूपद पर रहेंगे। इसके बाद देश में आम चुनाव होंगे।

67 साल के इशिबा ने अपनी प्रतिद्वंद्वी सनाए तकाइची को 21 वोटों के अंतर से हराया। इशिबा को पार्टी सदस्यों के 215 वोट हासिल हुए। इशिबा इससे पहले भी 4 बार पार्टी लीडरशिप के लिए चुनाव लड़ चुके हैं। 2012 में वे शिंजो आबे के खिलाफ भी खड़े हुए थे, लेकिन उन्हें हर बार हार का सामना करना पड़ा। चुनाव जीतने के बाद इशिबा ने कहा, अब पार्टी नए सिरे से खड़े होकर लोगों का भरोसा जीतेगी। मैं अपने कार्यकाल में देश की जनता से सच बोलूंगा। मैं देश को सुरक्षित और खुशहाल बनाने के लिए काम करता रहूंगा। जापान के न्यूक्लियर पावर प्लांट्स बंद करने का वादा किया इशिबा जापान के रक्षा और कृषि मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने 1986 में 29 साल की उम्र में पहला चुनाव जीता था। तब वे जापान की संसद के सबसे युवा सदस्य बने थे। इस बार अपने कैंपेन में इशिबा ने देश के न्यूक्लियर पावर प्लांट्स को धीरे-धीरे बंद करने का वादा किया है।

इसके अलावा उन्होंने चीन और नॉर्थ कोरिया जैसे खतरों से निपटने के लिए एशिया में भी एक नाटो

बनाने की बात कही है। इशिबा पीएम किशिदा के आलोचक हैं। वे एलडीपी की नीतियों से इतर जापान में महिला सम्राट बनाने की पैरवी करते हैं। इस वजह से पार्टी के कई नेता उनके खिलाफ हैं। दरअसल, एलडीपी के ज्यादातर सदस्यों का मानना है कि महिलाओं को एक मां और पत्नी के पारंपरिक कर्तव्य ही निभाने चाहिए।

भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे किशिदा, लोकप्रियता घटी जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने 14 अगस्त को पार्टी चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की थी। वे 2021 में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष चुने गए थे। उनका तीन साल का कार्यकाल इस महीने के अंत में खत्म हो जाएगा। इस दौरान किशिदा पर भ्रष्टाचार के कई गंभीर आरोप लगे हैं जिसकी वजह से उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है।

निक्केई एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में किशिदा की अप्रूवल रेटिंग 20 प्रतिशत से नीचे थी। ये लगातार आठवां महीना है जब किशिदा की रेटिंग इतनी नीचे रही है। 2021 में पीएम किशिदा की रेटिंग 65 प्रतिशत के करीब थी। शिंजो आबे की मौत के बाद उनकी रेटिंग में गिरावट आनी शुरू हुई। दरअसल आबे की मौत के बाद यूनिफिकेशन चर्च के साथ एलडीपी के संबंधों का खुलासा हुआ था। ये चर्च पार्टी को आर्थिक सपोर्ट मुहैया कराता था।

बाद में इससे जुड़े कई घोटाले सामने आए। इस साल अप्रैल में स्थानीय चुनावों में एलडीपी की बुरी हार हुई थी। इसके बाद जुलाई में टोक्यो मेट्रोपॉलिटन असेंबली के उपचुनावों में भी पार्टी की करारी हार मिली। यही वजह थी कि एलडीपी के ज्यादातर सांसद अगले आम चुनाव से पहले नए चेहरे की जरूरत पर जोर दे रहे थे।

क्या थे भ्रष्टाचार के आरोप किशिदा की पार्टी के सांसदों पर आरोप लगा कि उन्होंने पार्टी को मिले राजनीतिक चंदे का पैसा हड़प लिया। उन्होंने अकाउंट में हेराफेरी कर पार्टी का पैसा खुद के अकाउंट में ट्रांसफर कर लिया। मामले का खुलासा होने के बाद पीएम किशिदा ने कई कैबिनेट मंत्रियों और अन्य लोगों को पद से हटा दिया था।

पाकिस्तान में शिया सुन्नी संघर्ष में एक सप्ताह में कम से कम 64 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कबायली इलाके कुर्रम में जमीन विवाद को लेकर शिया और सुन्नी समुदाय के लोग एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए हैं। बीते एक सप्ताह में ही इस संघर्ष में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई है। अफगानिस्तान की सीमा से सटे आतंक प्रभावित कुर्रम जिले में हिंसा थमने का नाम ही नहीं ले रही है। एक महीने पहले ही यहां सीजफायर का समझौता किया गया था। बावजूद इसके यहां खूनी झड़प रोकी नहीं जा सकी हैं।

क्यों शुरू हुआ संघर्ष : खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने कहा कि शुक्रवार को भी खूनी झड़प हुई जिनमें कई लोगों की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि यह झगड़ा जमीन को लेकर शुरू हुआ। ऊपरी कुर्रम इलाके के बोशेहरा शिया जब सुन्नी अहमदजाई समुदाय के लोगों की जमीन पर बंकर बनाने लगे तो इसका विरोध शुरू हो गया। इसके बाद हिंसा की आग पूरे इलाके में फैल गई और कई मकानों को आग लगा दी गई। जगह-जगह हुई झड़प में लाठी, डंडे और गोला-बारूद चल गए जिसमें दर्जनों लोग मारे गए। वैसे

करीब 10 साल से यहां शिया और सुन्नी के बीच तनाव बना ही रहता है। इससे पहले भी हिंसा में लगभग 50 लोगों की मौत हो गई थी। विवाद को गहराता देख सरकार ने दखल देकर दोनों समुदायों के बीच अगस्त महीने में समझौता करवाया था। सुरक्षा अधइकारियों का कहना है कि फिर भड़की हिंसा की वजह से यातायात प्रभावित हुआ है। इसके आलावा खाने-पीने के सामान की सप्लाई भी कम हो गई है। लोगों को फ्यूल और दवाई के लिए भी तरसना पड़ रहा है। हिंसा की वजह से शैक्षिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं। कुर्रम पहाड़ी इलाका है और इसका बॉर्डर अफगानिस्तान के साथ लगता है। यहां करीब सात लाख लोग रहते हैं जिनमें से 42 फीसदी शिया समुदाय से हैं। लगभग 24 करोड़ की आबादी वाले सुन्नी बहुल पाकिस्तान में पाराचिनार शहर के आसपास सुन्नियों की संख्या ज्यादा है। यहां पर जातीय हिंसा लंबे समय से चली आ रही है।

बीते सप्ताह शनिवार को शुरू हुई हिंसा गुरुवार को छठे दिन भी जारी रही। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्ष छोटे-बड़े हथियारों से एक-दूसरे को निशाना बना रहे हैं।

अमेरिका को बेरूत हमले के बारे में कोई जानकारी नहीं थी: बाइडेन

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के मुताबिक उन्हें बेरूत पर इजरायल की ओर से किए गए हमले की भनक तक नहीं थी। उन्होंने कहा कि वह बेरूत में इजरायल के हवाई हमलों पर टिप्पणी करने से पहले अधिक जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही दोहराया कि अमेरिका इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के ऑपरेशन में शामिल नहीं था। बाइडेन ने डेलावेयर में संवाददाताओं से कहा, हम अभी भी जानकारी जुटा रहे हैं, मैं आपको बता सकता हूं - अमेरिका को आईडीएफ कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं थी या इसमें हमारी कोई भागीदारी नहीं थी। हम अधिक जानकारी एकत्र कर रहे हैं। जब हमारे पास अधिक जानकारी होगी, तो मैं और कुछ कह पाऊंगा। सीएनएन ने शुक्रवार को एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि, इजरायल ने ऑपरेशन के शुरू होने और विमानों के उड़ान भरने के बाद अमेरिका को जानकारी दी थी। अधिकारी ने कहा, हमें इसके बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी और न ही किसी ने पहले हमें सूचित किया था। एक इजरायली अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि यह सूचना हमले से कुछ देर पहले भेजी गई थी, और अमेरिका ने इस ऑपरेशन में कोई भूमिका नहीं निभाई थी। बाइडेन से जब पूछा गया कि क्या हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह को निशाने पर रख किए गए हमले (सीएनएन की रिपोर्ट अनुसार) सही ठहराए जा सकते हैं? तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने किसी भी तरह की टिप्पणी से इनकार कर दिया। उनका जवाब था, हमें और अधिक जानकारी इकट्ठी करनी होगी। मैं इस प्रश्न का

उत्तर देने की स्थिति में नहीं हूं। उन्होंने कहा कि वह संघर्ष के कारण क्षेत्र में बढ़ रहे तनाव को लेकर हमेशा चिंतित रहते हैं। इससे पहले, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी शुक्रवार को कहा कि अमेरिका अभी भी बेरूत में इजरायली हमलों के बारे में अधिक जानकारी एकत्रित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, हम अभी भी जानकारी जुटा रहे हैं, हम जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर इरादा क्या था - और जब तक हमारे पास वह जानकारी नहीं आ जाती, हम इस पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दे सकते। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने क्षेत्र में तनाव के लिए एक कूटनीतिक समाधान की आवश्यकता पर एक बार फिर जोर दिया। ब्लिंकन ने एक समाचार सम्मेलन में कहा कि इजरायल को यह अधिकार है कि अपने बचाव के लिए और बंधक नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने की कोशिश करे लेकिन, जिस तरह से वह ऐसा कर रहा है, वह मायने रखता है। उन्होंने चेतावनी दी कि कूटनीति का अनुसरण न करने से अधिक संघर्ष, अधिक हिंसा, अधिक पीड़ा और अधिक अस्थिरता और असुरक्षा पैदा होगी, जिसका असर दुनिया भर पर पड़ेगा।

भारत ने पीएम शहबाज के भाषण को पाखंड बताया:यूएन में कहा- पाकिस्तान ने बांग्लादेश में नरसंहार किया, अब इंटॉलरेंस की बात कर हो

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में (यूएनजीए) में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आरोपों का जवाब दिया है। भारतीय राजनयिक भाविका मंगलनंदन ने राइट ऑफ रिप्लाई के तहत पाकिस्तानी पीएम के भाषण को 'पाखंड' बताया।

भारतीय राजनयिक ने कहा : बदकिस्मती से आज असैंबली में ऐसा तमाशा दिखा है। एक ऐसा देश जिसकी कमान सेना के पास है, जो आतंकवाद, अपराध और ड्रग्स की तस्करी के लिए दुनियाभर में बदनाम है, उसने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर हमला करने की हिम्मत की है। राजनयिक भाविका ने कहा कि लंबे समय से दुनिया जानती है कि पाकिस्तान ने सीमा पार आतंकवाद का इस्तेमाल अपने पड़ोसियों के खिलाफ किया है। उन्होंने हमारी संसद, हमारी आर्थिक राजधानी मुंबई, हमारे बाजार और तीर्थयात्रा के रास्तों पर हमले किए हैं। ये लिस्ट बहुत लंबी है। भारतीय राजनयिक ने 1971 के नरसंहार की याद दिलाई राजनयिक भाविका ने कहा कि पाकिस्तान जैसे देश के लिए कहीं भी हिंसा के बारे में बात करना सबसे बड़ा पाखंड है। हैरानी वाली बात है कि जिस देश का इतिहास चुनावों में गड़बड़ी वाला है वह एक लोकतंत्र में राजनीतिक विकल्प की बात करता है। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि पाकिस्तान ने बांग्लादेश में 1971 में नरसंहार किया और अभी भी अपने अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करता है। अब

उनके नेता असहिष्णुता और फोबिया की बात कर रहे हैं। भारतीय राजनयिक ने ये भी कहा कि पाकिस्तान की नजर हमारी जमीन पर है। उसने लगातार आतंकवाद का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर में चुनावों में किया है। शहबाज शरीफ का पुराना कश्मीर राग इससे पहले पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कश्मीर की तुलना फिलिस्तीन से की थी। अपने 20 मिनट के भाषण में शरीफ ने आर्टिकल 370 और बुरहान वानी का भी जिक्र किया था। शरीफ ने कहा था कि भारत अपनी सैन्य ताकत लगातार बढ़ा रहा है। वह इसका इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ कर सकता है।

पाकिस्तानी पीएम ने भारत को चेतावनी देते हुए कहा कि पाकिस्तान, एलओसी पर किसी भी हमले का जवाब देगा। पाकिस्तानी पीएम बोले- भारत आर्टिकल 370 वापस ले पीएम शरीफ ने कहा कि कश्मीर में शांति कायम करने के लिए भारत को आर्टिकल 370 का फैसला वापस ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन के लोगों की तरह कश्मीर के लोगों ने भी अपनी आजादी लिए एक सदी तक संघर्ष किया। शरीफ ने कहा, भारतीय उत्पीड़न के बावजूद कश्मीर के लोग बुरहान वानी की विचारधारा को बरकरार रखते हैं और लगातार लड़ रहे हैं। इस लड़ाई में हम उनके साथ हैं। पाकिस्तानी पीएम ने दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुरान का अपमान बढ़ गया है। मस्जिदों पर हमले हो रहे हैं। यह एक चिंता का विषय है और हमें इसका मिलकर मुकाबला करना चाहिए। शरीफ ने ये भी कहा कि इस्लामोफोबिया की सबसे भयावह स्थिति भारत में है। भारत में हिंदू वर्चस्ववादी एजेंडा हावी है। इसका मकसद 20 करोड़ भारतीय मुसलमानों को कमजोर करना और भारत की इस्लामी विरासत को मिटाना है।

गांजे पर दिए बयान पर सपा सांसद के खिलाफ गाजीपुर में मामला दर्ज

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर में समाजवादी पार्टी सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई सांसद द्वारा गांजे के संबंध में की गई विवादास्पद टिप्पणियों के चलते की गई है। गोराबाजार चौकी इंचार्ज राजकुमार शुक्ला ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है। अफजाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि लाखों लोग गांजा पीते हैं और इसे भगवान का प्रसाद मानते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि गांजा भगवान का प्रसाद है, तो इसे अवैध क्यों माना जाता है। सांसद ने यह भी कहा कि कई साधु-संत और महात्मा समाज के लोग गांजे का सेवन करते हैं और आगामी कुम्भ मेला के दौरान यदि वहां एक मालगाड़ी गांजा भेज दिया जाए, तो वह भी खत्म हो जाएगा। सांसद के बयान में यह भी उल्लेख था कि लखनऊ में भी बड़े-बड़े लोग गांजा पीते हैं। इसलिए भांग की तरह सरकार को इसे भी लाइसेंस देना चाहिए। अफजाल अक्सर अपने बयानों के चलते चर्चाओं में रहते हैं और इससे पहले भी वह कई बार सुर्खियां बटोर चुके हैं। गांजे वाले बयान ने गाजीपुर में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है, और लोग इस पर अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सांसद के बयानों ने न केवल विवाद खड़ा कर दिया है, बल्कि सवाल भी उठाया है कि भारतीय कानून में नशीली पदार्थों के सेवन के प्रति दृष्टिकोण किस प्रकार का होना चाहिए।

तेंदुए ने ली महिला की जान, हमले में दस दिन में 6 लोगों की हो चुकी है मौत

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर के गोगुंदा में तेंदुए ने एक महिला पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। महिला का शव उसके घर से 300 मीटर दूर पहाड़ी पर मिला है। घटना के बाद कोहराम मच गया। वहीं तेंदुए के हमले को लेकर क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। इस क्षेत्र में अब तक दस दिनों में तेंदुए के हमले से 6 लोगों की मौत हो चुकी है। वन विभाग टीम ने तीन तेंदुओं को पकड़ भी लिया है। जानकारी के मुताबिक गोगुंदा के पास गुर्जरों का गुड़ा गांव में रहने वाली महिला गटू बाई (55) पत्नी मोती लाल गुर्जर शनिवार को मवेशियों के लिए चारा लेने गई थीं। गटू बाई देर शाम तक जब वापस नहीं लौटीं तो परिजनों को चिंता हुई। महिला के पति मोती लाल गुर्जर कुछ ग्रामीणों के साथ उसे खोजने जंगल गए। इस दौरान पहाड़ी पर महिला का क्षत-विक्षत शव उसे मिला। इस बात की सूचना पर पुलिस और वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया।

सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के जज नहीं करना चाहते संपत्ति का खुलासा

-सुप्रीम कोर्ट के 33 जजों में 27 जजों ने दी जानकारी

नई दिल्ली। भारत में 25 हाईकोर्ट के 789 जजों में से मात्र 98 जजों ने अपनी संपत्ति के बारे में जानकारी दी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के 33 जजों में से 27 जजों ने अपनी संपत्ति की जानकारी, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को दी है। सुप्रीम कोर्ट के 6 जजों ने अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है। संसद की कार्मिक लोक शिकायत और न्याय समिति ने 1 साल पहले सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति और देनदारी का अनिवार्य रूप से खुलासा करने की अनुशंसा की थी। इस अनुशंसा के बाद भी हाईकोर्ट के जजों में संपत्ति का खुलासा करने में कोई रुचि नहीं ली है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका के फैसलों से आम जनता के बीच में न्यायपालिका की साख कम हुई है। उसको देखते हुए यह माना जा रहा है। जजों को अपनी संपत्ति का खुलासा करना चाहिए।

गड्ढे में डूबने से साढ़े चार साल के बच्चे की मौत

फरीदाबाद। नेहरू एनक्लेव सूरदास कॉलोनी में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां सीवर लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबकर साढ़े चार साल के बच्चे की मौत हो गई। नगर निगम द्वारा सीवर लाइन डाली जा रही है। जिसके लिए यह गड्ढा खोदा गया था। सीवर लाइन के लिए करीब महीने भर पहले गड्ढा खोद दिया था।गड्ढे में बारिश का पानी भर गया था। यहां रहने वाले राधा शाह का बेटा आर्यन कुमार खेल रहा था। इस दौरान पैर फिसलने की वजह से वह इस गड्ढे में गिर गया और डूब गया। पुलिस ने नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र में बढ़ा आर्थिक संकट, नई योजनाओं के लिए वित्त विभाग ने किया इनकार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले महायुती सरकार ने कई नई योजनाओं का ऐलान किया है। इनके प्रस्तावों को देखकर वित्त विभाग ने अपनी मजबूरियां गिनाते हुए प्रस्ताव स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। खेल विभाग के एक प्रस्ताव पर जवाब देते हुए राज्य के वित्त विभाग ने बताया है कि राजस्व घाटा और वित्तीय जिम्मेदारियों के साथ नई योजनाओं की वजह से लायबिलिटी को बढ़ाया नहीं जा सकता है। खेल विभाग ने 1781 करोड़ के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनवाने का प्रस्ताव रखा था। बता दें कि हाल ही में महाराष्ट्र सरकार ने माझी लड़की बहिन योजना की शुरुआत की है जिसके तहत पात्र महिलाओँ को 1500 रुपये प्रति महीने मिलने हैं। इस योजना के लिए सरकार का हर साल 46 हजार करोड़ रुपये खर्च होगा। इसके अलावा अन्नपूर्णा योजना के तहत गरबी रेखा से नीचे के परिवारों को तीन फ्री गैस के सिलिंडर दिए जाने हैं। इसके अलावा पिछड़ी जातियों और गरीबों की लड़कियों की उच्च शिक्षा का खर्च सरकार वहन करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त विभाग के निगेटिव रिस्पॉन्स के बाद बी सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सरकार ने 339.68 करोड़ रुपये का आवंटन भी इस काम के लिए कर दिया है। बता दें कि खेल विभाग एनसीपी के मंत्री संजय बानसोडे के पास है। खेल विभाग के प्रपोजल पर वित्त विभाग ने बताया था, 2024-25 में राजकोषीय घाटा बढ़कर 1,99,125.87 करोड़ पर पहुंच गया है। वहीं राजस्व घाटा 3 फीसदी के निशान को पार कर गया है। ऐसे में सरकार की नई योजनाओं की वजह से काफी आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थित में राज्य सरकार अतरिक्त जिम्मेदारी का बोझ नहीं उठा सकती।

हरियाणा और जम्मू कश्मीर की जनता से मायावती ने की अपील

कांग्रेस और भाजपा को अपना वोट देकर इसे खराब न करें

मंडी (एजेंसी)। लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस पर दलितों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि दलित समाज के लोग कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना वोट देकर इसे खराब न करें। बसपा प्रमुख ने हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दलितों से यह अपील की।

बसपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर श्रृंखलाबद्ध पोस्ट में कहा, ''हरियाणा में विधानसभा चुनाव के वक्त भी कांग्रेस द्वारा दलितों की लगातार की जा रही उपेक्षा व तिरस्कार से यह साबित है कि पार्टी में जब अभी सब ठीक नहीं है तो आगे क्या होगा? ऐसे में दलित समाज के लोग कांग्रेस व भाजपा आदि को वोट देकर इसे खराब न करें...।'' उन्होंने कहा, ''वैसे भी हमेशा आरक्षण विरोधी रही कांग्रेस के नेता अब आरक्षण को समय आने पर खत्म करने की बात करते हैं।''

मायावती ने कहा, ''अतः दलित अपना वोट बसपा को ही दें क्योंकि यही पार्टी उनके हित व कल्याण की सुरक्षा तथा संवैधानिक हक दिलाकर उन्हें शासक वर्ग बनाने के लिए लगातार संघर्षरत है।'' बसपा प्रमुख ने कहा, ''साथ ही जम्मू-कश्मीर में दलित वर्ग के लोगों कोकांग्रेस, भाजपा व अन्य किसी भी गठबंधन के मिथ्या वादे व अन्य बहकावे आदि में नहीं आना है। इनके दलित विरोधी इतिहास को ध्यान में रखते हुए अपना कीमती वोट बसपा को ही दें।''

हरियाणा में पांच अक्टूबर को मतदान होगा। वहीं जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, जहां पहले चरण में 18 सितंबर को 24 सीटों के लिए और दूसरे चरण में 25 सितंबर को 26 सीटों के लिए मतदान हुआ। तीसरे चरण का मतदान एक अक्टूबर को 40 सीटों पर होगा और वोटों की गिनती आठ अक्टूबर को होगी।

उत्तर बंगाल में बाढ़ की स्थिति चिंताजनक, केंद्र मदद नहीं कर रहा : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तरी जिलों में बाढ़ की स्थिति को ''खतरनाक'' बताया और दावा किया कि राज्य को इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए केंद्र सरकार से सहायता नहीं मिल रही है। बंगाल के उत्तरी हिस्से में बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए वहां जा रहीं बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार युद्ध स्तर पर बाढ़ से निपट रही है। मुख्यमंत्री ने सिलीगुड़ी जाते समय कहा, ''उत्तर बंगाल बाढ़ की चपेट में है। कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जैसे जिले प्रभावित हुए हैं। कोशी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण, बिहार के कई स्थान और बंगाल के मालदा और दक्षिण दिनाजपुर जिले निकट भविष्य में प्रभावित होंगे।'' केंद्र सरकार पर ''राज्य को आपदाओं से लड़ने में मदद करने के लिए अपनी भूमिका नहीं निभाने'' का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, ''हमारे बार-बार याद दिलाने के बावजूद केंद्र ने फरक्का बैराज का रखरखाव कार्य नहीं किया और इसकी जल-धारण क्षमता काफी हद तक कम हो गई है।

दहेज प्रताड़ना मामले में झूठे व गोलमोल आरोपों की गहन जांच जरुरी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दहेज प्रताड़ना के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महिला द्वारा अपने ससुराल वालों के खिलाफ दायर किए गए मुकदमे को खारिज कर दिया और कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोप स्पष्ट नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में उसने क्रिमिनल प्रोसिजर का गलत इस्तेमाल किया और ससुराल वालों को प्रताड़ित करने के लिए गलत नियत से दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया। महिला ने अपनी सौतेली सास, सौतेले देवर और ससुर आदि के खिलाफ इस मामले में दहेज प्रताड़ना और धमकी का केस दर्ज कराया था। सुप्रीम कोर्ट ने पहले के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि कोर्ट की यह ड्यूटी है कि वह आरोपों की सही तरह से जांच करे और तब ज्यादा सजग रहे जब आरोप अफसोसजनक और दुर्भावनापूर्ण लगाए गए हों। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि महिला ने अपने ससुराल वालों पर आरोप लगाया था कि उन्होंने उसके साथ क्रुएल्टी की है। साथ ही उन्हें धमकी दी है कि उन्हें संपत्ति आदि से बेदखल कर दिया जाएगा। मामले में केस दर्ज कराया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एफआइआर में शिकायत सामान्य है और अस्पष्ट है। मैटेरियल का भी अभाव है। इस मामले में आरोपियों ने पहले हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने दहेज प्रताड़ना समेत अन्य मामलों में दर्ज केस और कार्रवाई को खारिज करने से मना कर दिया था। महिला के ससुराल वालों ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट के जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने कहा कि इस मामले में शिकायती महिला ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ जो शिकायत की थी वह गलत नियत से की गई थी। यह सब उन्हें प्रताड़ित करने के लिए किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह एक यूनिक एफआईआर है, क्योंकि महिला ने अपने पति को आरोपी नहीं बनाया है। मामला दहेज के लिए प्रताड़ना का है, जिसमें महिला ने शिकायत की थी, लेकिन पति का नाम नहीं लिया।

भाजपा नेताओं के साथ मिलकर जबरन वसूली कर रहे ईडी के अधिकारी, फडणवीस को है जानकारी: संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कुछ अधिकारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की मिली भगत से लोगों से भारी मात्रा में धन उगाही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में आएगी तो इन अवैध गतिविधियों का पर्दाफाश किया जाएगा। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए यह आरोप भी लगाया कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को ऐसे अवैध कार्यों में लिप्त लोगों के बारे में पता है।

राउत ने आरोप लगाया, 'ईडी के एक एजेंट के रूप में काम करने वाला जीतू नवलानी नामक व्यक्ति जबरन वसूली में शामिल था। हमारी एमवीए सरकार ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। ऐसा माना जाता है कि उसे ईडी और भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस, दोनों का समर्थन प्राप्त था।' राउत ने दावा किया कि (जून 2022 में एकनाथ शिंदे सरकार में) राज्य के गृह मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद फडणवीस ने

इस मामले की जांच के लिए महाराष्ट्र विकास आघाडी (एमवीए) सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल को खत्म कर दिया।

कुछ अन्य लोगों का नाम लेते हुए राउत ने कहा कि ईडी के पूर्व अधिकारी राजेश्वर सिंह अब उत्तर प्रदेश में भाजपा के विधायक हैं। राउत ने दावा करते हुए कहा कि ईडी के साथ मिलकर काम करने वाला रोमी भगत नामक व्यक्ति भी जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था और फिलहाल आर्थर रोड जेल में बंद है। राउत ने कहा, 'देवेन्द्र फडणवीस इन लोगों और इनकी करतूतों को जानते हैं। उन्हें इसे सामने लाना चाहिए। हम (महा विकास आघाड़ी) सत्ता में आने के बाद हिसाब बराबर कर लेंगे। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। ईडी भाजपा की उगाही एजेंट है।'

चुनावी बांड योजना के संबंध में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ कर्नाटक में मामला दर्ज होने पर राउत ने कहा कि यह कार्रवाई स्थानीय अदालत के निर्देश पर की गई। चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित एक शिकायत के बाद बेंगलुरु की एक अदालत के निर्देश पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया गया। इस योजना को अब निरस्त किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार एक विशेष अदालत के आदेश के आधार पर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 384, 120 बी और 34 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

राहुल गांधी जमीनी हकीकत से अंजान, बे-मतलब की करते हैं बयानबाजी: कविंदर गुप्ता

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोला था। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डिप्टी सीएम और बीजेपी के वरिष्ठ नेता कविंदर गुप्ता ने पीएम मोदी की रैली को सफल बताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जमीनी हालात की जानकारी नहीं है। बिना मतलब के बयानबाजी में वह यकीन रखते हैं। मेरी समझ के परे है कि उनका कौन सलाहकार हैं। उनको कोई गंभीरता से नहीं लेता है। कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के नेता हर दिन पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवाद से ग्रस्त है। उससे पैसा लेकर ये लोग भारत के खिलाफ प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

वहीं, पीएम मोदी ने शनि?वार को एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि, यह चुनाव जम्मू-कश्मीर का भविष्य बनाने का चुनाव है। राज्य के लोग आतंकवाद, अलगाववाद और हिंसा के बजाय शांति, समृद्धि और अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं। ऐसे में यहां बीजेपी सरकार बनाना जरूरी है। यहां की जनता कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी के तीन खानदानों से त्रस्त हैं। लोग फिर वही निजाम नहीं चाहते, जिसमें भ्रष्टाचार हो, नौकरियों में भेदभाव हो। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि बीते दशकों में यहां सिर्फ कांग्रेस, एनसी और पीडीपी के नेता और उनके परिवार ही फले-फुले हैं। आपके हिस्से तो सिर्फ तबाही आई है। ये जो हमारी पीढ़ियां बर्बाद हुई हैं, इसकी सबसे बड़ी जिम्मेदार कांग्रेस है। आजादी के बाद से ही कांग्रेस की गलत नीतियों ने आपको सिर्फ और सिर्फ तबाही दी है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दो चरणों का चुनाव हो चुका है। तीसरे और अंतिम चरण का चुनाव एक अक्टूबर को होना है और आठ अक्टूबर को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

विधानसभा चुनाव से पहले बाहर आएंगे राम रहीम?

लखनऊ (एजेंसी)। चंडीगढ़(ईएमएस)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव है और राजनैतिक दल अपनी अपनी जीत के लिए प्रयास कर रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि राम रहीम को 20 दिन की पैरोल पर जेल से बाहर आ सकते हैं। बता दें कि 2017 में 20 साल की सजा सुनाए जाने के बाद से डेरा प्रमुख 10 बार पैरोल या छुट्टी पर जेल से बाहर आ चुके हैं। इस दौरान वह 255 दिन यानी कि करीब आठ महीने से ज्यादा समय जेल से बाहर बिता चुके हैं। उनकी कई पैरोल और छुट्टी की टाइमिंग हरियाणा और पड़ोसी राज्यों में चुनावों के साथ मेल खाती हैं।

हरियाणा में पांच अक्तूबर को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। इस बीच अपने दो शिष्यों के साथ रेप के आरोप में 20 साल की जेल की सजा काट कर रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह ने 20 दिन की पैरोल की मांग की है। इसे पहले उन्हें बीते 13 अगस्त

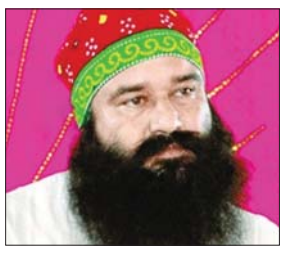

को 21 दिन की छुट्टी पर रिहा किया गया था। वह फिलहाल 2 सितंबर को रोहतक की सुनारिया जेल में अपनी सजा काट रहे हैं। राम रहीम पर चुनावों में एक खास तरीके से वोट देने के लिए प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया जाता रहा है। डेरा प्रवक्ता ने कहा कि चूंकि राम रहीम एक कैलेंडर वर्ष में 91 दिनों की अस्थायी रिहाई के हकदार हैं, इसलिए 20 दिन की पैरोल के लिए उनका अनुरोध कानून के अनुसार है। प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने 50 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो ली है। इसलिए वे कैलेंडर वर्ष में 20 दिन की पैरोल के हकदार हैं। चूंकि वर्ष समाप्त होने वाला है, इसलिए उन्हें 20 दिन की पैरोल लेनी होगी, अन्यथा यह समाप्त हो जाएगी।

इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने कहा है कि राम रहीम के पैरोल की अर्जी चुनाव आयोग को भेज दी गई है। अप्रैल 2019 में राज्यों को भेजे गए चुनाव आयोग के संदेश के अनुसार, पैरोल अत्यंत आपातकालीन मामलों में दी जानी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि दोषी चुनाव संबंधी किसी भी गतिविधि में शामिल न हो।सियासी जानकारों का कहना है कि सिरसा स्थित संप्रदाय के विवादास्पद प्रमुख के आदेशों का पालन करने को देखते हुए डेरा प्रमुख चुनावी मौसम में प्रासंगिक बने हुए हैं। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के राजनीति विज्ञानी प्रोफेसर आशुतोष कुमार ने कहा कि विभिन्न विचारधारा के राजनेता चुनावों के दौरान उनका आशीर्वाद लेने के लिए जाने जाते हैं।

नवादा हिंसा: इलाके में पुलिस तैनात, फिर भी लोग बाहर जाने से डर रहे

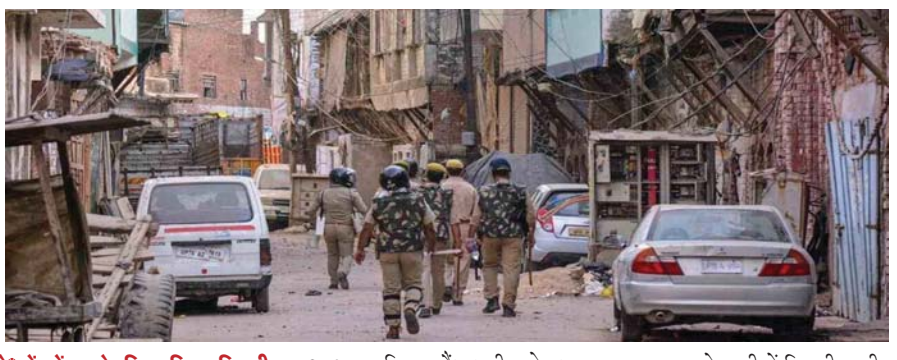

*** टेंट में रह रहे दलित परिवार, खिचड़ी खाकर जीने को मजबूर**

नवादा (एजेंसी)। दलित बस्ती को जलाने वाली घटना के बाद आज भी स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। बस्ती में अब भी सुरक्षाबल तैनात हैं, और तनाव बना हुआ है। प्रशासनिक स्तर पर राहत और पुनर्वास कार्य किए जा रहे हैं। मीडिया को वहां जाने से रोका जा रहा है। घटना के बाद अब बस्ती में स्थिति काफी हद तक सुधार हुआ है। त्रिपाल और तंबू लगाकर पीड़ित लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को मुआवजे के रूप में एक लाख 39 हजार 250 रुपए दिए गए हैं। स्थानीय लोग अब भी उस भयावह रात नहीं भूल पा रहे हैं। घटना के दौरान बस्ती का एक स्कूल, चर्च और कई घर पूरी तरह से जल चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के बाद से वे डरे हुए हैं और घर से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। कुछ लोगों ने कहा कि वे अब अकेले बाहर नहीं जाते और पुलिस को सूचना देकर ही निकलते हैं। काम-धंधे ठप हो गए हैं। स्थानीय प्रशासन ने राहत के तौर पर दो वक्त का खाना और सुबह नाश्ता उपलब्ध कराया है, जिसमें खिचड़ी जैसी सादी चीजें मिल रही हैं।

प्रशासन ने बस्ती में बिजली, पानी, वाशरूम और एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई है। प्रभावित परिवारों को मुआवजा भी दिया जा चुका है लेकिन सवाल उठता है कि यह मदद कब तक जारी रहेगी और क्या इससे बस्ती के लोगों को राहत मिल पाएगी? प्रशासन ने कहा कि इस मामले को जरूरत से ज्यादा तूल दिया जा रहा है, जिससे उनकी ड्यूटी प्रभावित हो रही है। बस्ती के लोग अब भी उस रात के भय से उबरने की कोशिश कर रहे हैं, और सवाल यह है कि सरकार की यह मदद कब तक जारी रहेगी और उन्हें कब तक सामान्य स्थिति की ओर लौटने का मौका मिलेगा।

देश में हेल्थ सर्विसेज़ हो रही महंगी, हर साल 14 फीसदी बढ़ रहा खर्च

*** दिल्ली में बढ़ रहे किडनी के मरीज, कोलकाता-मुंबई हार्ट अटैक में टॉप पर**

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में हेल्थ सर्विसेज़ की लागत हर साल 14 फीसदी बढ़ रही है। एको इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस इंडेक्स 2024 में यह खुलासा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोग अस्पतालों का बिल 23 फीसदी रुपया उधार लेकर चुका रहे हैं। 62 फीसदी खर्च का भुगतान लोगों को अपनी जेब से करना पड़ता है, जिससे परिवारों पर फाइनैंसियल दबाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट में हेल्थ खर्चों से बचाव के लिए बेहतर हेल्थ सर्विसेज़ कवरेज की जरूरतों पर जोर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली देश में किडनी रोग की राजधानी के रूप में उभरी है। यहां किडनी से संबंधित स्वास्थ्य बीमा दावे सबसे ज्यादा हैं। इंडेक्स में यह भी पाया गया कि दिल्ली के बाद, किडनी रोग के लिए सबसे ज्यादा दावे कोच्चि से किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली एनसीआर में किडनी से जुड़ी समस्याएं सबसे ज्यादा हैं। कोच्चि, सिकंदराबाद, बेंगलुरु और जयपुर में भी इन दावों का हिस्सा नैशनल औसत से ज्यादा था। किडनी और गुर्दे की समस्याओं वाले रोगियों की औसत आयु 47 साल है, जो एक अहम स्वास्थ्य चिंता का विषय है।

गौरतलब है कि पिछले साल किडनी से जुड़ी

समस्याओं के लिए इंडेक्स के मुताबिक सबसे बड़ा बिल 24,73,894 रुपए का था। यह ऐसी स्थितियों में मेडिकल खर्चों को दिखाता है। किडनी के अलावा, रिपोर्ट में हार्ट डिजीज़ सहित अन्य गंभीर बीमारियों के बारे में चर्चा की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोलकाता और मुंबई में हार्ट से जुड़ी बीमारियों के लिए सबसे ज़्यादा क्लेम किए जाते हैं। हार्ट मामले में अस्पताल में भर्ती होने वालों में सबसे ज्यादा मरीज़ 31 से 50 साल के होते हैं और इनकी संख्या में हर साल इजाफा हो रहा है। कोलकाता और मुंबई हार्ट अटैक जैसे मामले में महानगरों की सूची में सबसे ऊपर है।

रिपोर्ट में कैंसर के मामलों में चिंताजनक रुझान की ओर इशारा किया गया है, जिसमें 2020 से 2025 तक 13 फीसद की बढ़ोतरी होना बताया गया है। इस बीच केंद्र सरकार ने देश में स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए कई योजनाएं भी शुरू की हैं। 11 सितंबर 2023 को, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी सीनियर सिटीजंस के लिए स्वास्थ्य कवरेज को मंजूरी दी है। इस फैसले के साथ, सभी वरिष्ठ नागरिक, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। इस योजना में एक परिवार को हर साल पांच लाख रुपये का हेल्थ कवर दिया गया है।